श्रावण मास की शुभकामनाएं

02 अगस्त 2024 शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

ठेकेदार और अफसरों की मिलीभगत से सूबे में गिर रहे हैं पुल : समीर सिंह 2

लखनऊ में युवती से अभद्रता... सीएम योगी ने डीसीपी-एडीसीपी व एसीपी को हटाया, 4 सस्पेंड

- मुख्यमंत्री ने मामले को लेकर जताई गहरी नाराजगी, सख्त से सख्त कार्रवाई के दिये निर्देश
- पुलिस ने अब तक चार आरोपियों को किया गिरफ्तार
- चार अलग-अलग टीम कर रहीं आरोपियों की तलाश

केटी न्यूज/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लखनऊ के गोमतीनगर में बारिश के बाद हुई शर्मशार करने वाली घटना पर गहरी नाराजगी जताई है। सीएम योगी के निर्देश पर शासन ने मामले में लापरवाही बरतने वाले डीसीपी पूर्वी, एडीसीपी पूर्वी और एसीपी गोमतीनगर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है, जबकि गोमतीनगर इंस्पेक्टर, समतामूलक चौकी इंचार्ज समेत चौकी के सभी पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। इसके बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। इतना ही नहीं योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट अराजकतत्वों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करते हुए अबतक चार आरोपियों को अरेस्ट कर लिया है।

क्या है मामला: लखनऊ पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर ने बताया कि बुधवार तेज बारिश के बाद ताज होटल के निकट गोमतीनगर थाना क्षेत्र में बने अंडरपास के पास जल भराव हो गया। इस दौरान कुछ अराजक तत्वों द्वारा अंडरपास से गुजरने वाले राहगीरों के साथ आपत्तिजनक गतिविधियां करने की सूचना का संज्ञान लेते हुए गोमतीनगर में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गयी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने/ लज्जाभंग संबंधी) बीएनएस 2023 के तहत रिपोर्ट दर्ज की।

सीएम योगी की नाराजगी पर पुलिस महकमे में हड़कंप

सीएम योगी ने गोमतीनगर बारिश के बाद हुड़दंग करने वाले मामला का संज्ञान लेते हुए गुरुवार को लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। उन्होंने घटना पर नाराजगी हाजिर कर लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिये। सीएम योगी की नाराजगी पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। साथ ही सीएम के निर्देश पर शासन ने तत्काल प्रभाव से डीसीपी पूर्वी प्रबल प्रताप सिंह, एडीसीपी अमित कुमावत और एसीपी गोमतीनगर अंशु जैन को पद से हटा दिया। इसके साथ ही गोमतीनगर इंस्पेक्टर दीपक कुमार पांडेय, समतामूलक चौकी इंचार्ज ऋषि विवेक, दरोगा कपिल कुमार, सिपाही धर्मवीर और सिपाही वीरेंद्र कुमार को सस्पेंड कर दिया। वहीं आरोपियों की जल्दी गिरफ्तारी के निर्देश दिये गये। सीएम योगी के इस तेवर से अधिकारी से लेकर कर्मचारी तक सभी हैरान थे, वहीं आमजन ने इस पहल की सराहना की।

चार को भेजा जेल, अन्य की गिरफ्तारी को जारी है छापेमारी

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि क्राइम टीम ने छापेमारी के दौरान चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि मामले में सीसीटीवी की फुटेज के आधार पर बुधवार देर रात दो आरोपियों पवन यादव और सुनील कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया था। वहीं उनकी निशानदेही पर दो अन्य आरोपियों मोहम्मद अरबाज और विराज साहू को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके साथ ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।
इन्हें किया गया तैनात: पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई के बाद शशांक सिंह को डीसीपी पूर्वी, पंकज सिंह एडीसीपी पूर्वी, विकास जायसवाल को एसीपी गोमती नगर बनाया गया है। वहीं, इंस्पेक्टर राजेश कुमार त्रिपाठी को एसएचओ गोमती नगर बनाया गया। हटाए गए प्रबल प्रताप सिंह को डीसीपी यूपी 112, अमित कुमावत को एडीसीपी मुख्यालय में तैनाती दी गई है। इसी अंशु जैन को एसीपी महिला अपराध नियुक्त किया गया है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले में मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज

प्रयागराज। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में दायर 18 याचिकाओं को एक साथ सुना जाएगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी है। यह निर्णय जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच ने सुनाया। हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की दलील को अस्वीकार कर दिया। हिंदू पक्ष की ओर से दाखिल 18 याचिकाओं को शाही ईदगाह कमेटी के वकीलों ने हाईकोर्ट में ऑर्डर 7, रूल 11 के तहत चुनौती दी। शाही ईदगाह कमेटी के वकीलों ने बहस के दौरान कहा कि मथुरा कोर्ट में दाखिल याचिका सुनवाई योग्य नहीं है, क्योंकि यह मामला पूजा स्थल अधिनियम 1991 और वक्फ एक्ट के साथ लिमिटेशन एक्ट से बाधित है। इसलिए इस मामले में कोई भी याचिका दाखिल नहीं की जा सकती और न ही इसे सुना जा सकता है।

हिंदू पक्ष का तर्क था कि इस मामले पर पूजा स्थल अधिनियम या वक्फ बोर्ड कानून लागू नहीं होता है। उनका कहना है कि शाही ईदगाह परिसर, श्रीकृष्ण जन्मभूमि की जमीन पर स्थित है। हिंदू पक्ष ने दावा किया कि समझौते के तहत मंदिर की जमीन शाही ईदगाह कमेटी को दी गई, जो नियमों के खिलाफ है।

केरल के वायनाड में प्राकृतिक आपदा से अब तक 291 लोगों की मौत

मेरे लिए राष्ट्रीय आपदा है वायनाड हादसा यह वक्त राहत और सहायता का है: राहुल

- नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बहन प्रियंका गांधी के साथ किया वायनाड का दौरा, लोगों से मिलकर दी सांत्वना

एजेंसी/वायनाड–नई दिल्ली

केरल के वायनाड जिले में लैंडस्लाइड की वजह से भारी तबाही देखने को मिली है। अभी तक 291 लोगों की मौत हो चुकी है, कई लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। इस बीच नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को वायनाड का दौरा किया। उनके साथ प्रियंका गांधी भी थीं। दोनों नेताओं ने सेना के साथ मिलकर ना सिर्फ स्थिति का जायजा लिया बल्कि पीड़ितों से भी मुलाकात की।

राहुल गांधी ने जोर देकर कहा है कि वे इस मामले पर किसी भी तरह की राजनीति नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने बोला कि मेरे लिए यह एक राष्ट्रीय आपदा है। अभी राहत-बचाव और सहायता का वक्त है। मुझे वायनाड के लोगों की सहायता की चिंता है ना कि राजनीति की। अभी समय यह सुनिश्चित करने का है कि सभी तरह की सहायता मिले। मुझे पता है कि अपनों को खोने का गम क्या होता है। मैं गौरवान्वित हूं कि वायनाड के साथ इस घड़ी में वायनाड के लोग, देश के लोग खड़े हैं।

राहुल ने कहा कि यह वायनाड, केरल और पूरे देश के लिए एक भयावह त्रासदी है। हम परिस्थिति को देखने आए हैं और यहां पर परिस्थिति दर्दनाक है। हम पीड़ितों की सहायता की पूरी कोशिश करेंगे। अभी कई काम हैं जो करना है। राहुल गांधी ने तो यहां तक बोला है कि उन्हें उतना ही दुख हो रहा है जितना अपने पिता खोने पर हुआ था। बता दें कि राहुल के पिता राजीव गांधी इस देश के पूर्व प्रधानमंत्री थे जिनकी बम धमाके में निर्मम हत्या कर दी गई थी। वहीं प्रियंका गांधी ने कहा कि हमने पूरे दिन लोगों से मुलाकात की है जो इस आपदा से जूझ रहे हैं। हम लोगों को हर संभव सहायता के लिए यहां आए हैं। ऐसे समय में हमें कष्ट से गुजर रहे लोगों की मदद के लिए आगे आने की जरूरत है।

भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में सेना का राहत व बचाव कार्य जारी

केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन के कारण अब तक 291 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 200 लोग लापता हैं। यह आंकड़ा अभी और भी अधिक बढ़ सकता है। वहीं भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में सेना का राहत व बचाव कार्य जारी है।
लापता लोगों की तलाश के लिए नदी में बचाव अभियान जारी रहेगा: सीएम विजयन: केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने कहा, 'लापता लोगों की तलाश के लिए नदी में बचाव अभियान जारी रहेगा। बचाए गए लोगों को अस्थायी रूप से शिविरों में स्थानांतरित कर दिया गया है। पुनर्वास कार्य जल्द से जल्द किया जाएगा, जैसा कि हमने पहले की स्थितियों में भी किया है। मैं मीडिया से अनुरोध करता हूं कि वे लोगों से मिलने और शिविरों के अंदर शूटिंग करने से बचें। आप उनसे शिविरों के बाहर बात कर सकते हैं, व्यक्तियों की गोपनीयता की रक्षा करना महत्वपूर्ण है। वहीं एनडीआरएफ के डीजी पीयूष आनंद ने कहा, 'एनडीआरएफ की टीमें बचाव कार्य में लगी हुई हैं। हमारी चार टीमें वहां मौजूद हैं। हमने रस्सी बचाव तकनीक का उपयोग करके लोगों को बचाया। भारतीय सेना और वायुसेना भी वहां मौजूद है। भारतीय सेना वहां बेली ब्रिज बनाने की कोशिश कर रही है। वायुसेना ने कई लोगों को बचाया है और उन्होंने फंसे हुए लोगों तक खाने का सामान भी पहुंचाया है।

लातेहार में बिजली पोल से टकराई गाड़ी, करंट से 5 कांवड़ियों की मौत

बाबाधाम से लौटने के दौरान हुआ दर्दनाक हादसा

- बालूमाथ के मकईयाटांड़ गांव के रहनेवाले हैं सभी
- घटना में पांच कांवड़िया घायल दो की हालत गंभीर

एजेंसी/रांची

झारखंड के लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत टमटम टोला के पास गुरुवार की सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां देवघर से लौट रहे कांवड़ियों की गाड़ी अनियंत्रित होकर एक बिजली के पोल से टकरा गई। इस घटना में पांच कांवड़ियों की मौत हो गई, जबकि पांच कांवड़ियां घायल हैं। घायलों को इलाज के लिए बालूमाथ अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बालूमथ के उप-मंडल पुलिस अधिकारी आशुतोष कुमार सत्यम ने बताया कि देवघर में पूजा-पाठ करने के बाद सभी कांवड़ियां गाड़ी से अपने घर बालूमाथ के मकईयाटांड़ गांव लौट रहे थे। इसी दौरान अचानक वाहन अनियंत्रित होकर टमटम टोला के पास एक बिजली के पोल से टकराया गया। वाहन के टकराने से पोल टूट गया, जिससे कई कांवड़ियां बिजली के तार की चपेट में आ गए। इस हादसे में मौके पर ही पांच कांवड़ियों की मौत हो गई।

चीख पुकार सुन आए ग्रामीण: जानकारी के अनुसार बालूमाथ स्थित टमटम टोला के पास गाड़ी के ड्राइवर को झपकी आ गई। इसके बाद गाड़ी अनियंत्रित होकर बिजली के खम्भे से टकरा गई, जिससे 11 हजार वोल्ट की बिजली के करंट लगने से मौके पर ही ड्राइवर समेत पांच कांवाड़ियों की मौत हो गई। इस हादसे में पांच कांवाड़िये घायल भी हैं, जिनमें दो की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

ड्राइवर समेत गाड़ी में सवार थे 19 लोग

बताया जा रहा है कि ड्राइवर समेत गाड़ी में लगभग 19 लोग सवार थे। मृतकों की पहचान रगीली कुमारी (12 वर्ष), अंजली कुमारी (15 वर्ष), दिलीप उरांव (24 वर्ष), सविता देवी, (30 वर्ष), शांति देवी (62 वर्ष) के रूप में हुई है। जबकि घायलों में हनेश यादव, चरकू यादव, हरिनंदन यादव, परमेश्वर यादव, रीना कुमारी शामिल हैं। इस घटना के बाद इलाके में चीख पुकार मच गई। लोगों के चीखने की आवाज सुनकर ग्रामीण बाहर आए। इसके बाद बिजली काटकर राहत कार्य शुरू किया गया। आनन फानन में सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दो लोगों को रिम्स रेफर कर दिया गया।

बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से 14 लोगों की मौत, खेत में रोपनी करने के दौरान हादसा

एजेंसी/पटना

बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से गुरुवार को 14 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में बिहार के गया के एक गांव के पांच लोग शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक गया जिले के बेलागंज थाना क्षेत्र के पनारी गांव में गुरुवार को ठनके से एक दंपती सहित पांच लोगों की मौत हो गयी। साथ ही तीन लोग घायल हैं। मरनेवालों की पहचान पनारी गांव के 48 वर्षीय जितेंद्र व उनकी पत्नी 45 वर्षीय मीना देवी, 60 वर्षीय कपिल यादव, 55 वर्षीय शंकर राम व 60 वर्षीय रामबली मालाकार के रूप में की गयी है। घायलों में राजू महतो, मोती लाल प्रजापत व अनिल सिंह हैं। गांव के बड़का बर के पास सभी अपने-अपने खेतों में रोपनी कर रहे थे। इधर, ठनके की चपेट में आने से नालंदा में दो, औरंगाबाद, गया, नवादा व सासाराम में एक-एक की मौत हो गयी। औरंगाबाद के देवकुंड थाना क्षेत्र के बिलारू गांव में धान की रोपनी कर रही महिला की मौत ठनके से हो गयी। वहीं, रोहतास में नौहट्टा में महिला व गया के अतरी स्थित जमलापर गांव में युवक की जान चली

मौत पर सीएम ने जताया शोक

वज्रपात से मौत पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपये अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं। सीएम ने अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी सुझावों का पालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

बिहार में जल्द होगी 20000 सिपाही और दो हजार एसआई की बहाली

केटी न्यूज/पटना

बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। उससे पहले नीतीश कुमार ने युवाओं के लिए नौकरी का पिटारा खोल दिया है। शिक्षक बहाली के बाद नीतीश कुमार ने सिपाही भर्ती के लिए बंपर वैकेंसी निकाली है। बिहार में बहुत जल्द 2 हजार दारोगा और 20 हजार सिपाहियों की बहाली होगी। कार्मिक विभाग के डीआईजी रंजीत कुमार मिश्र ने इसकी जानकारी दी। बिहार पुलिस में बंपर भर्ती को लेकर कार्मिक विभाग के डीआईजी रंजीत कुमार मिश्र ने बताया कि बहुत ही जल्द बिहार पुलिस में 20000 सिपाहियों और 2 हजार सब इंस्पेक्टर की बहाली की जाएगी। इसको लेकर प्रक्रिया भी शुरू हो गयी है और जल्द ही भर्ती विज्ञापन निकाला जाएगा।

अवर निरीक्षक के 1275 पदों पर पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू: वहीं, पुलिस अवर निरीक्षक के 1275 पदों पर पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हो गई है। नियुक्ति की प्रक्रिया अभ्यर्थियों के संबंधित जिले में डीआईजी के दफ्तर में होगी। रंजीत कुमार मिश्रा ने बताया जरूरी दस्तावेजों के साथ अभ्यर्थियों को संबंधित नियुक्ति प्राधिकार के समक्ष उपस्थित होकर योगदान देना होगा।

आय से अधिक संपत्ति और महिला वकील से गैंगरेप के आरोप में बिहार सरकार ने की कार्रवाई

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संजीव हंस से छीने गए सभी पद

केटी न्यूज/पटना

बिहार के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संजीव हंस को ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव पद से हटा दिया गया है। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चल रही जांच और महिला वकील से गैंगरेप के आरोपों के बीच नीतीश सरकार ने यह कार्रवाई की। उन सामान्य प्रशासन ने इस संबंध में गुरुवार को अधिसूचना जारी की। अगले आदेश तक संजीव हंस को सामान्य प्रशासन विभाग के पटना स्थित कार्यालय में योगदान देना होगा। संजीव हंस की जगह उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव संदीप पौंडरिक को ऊर्जा विभाग की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। संजीव हंस के पास बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी के एमडी का प्रभार भी था, सरकार ने उन्हें इस पद से भी मुक्त कर दिया है। बता दें कि रेप और अवैध संपत्ति अर्जित करने के आरोपी आईएएस अधिकारी संजीव हंस के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय यानि एऊलगातार कार्रवाई तेज करती जा रही है। ईडी की टीम ने 31 जुलाई को संजीव हंस के चाटर्ड अकाउटेंट समेत दूसरे करीबियों के ठिकानों पर छापेमारी की थी। संजीव हंस के साले और पीए के घर पर छापेमारी में कई अहम दस्तावेज मिले थे। जिससे संजीव हंस के कारनामों का खुलासा हुआ है। बड़ी खबर यह भी आ रही है कि ईडी ने पूछताछ के लिए संजीव हंस को समन भेजा है। कभी भी संजीव हंस की गिरफ्तारी हो सकती है।

इधर ईडी की कार्रवाई के अगले दिन ही बिहार सरकार ने कार्रवाई करते हुए 1997 बैच के आईएएस संजीव हंस के हाथ से ऊर्जा विभाग की कमान छीन ली है। ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव संजीव हंस बिहार स्टेट पावर (हॉल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के अतिरिक्त प्रभार में थे। प्रशासनिक दृष्टिकोण से उनके द्वारा धारित पद और अतिरिक्त प्रभार के दायित्व से मुक्त किया गया है।

जानकारी के अनुसार संजीव हंस के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिल चुके हैं। अब तक करीब दो दर्जन लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। संजीव हंस के दो करीबियों ने ईडी का गवाह बनना स्वीकार कर लिया है। इसे ईडी के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है।

बिजली प्रीपेड मीटर में नहीं है लूट, मोबाइल में भी ऐसा लगता था: मंत्री

- विपक्ष लगातार सत्ता पक्ष को घेर रही है कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर में लूट मची है
- बोले मंत्री-तकनीकी रूप से इसका आविष्कार वैज्ञानिकों ने किया है, इसमें क्या कोई छेड़छाड़ कर सकता है

केटी न्यूज/पटना

बिहार के जिस शहर में सीएम नीतीश कुमार की बिहार सरकार ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगवाए हैं, हर जगह इसकी लूट की चर्चा है। आईएएस संजीव हंस पर भी इसके लिए आरोप लग रहा है। लेकिन, ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव ने इस सवाल पर अजीब जवाब दिया है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर पर अभी बवाल मचा है। इसको लेकर विपक्ष लगातार सत्ता पक्ष को घेर रही है कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर में लूट मची है। इसमें कई गुना ज्यादा रुपया लग रहा है, जबकि बिजली का उपयोग उतना ही हो रहा है जितना पहले होता था। इस लूट में आईएएस संजीव हंस पर भी आरोप लग रहे हैं। इस बीच ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव ने अजीब जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि मोबाइल में भी शुरू में यही शिकायत आई थी। जब शुरू में मोबाइल आया था तो उसमें भी यही शिकायत हो रही थी। वैसे भी तकनीकी रूप से इसका आविष्कार वैज्ञानिकों ने किया है तो इसमें क्या मामला है। राजद वाले बहुत बात जानते ही नहीं हैं इसलिए यूं ही अलर-बलर बोलते रहते हैं। ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव ने कहा कि बहुत लोग बहुत बात बोलते हैं, उनके अनावश्यक बातों पर ध्यान मत दीजिए। उन्होंने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि राजद वाले विरोधी है तो वेलोग कुछ ना कुछ तो बोलेगा ही। ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव से राहुल गांधी के संबंध में पत्रकारों ने सवाल पूछा कि राहुल गांधी कह रहे हैं कि देश में डर का माहौल हो गया है, इसके जवाब में ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव ने कहा कि आप डर महसूस कर रहे हैं। काहे के लिए फालतू सवाल पूछ रहे हैं। आजकल राजनीति का स्तर काफी गिर गया है इसलिए अनावश्यक प्रश्नों पर आपको तरजीह नहीं देना चाहिए। राहुल गांधी संसद में बोलते हैं तो बोलने दीजिये। पत्रकारों ने यह भी सवाल किया कि भाजपा का कहना है कि जिसके जाति का पता ही नहीं उसे जाति गणना के बारे में नहीं बोलना चाहिए, इस सवाल पर ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव खुद को बचाने लगे। उन्होंने कहा कि इन सब बातों पर मुझे कोई कमेंट नहीं करना है। नवमी अनुसूची में आरक्षण का प्रस्ताव डाल देना चाहिए। इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि बातचीत चल रही है। विदित हो कि नीतीश सरकार ने भी आईएएस अधिकारी संजीव हंस पर शिंकजा कस दिया है। उन्हें सभी पदों से हटा दिया गया है। साथ ही अन्य जांच भी शुरू हो गई। ऐसे में कईयों के नाम आने की संभावना है।

बिना दल के समर्थन के सांसद बनना असंभव : आरसीपी सिंह

केटी न्यूज/जहानाबाद

जहानाबाद पहुंचे भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने जदयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के बयान का खंडन किया। जिसमें ठाकुर ने कहा था कि वह अपने बलबूते सांसद बने हैं। जहानाबाद पहुंचे भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने जदयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के उस बयान का खंडन किया है। जिसमें ठाकुर ने कहा था कि मैं अपने बलबूते सांसद बना हूं। मुझे जदयू और बीजेपी का वोट नहीं मिला है। आरसीपी सिंह ने कहा कि देवेश चंद्र ठाकुर का ये कहना सरासर गलत है। बगैर किसी दल के टिकट पर दल का समर्थन लेकर संसद बन जाए ये तो संभव नहीं है। उन्होंने कहा है कि इस प्रकार की बात का मैं समर्थन नहीं करता हूं। आरसीपी सिंह ने नया दल बनाने के सवाल के जवाब में साफ कहा कि फिलहाल भाजपा में हैं और आगे भी रहेंगे। किसी नए दल के गठन का कोई औचित्य नहीं है।उन्होंने बिहार में बढ़ते क्राइम के संबंध में पूछे गए सवाल पर साफ तौर पर कहा कि 2005 के पूर्व बिहार की क्या हालत थी सब लोग जानते हैं।

ध्वस्त हुए पुलों की जांच न्यायाधीश की देखरेख में होनी चाहिए, सारी सच्चाई सामने आयेगी

ठेकेदार और अफसरों की मिलीभगत से सूबे में गिर रहे हैं पुल : समीर सिंह

केटी न्यूज/पटना

ग्रामीण कार्य विभाग के मंत्री अशोक चौधरी ने विपक्ष पर पुल गिरने के मामले को लेकर बिहार को बदनाम करने का आरोप लगाया था। वहीं, मंत्री अशोक चौधरी के आरोप पर पलटवार करते हुए कांग्रेस एमएलसी समीर सिंह ने कहा कि बिहार को बदनाम सरकार के विभाग ने किया, जहां पर पुल गिरे। इस मामले को उजागर कर विपक्ष ने अपना दायित्व निभाया। इस मामले की जांच सरकार कर रही है और सरकार के विभाग के द्वारा ही बनाए गए पुल गिरे हैं। ठेकेदार और अधिकारियों की मिली भगत से पुल गिर जाते हैं। कांग्रेस एमएलसी ने कहा कि निगरानी की जांच में क्या सही रिपोर्ट आएगी जब सरकार ही दोषी होती है तो। इस मामले की जांच न्यायाधीश की अध्यक्षता में होनी चाहिए तब जाकर सही रिपोर्ट सामने आएगी कि किस तरह से ठेकेदार और अधिकारियों की मिलीभगत से पुल गिर जाते हैं। दिलीप जायसवाल को बिहार भाजपा का अध्यक्ष बनाए जाने पर समीर सिंह ने कहा कि भाजपा नेतृत्व बदलाव कर बिहार में अपनी स्थिति को सुधारने की कोशिश में लगी है। नए प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कभी लीडर के रूप में काम नहीं किया है। 2025 में जीत महागठबंधन की ही होगी'समीर सिंह ने कहा कि मौजूदा सरकार के खिलाफ बिहार की जनता में बड़ी नाराजगी है। दिलीप जायसवाल को इस बीच एक साल का मौका दिया गया है 2025 की तैयारी का, जनता को समझ कर भाजपा के पक्ष में करने के लिए। मगर बिहार की जनता ने 2024 के चुनाव में भाजपा को बता दिया है कि वह उनसे नाराज है। भाजपा में बदलाव से 2025 के परिणाम में कोई बदलाव नहीं होगा, जीत महागठबंधन की ही होगी। दिलीप जायसवाल कोशिश जरूर कर रहे हैं नए प्रदेश अध्यक्ष बन भाजपा में सुधार की मगर व सफल नहीं हो पाएंगे।

गुणवत्तापूर्वक पुल बनते तो यह हादसे नहीं होते : भाई वीरेंद्र

पटना। पुल गिरने के मामले में विपक्ष को बिहार को बदनाम करने का दोषी बनाए जाने पर राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार में पुल बनाने में जो चोरी हुई है, अगर विपक्ष ने कह दिया तो इसमें सत्ता पक्ष को दिक्कत क्यों हो रही है। भाई वीरेंद्र ने कहा कि बिहार में पुल निर्माण में लूट हुई है और सत्ता पक्ष में ऊपर से लेकर नीचे तक इस लूट का हिस्सा की बात है। पुल गिरने की घटना की जांच निगरानी विभाग द्वारा कराए जाने पर राजद विधायक ने कहा कि निगरानी विभाग की जांच क्या सही होगी। दूध की रखवाली बिल्ली से नहीं कराया जाता है, निगरानी विभाग भी सरकार का महकमा है। सरकार जो आदेश देगी उसी अनुसार जांच का रिपोर्ट सामने आएगा। विभाग ने चोरी किया है कोई कह रहा है तो उन्हें दुख क्यों लग रहा है? गुणवत्ता पूर्वक पुल बनते तो यह हादसे नहीं होते। भाजपा के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल को लेकर राजद विधायक ने कहा कि बिहार बीजेपी को मजबूत करने के लिए पहले सम्राट चौधरी भी प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए थे। महागठबंधन को हराने के लिए सम्राट को मौका दिया गया था, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर बीजेपी ने सम्राट चौधरी को यूज एंड थ्रो कर दिया। नए अध्यक्ष दिलीप जायसवाल का भी 2025 के बाद यही हाल होगा।

देश में रहना है तो राहुल गांधी को बतानी होगी अपनी जाति : श्रम मंत्री संतोष सिंह

केटी न्यूज/पटना

भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने कांग्रेस के वरीय सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पहले लोकसभा में भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी की जाति को लेकर सवाल उठाया। अब इसको लेकर पूरे देश में सियासत गरमा गई है। बिहार सरकार के श्रम मंत्री संतोष कुमार सिंह ने स्पष्ट कह दिया है कि अगर राहुल गांधी को भारत में रहना है तो उन्हें अपनी जाति बतानी होगी और जाति प्रमाण पत्र भी दिखाना होगा। क्योंकि उनके मामा का गांव इटली में है। वह इटली में किस जाति में हैं। वह भगवान जाने। उनके मामा हिंदू है या नहीं। इसलिए राहुल गांधी बता दें कि वह किस जाति में हैं और किस धर्म को मानते हैं।वहीं तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए मंत्री संतोष कुमार सिंह ने कहा कि वह अपने आप में खुद ही समस्या हैं तो वह दूसरों की समस्या का क्या समाधान करेंगे। तेजस्वी प्रसाद यादव अपने पिता-माता, बहन और अपनी खुद की समस्या के समाधान के बारे में चिंता कर रहे हैं। जब चुनाव आता है तब उन्हें जनता की याद आती है, जनता के बीच जाते हैं। वहीं जनता दल यूनाईटेड के सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के लालू प्रसाद के समर्थन में दिए गए बयान के सवाल पर मंत्री संतोष सिंह ने कहा कि यह उनका व्यक्तिगत मामला है।

बोले डिप्टी सीएम विजय सिन्हा... अपराधियों के विरुद्ध पुलिस को खुली छूट, करें कार्रवाई

- मंत्री ने कहा... हमारी सरकार ने पुलिस को खुली छूट दे दी है कि वह अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें
- बिहार में जंगलराज की तरह एनडीए सरकार नहीं बनने देगी, जनता से किया हुआ वादा हमलोग भूले नहीं हैं

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में भारतीय जनता पार्टी कार्यसमिति की बैठक में पहुंचे डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा का बयान बिहार में अपराधी को पनपने नहीं दिया जाएगा, जो पनपेगा हमारी सरकार उसको साफ करेगी। हमने पुलिस और प्रशासन को खुली छूट दी है। अपराधी किसी भी सूरत में बक्शे नहीं जाएंगे। भाजपा के कार्यकताओं को संबोधित करते हुए बिहार सरकार में डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि यह कोई पूर्व की जंगलराज वाली सरकार नहीं है जो बिहार में अपराधी पनप जाए। बिहार के लोगों को हर तरह से सुरक्षित माहौल देना हमारा संकल्प है और इसको हम पूरा करेंगे। अपराधी को संरक्षण देने वाले लोग भी सुधर जाए वरना कर्रवाई की जद में वो भी आएंगे। फिर चाहे भू माफिया हो बालू माफिया हो या शराब के धंधे से जुड़े माफिया। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने विपक्षी दलों पर हमले करते हुए कहा कि हमारी सरकार सुसाशन वाली सरकार है। इसमें किसी भी अपराधी को पनपते नहीं दिया जाएगा। जो भी घटनाएं हुई हैं सरकार उसको लेकर के गंभीर है और हमारी सरकार ने पुलिस को खुली छूट दे दी है कि वह अपराधियों के खिलाफ में कड़ी करवाई करे। इसके साथ ही उन्होंने विपक्षी दलों के नेताओं को कहा कि सब संकल्प लें कि अपराधी को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेंगे। इसके लिए सदन में बात करने के लिए हम सब तैयार हैं। बिहार की सरकार पूर्व की सरकार के जंगलराज को किसी भी तरह से नहीं बनने देगी।

स्कॉर्पियों ने टेंपो में मारी टक्कर, चार आंगनबाड़ी सेविका सहित सात घायल

बेतिया। बेतिया के नरकटियागंज-बेतिया मुख्य मार्ग में एक स्कॉर्पियो ने टेंपो में सामने से ठोकर मार दी। वहीं, टेंपो में सवार चार आंगनबाड़ी सेविका सहित सात लोग घायल हो गए। घटना नरकटियागंज चौबे जी पेट्रोल पंप के पास की है। जहां पर एक टेंपो और स्कार्पियो में आमने-सामने भिड़ंत हो गई है, जिसमें टेंपो में सवार सात लोग घायल हो गए हैं। बता दें कि घायलों की पहचान हरनइया गांव निवासी वीना देवी, अंजू देवी, प्रमोद सिंह और मुसहरवा के तजरून नेशा, जफरून नेशा, मोहम्मद नेहाल (10) तथा टेंपो चालक राजपुर गांव निवासी अंसारी के रूप में की गई है। सभी घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल नरकटियागंज में भर्ती कराया गया है। इसमें चार महिलाओं को गंभीर स्थिति में बेतिया रेफर कर दिया गया है। नरकटियागंज के तरफ से एक काले रंग की स्कॉर्पियो तेज गति से रांग साइड में जाकर टेंपो में सामने से टक्कर मार दी।

समाज के सबसे निचले पायदान पर रहने वाली जाति की समस्याओं पर बनी है फिल्म

दलित हितों पर सशक्त संदेश देने वाली पहली भोजपुरी फिल्म जया का पटना में हुआ प्रीमियर

केटी न्यूज/पटना

दलित हितों की बात करने वाली पहली भोजपुरी फिल्म जया का राजधानी पटना में प्रीमियर हुआ। इस मौके पर निर्माता रत्नाकर कुमार, निर्देशक धीरू यादव, लेखक धर्मेंद्र सिंह और कलाकार दयाशंकर पाण्डेय व माही श्रीवास्तव मौजूद रहे। मसान और अमर सिंह चमकीला श्रेणी की पहली भोजपुरी फिल्म जया का भव्य प्रीमियर गुरुवार को राजधानी पटना के सिने पोलिस में हुआ। फिल्म जया एक सशक्त संदेश देती है और समाज में दलितों के अधिकारों और संघर्षों को प्रमुखता से प्रस्तुत करती है। प्रीमियर के दौरान फिल्म को लेकर उत्साह और उत्सुकता देखी गई। वर्ल्ड वाइड चैनल और जितेंद्र गुलाटी प्रस्तुत इस फिल्म के को-प्रोड्यूसर निवेदिता कुमार हैं। निर्माता रत्नाकर कुमार ने कहा कि हमारी फिल्म जया एक महत्वपूर्ण मुद्दे को उजागर करती है और हमें गर्व है कि हम इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं। निर्देशक धीरू यादव ने फिल्म की कहानी और उसके सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला। लेखक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि फिल्म का उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाना और दलितों के प्रति समाज के दृष्टिकोण को बदलना है। प्रमुख कलाकार दयाशंकर पाण्डेय और माही श्रीवास्तव ने अपनी भूमिकाओं के बारे में बात की और फिल्म की सफलता के प्रति अपनी उम्मीदें जताईं। फिल्म जया को दर्शकों और समीक्षकों द्वारा सराहा गया और इसे एक महत्वपूर्ण सामाजिक फिल्म के रूप में माना जा रहा है। आपको बता दें कि इस फिल्म से भोजपुरी सिनेमा को एक नई दृष्टि देने की कोशिश की गई है। डिजिटल के नए दौर में जया जैसी फिल्मों से भोजपुरी सिनेमा का पुनर्जीवन होने की आस बंधने लगी है। निर्माता रत्नाकर कुमार की इस फिल्म में निर्देशक धीरू यादव ने प्रशंसनीय काम किया है। फिल्म की कहानी किसी ऐसे कस्बे की है, जिसके किनारे गंगा घाट है और जहां दिन रात छोटी-छोटी चिताएं जलती रहती हैं। घाट का डोम राजा अपनी बिटिया जया को अच्छे स्कूल में दाखिला दिलाता है और एक दिन मंच पर इनाम मिलने के समय बिटिया अपने पिता को भी बुला लेती है। इसी के बाद जया का जीवन मुसीबतों में घिरने लगता है। ब्राह्मणों का एक बेटा उससे प्यार करता है, लेकिन जब इस प्रेम को साबित करने की जरूरत होती है तो वह विदेश चला जाता है। यहां जया के साथ आठ-दस साल में जो होता है, वो देखने के लिए आपको सिनेमा घर की ओर रुख करना होगा।

दुर्घटना: निर्माणाधीन पुलिया के गड्ढे में बाइक समेत गिरे ग्रामीण चिकित्सक की मौत, दूसरा इलाजरत

- चौसा मोहनिया स्टेट हाईवे पर सोनपा नहर के समीप हुआ हादसा घटना
- पत्नी को बस में बैठा दोस्त के साथ बाइक से लौट रहा था मृतक

केटी न्यूज/राजपुर

चौसा मोहनिया स्टेट हाइवे पर सोनपा नहर के पास सड़क पर निमार्णाधीन पुलिया के गड्ढे में बाइक गिरने से एक ग्रामीण चिकित्सक समेत दो लोग घायल हो गए। जिन्हें राहगीरों ने गड्ढे से बाहर निकाल आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां बाइक चालक को चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। जबकि, दूसरे का इलाज किया जा रहा है। हालांकि, हालात अभी नाजुक बनी हुई है। वहीं, इस घटना के बाद पहुंची पुलिस बाइक को गडढे से निकाला तथा शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम को भेजा गया। घटना बुधवार की देर शाम की है। मृतक की पहचान इटाढ़ी थाना क्षेत्र के शुक्रवलिया गांव निवासी 33 वर्षीय निर्मल राम पिता स्वर्गीय रामकृत राम एवं जख्मी की पहचान मुन्ना राम पिता शिवनाथ राम के रूप में हुई है। दोनों एक ही बाइक पर सवार होकर कैमूर जिला के नुआंव से वापस अपने गांव आ रहे थे। जानकारी के अनुसार मृतक निर्मल राम पेशे से ग्रामीण चिकित्सक था तथा उसकी पत्नी जीविका में काम करती है। पत्नी को ही नुआंव में जीविका की बैठक में शामिल होना था। जानकारी के अनुसार निर्मल सुबह में अपनी पत्नी को यात्री बस में बैठा पीछे से अपने दोस्त के साथ बाइक से नुआंव गया था। वहां से बैठक समाप्त होने के बाद शाम में पत्नी को फिर से यात्री बस में बैठा खुद दोस्त के साथ बाइक पर बैठ वापस आ रहा था। तभी लगभग 7:30 बजे अंधेरा होने के बाद जैसे ही यह अपनी बाइक से सोनपा नहर पर बने निमार्णाधीन पुलिया के समीप पहुंचा कि अचानक पुल के बीचो-बीच बने गड्ढे में बाइक समेत नीचे जा गिरा। गड्ढे में गिरते ही चीखने चिल्लाने की आवाज सुन सड़क से गुजर रहे लोगों ने इन्हें देखकर किसी तरह से बाहर निकाला एवं ग्रामीणों की मदद से इसे इलाज के लिए सदर अस्पताल बक्सर भिजवाया गया। जहां पहुंचते ही चिकित्सक ने निर्मल राम को मृत घोषित कर दिया। वही, घायल मुन्ना राम का इलाज किया जा रहा है। हालांकि, अभी स्थिति गंभीर बनी हुई है। वही, निर्मल की मौत की खबर मिलते ही उसके परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन शव से लिपट रोने विलखने लगे। सबसे खराब स्थिति उसकी पत्नी का था।

घटना की सूचना पर पहुंचे थाना अध्यक्ष संतोष कुमार मामले की जांच करने के बाद बताया कि कार्य एजेंसी के तरफ से रेडियम युक्त बांस बल्ले से घेराबंदी की गयी है। प्रथम दृष्टया मालूम हो रहा है कि बाइक तेज गति में होने से अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिर गयी। जिससे यह दुर्घटना हो गई। वही दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सड़क निर्माण कंपनी के प्रति स्थानीय लोगों में गहराया आक्रोश

घटना के बाद ग्रामीणों में निर्माण कंपनी के प्रति आक्रोश गहरा गया है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण कंपनी पुलिया निर्माण में लापरवाही बरत रही है। कई महीनों से पुलिया के गड्ढों को यूंही छोड़ा गया है। गड्ढें के पास न तो कोई इंडिकेशन दिया गया है और न ही इसकी घेराबंदी कराई गई है। जिस कारण अक्सर वाहन चालक दुर्घटना के शिकार हो रहे है। इससे पहले भी आधा दर्जन से अधिक छोटी घटनाएं इस पुलिया के पास हो गई है। इस सड़क मार्ग पर अधिकतर जगहों पर स्थिति काफी खराब है। आधी पुलिया के निर्माण के बाद उसे छोड़ दिया गया है। बनारपुर गांव के बाद इस रोड पर बनाए जा रहे अधिकतर पुलिया का निर्माण कार्य आधा अधूरा पड़ा है। जिस रास्ते से गुजरने वाले नए चालक अनजान होते हैं। जो इस तरह के हादसे का शिकार हो जाते हैं। इस नहर पुल के समीप भी अब तक कोई संकेतक बोर्ड नहीं लगाया गया है।

खबरें फटाफट

लाखनडिहरा में शिव रात्रि महोत्सव आज

डुमरांव। स्थानीय प्रखंड के लाखनडिहरा गांव में आगामी शुक्रवार को बाबा नर्मदेश्वरनाथ शिव मंदिर परिसर में शिवरात्रि महोत्सव का आयोजन होगा। इसके पूर्व लोक कल्याण और सुख-शांति के लिए सामूहिक रुद्राभिषेक भी आयोजित किया जायेगा। जिसमें आचार्य शत्रुंजय ओझा, शास्त्री राहुल चौबे और शास्त्री रजनीकांत चौबे की उपस्थिति रहेगी। समिति के विजयकांत दुबे ने बताया कि सावन के शिवरात्रि महोत्सव में गायक पंकज दुबे, रोहित प्रधान, अंजलि कश्यप, ज्योति उजाला सहित कई नामी-गिरामी गायक अपनी भक्ति गीतों का जागरण कर अपने सुरों का जलवा बिखेरेंगे। उन्होंने बताया कि रुद्राभिषेक कार्यक्रम के बाद भस्म आरती के साथ भक्तों के बीच प्रसाद का भी वितरण होगा।

फिर बढ़ने लगा गंगा का जलस्तर

बक्सर। बक्सर में गंगा का जलस्तर एक बार फिर से बढ़ने लगा है। पिछले दो दिन से जल स्तर बढ़ने से एक बार फिर से लोगों को बाढ़ की चिंता सताने लगी है। केन्द्रीय जल की रिपोर्ट के मुताबिक गुरूवार की सुबह आठ बजे तक जल स्तर 54.98 मीटर पर पहुंच गया था। वही जल स्तर बढ़ने का रफ्तार एक सेमी प्रति सेंटीमीटर था। हालांकि बुधवार के अपेक्षा जल स्तर बढ़ने का रफ्तार काफी कम हो गया है। बता दें कि बुधवार को प्रति घंटे चार सेमी के रफ्तार से गंगा का जल स्तर बढ़ रहा था।

पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

डुमरांव। कोरानसराय पुलिस ने गुरुवार को थानाध्यक्ष संजय कुमार के नेतृत्व में डुमरांव-बिक्रमगंज मुख्य सड़क पर यातायात नियमों के पालन कराने को लेकर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस के इस अभियान से वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा। थानाध्यक्ष ने बताया कि विधि-व्यवस्था व अपराध नियंत्रण की रोकथाम को लेकर यह अभियान अनवरत जारी रहेगा। चेकिंग के दौरान अपराधी, शराब तस्कर, फरार वारंटियों पर पुलिस की विशेष नजर है। इसके अलावे वाहनों के कागजात, ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट के अलावे ट्रिपल लोडिंग पर विशेष चौकसी बरती जा रही है। उन्होंने बताया कि इस दौरान पुलिस ने वाहन चालकों से 13 हजार रुपये का जुर्माना वसूला।

पूर्व के जमीन विवाद में प्रतिशोध लेने के लिए पड़ोसी ने दिया घटना को अंजाम

कंक्रीट के पीलर से कूच की गई थी दूध विक्रेता की हत्या, आरोपी धराया

- एसपी ने दी जानकारी, न्यायलय ने मृतक के पक्ष में सुनाया था फैसला
- 23 जुलाई की रात मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महदह में दरवाजे के समीप की गई थी हत्या

केटी न्यूज/बक्सर

23 जुलाई की रात मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महदह गांव में अपने घर के बाहर दरवाजे पर सो रहे दूध विक्रेता मनोज यादव की निर्मम हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। जमीन विवाद में उसके पक्ष में न्यायालय द्वारा फैसला सुनाए जाने से खारा खाए उसके पड़ोसी ने ही कंक्रीट के पिलर से कूच उसकी नृसंश हत्या कर दी थी। पुलिस ने तकनीकी साधनों, ग्रामीण सूत्रों तथा परिजनों से पूछताछ के आधार पर मिली जानकारी के अनुसार उसे आरोपी विनय यादव पिता सुनील कुमार यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वही, उसके निशानदेही पर पुलिस ने हत्याकांड में प्रयुक्त कंक्रीट के पिलर को भी बरामद कर लिया है। गुरूवार को एसपी मनीष कुमार ने प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी। उन्हों बताया कि मृतक के घर के पीछे ही आरोपी विनय यादव का घर है। दोनों के बीच पूर्व से जमीन विवाद चला आ रहा था। जिसमें न्यायालय द्वारा मनोज के पक्ष में फैसला सुनाया गया था। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया है कि केस जीतने के बाद से ही मनोज अक्सर उसे ताना देता था। जिससे उसके मन में प्रतिशोध की भावना जगी तथा वह 23 जुलाई की रात जब वह अपने घर के बाहर सो रहा था तो सोए अवस्था में ही कंक्रीट के एक भारी पिलस से उसके सर, चेहरे तथा शरीर के अन्य हिस्सों पर ताबड़तोड़ वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। हालांकि, उसके वार के बाद मनोज की सांसे अहले सुबह तक चल रही थी। लेकिन अस्पताल ले जाने के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

सदर डीएसपी के नेतृत्व में गठित किया गया था टीम

एसपी ने बताया कि इस हत्याकांड के बाद तत्काल सदर डीएसपी धीरज कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित कर मामले के उद्भेदन का निर्देश दिया गया था। टीम में सदर डीएसपी के अलावे मुफस्सिल थाना के थानाध्यक्ष अरविंद कुमार, पुअनि चंदन कुमार तथा मुफस्सिल थाने की सशस्त्र पुलिस बल शामिल थे। इस टीम ने एक सप्ताह में ही इस मामले का उद्भेदन करते हुए आरोपी को बुधवार की देर शाम ही गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल भी कर लिया है। एसपी ने बताया कि आवश्यक पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया है। गौरतलब हो कि इस हत्याकांड को पुलिस ने चुनौती के रूप में लिया था तथा गुत्थी सुलझाने के लिए डॉग स्क्वाड तथा एसएफएल टीम का भी सहारा लिया था। लेकिन, स्थानीय पुलिस ने अपने स्तर से ही इस हत्याकांड का एक सप्ताह में उद्भेदन कर अपराधियों को कड़ा संदेश दिया है।

मामूली बात को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट में चार घायल

चौसा। मुफस्सिल थाना के महुवारी गांव में मामूली बात को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। जिसमें लाठी-डंडे से जमकर मारपीट की गई। इस मारपीट में दोनों पक्ष से कुल चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज चौसा सीएचसी में कराया गया। वही दोनों पक्ष से कुल नौ लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जहा दूसरे पक्ष के चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार महुवारी गांव निवासी मो.कासिम रजक व मुख्तार रजक के बीच एक दिन पहले नाली में पानी बहाए जाने को वाद-विवाद हुआ। दूसरे दिन सुबह शौच करने जा रहे मो. कासिम से मारपीट कर दी गई। जिसके बीच-बचाव करने पहुंचे भाई मो. हासिम रजक व शमशेर रजक भी इस मारपीट में घायल हो गए। जबकि, दूसरे पक्ष के मुख्तार रजक घायल हो गया। घायलों का चौसा सीएचसी में इलाज कराया गया। वहीं इस घटना को लेकर मो. कासिमने दूसरे पक्ष के छह लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई। जबकि दूसरे पक्ष के मुख्तार द्वारा मारपीट में पहले पक्ष के तीनों भाई पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जहां पुलिस दूसरे पक्ष के चार लोग कैमूर जिले के उनुवाव थाना के पजराव निवासी रुस्तम अली, इस्तियाक रजक, शमीम रजक व मुख्तार रजक को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनका कागजी कार्रवाई पूरी कर जेल भेजा गया।

रंगदारी मांगने व तोड़-फोड़ करने वाले दो गिरफ्तार

चौसा। मुफस्सिल थाने की पुलिस ने इटाढ़ी गुमटी चौकी स्थित इटाढ़ी रोड के नोखा मिल के पास स्थित सगुन फूड्स प्रा लिमिटेड कंपनी के कार्यालय में घुस रंगदारी मांगने, नहीं देने पर मारपीट करने तथा कार्यालय में तोड़-फोड़ करने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। कंपनी के शाखा प्रबंधक ने इन युवकों पर रंगदारी मांगने, मारपीट व तोड़फोड़ का आरोप लगा मुफस्सिल थाने में एफआईआर दर्ज कराया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस संबंध में शगुन फूड्स प्रा.लि. कम्पनी के बक्सर ब्रांच के शाखा प्रबंधक राजेश दुबे द्वारा पुलिस को दिए आवेदन में बताया गया है कि सिकरौल थाना के डाफाडीहरी निवासी फूलन सिंह व कृष्ण कुमार कार्यालय पहुंचे जिनके द्वारा रंगदारी मांगी गई। साथ ही, कार्यालय में तोड़-फोड़ की गई जिससे लाखों का नुकसान हो गया।

खुशखबरी: अनुमंडल समेत पूरे जिले में अब 7 अगस्त तक बनेगा आयुष्मान कार्ड

केटी न्यूज/डुमरांव

प्रखंड क्षेत्र में आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में कैंप लगाकर कार्ड बनाने का काम चल रहा है। गुरुवार को अभियान का एसडीओ राकेश कुमार सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा जायजा लिया गया।इस दौरान अधिकारियों द्वारा पीडीएस दुकान, विभिन्न स्कूलों सहित अन्य जगहों पर आयुष्मान कार्ड बना रहे कर्मी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। एसडीओ ने बताया कि बताया कि योग्य लाभुकों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए 18 जुलाई से 7 अगस्त तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए दिये गए आवश्यक दिशा निर्देशों के पालन में कोताही बरते जाने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गंभीर बीमारी से ग्रस्त लोगों को इलाज कराने में काफी सहूलियत होगी। लाभुकों को पांच लाख रुपये तक का फ्री इलाज कराने की सुविधा प्राप्त है। अधिकारियों द्वारा राशनकार्ड धारकों से पीडीएस दुकानों सहित विभिन्न जगहों पर लगे कैंप पर जाकर अपना आयुष्मान कार्ड बनवाने की अपील की गई।

48 घंटे से भी कम समय में, लापता किशोरों को पुलिस ने किया बरामद; परिजनों में खुशी

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड क्षेत्र के कुलमनपुर गांव से मंगलवार को घर से अचानक लापता हुए चार किशोरों को नावानगर पुलिस ने गुरुवार को कोरान सराय बाजार से बरामद कर लिया है। पुलिस ने बच्चों से पूछताछ के बाद उन्हें कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए भेज दिया है।

मंगलवार की शाम कुलमनपुर गांव से चार बच्चें एक साथ लापता हो गए थे। इस संबंध में बच्चों के परिजनों द्वारा बुधवार को थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। जिसके बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गुरुवार को सभी लापता बच्चों को बरामद कर लिया है। बच्चों की सुरक्षित वापसी से परिजनों के चेहरे पर खुशी झलक रही है। थानाध्यक्ष डॉ. नंदू कुमार ने बताया कि सिद्धार्थ कुमार उर्फ प्रेम पिता जितेंद्र पासवान के कहने पर सभी बच्चे कमाने के लिए दिल्ली चले गए थे। वहां काम नहीं मिलने पर वापस अपने घर लौट रहे थे। डुमरांव से कोरान सराय लौटने के दौरान किसी ने नावानगर थाने और रामपुर पंचायत मुखिया बसंत पांडेय को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस और मुखिया ने तुरंत कोरान सराय पहुंचकर चारों बच्चों को सुरक्षित बरामद कर लिया। बच्चों के पास से बक्सर से न्यू दिल्ली का रेल टिकट बरामद हुआ है। उन्होंने बताया कि बच्चों का बयान लेने के बाद उन्हें बक्सर कोर्ट को भेज दिया गया। बच्चों की बरामदगी में पंचायत के मुखिया पति बसंत पांडेय भी काफी सक्रिय दिखे। थानाध्यक्ष ने क्षेत्र के परिजनों से अपील करते हुए कहा कि अभिभावक अपने बच्चों की देखरेख करें बच्चे कहां जा रहे हैं क्या कर रहे हैं यह सभी चीजों की जानकारी लेते रहें और अपने बच्चों को गलत संगत में ना आने दें।

एक नजर

वोटर लिस्ट में सुधार को ले बीडीओ ने की बैठक

केसठ। वोटर लिस्ट में मुख्य पृष्ठ में सुधार को ले प्रखंड कार्यालय के सभागार में गुरुवार को बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा के नेतृत्व में प्रखंड के सभी बीएलओ के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का संचालन नोडल बीएलओ अजय कुमार विक्रांत ने किया। बैठक में बीडीओ ने सभी बीएलओ को मतदाता सूची के मुख्य पृष्ठ में दी गई जानकारियों का मूल्यांकन करने का निर्देश दिया। जैसे बूथ संख्या, पोस्टल नंबर, मतदाता सूची में अंकित पुरषों और महिलाओं की संख्या, मतदान केन्द्र का नाम आदि में अगर त्रुटि है तो उसे सुधार कर कार्यालय में जमा करने को कहा। उसके बाद दी गई नवीन जानकारी को जिला भेज दिया जाएगा। जानकारी देते हुए नोडल बीएलओ अजय कुमार विक्रांत ने बताया कि चुनाव आयोग के निर्देश के आलोक में मतदाता सूची को शत प्रतिशत शुद्ध करने के उद्देश्य से ये निर्देश जारी की गई है। सभी बीएलओ को एक सप्ताह के अंदर ये सभी जानकारी देने का निर्देश मिला है। ऐसा नहीं करने वाले बीएलओ पर स्पष्टीकरण और साथ में वेतन बंद का निर्देश जारी की जाएगी। बैठक में सुनील कुमार, फिरोज अंसारी, निर्मल, मुनीश कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

तीन को होगी भाजपा की जिला कार्यसमिति की बैठक, शामिल होंगे केन्द्रीय मंत्री

बक्सर। गुरूवार को भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई की एक बैठक जिला अध्यक्ष विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह की अध्यक्षता में बक्सर के एक निजी मैरेज हॉल में आयोजित हुई। जिसमें पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी सम्मिलित हुए। मिली जानकारी के अनुसार भाजपा द्वारा तीन अगस्त को नगर भवन बक्सर में होने वाले जिला कार्य समिति की बैठक तथा उसी दिन पूर्व से निर्धारित केंद्रीय जल शक्ति मंत्री राजभूषण निषाद के अभिनंदन समारोह सह कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने के लिए यह बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में जिला प्रभारी संतोष पटेल ने तैयारी की समीक्षा की। बैठक में अलग-अलग कार्यों के निष्पादन के लिए कार्यकताओं की अलग-अलग टीम तथा टोलियां बनाई गई। कार्यक्रम प्रातः आठ बजे से जिला कार्यसमिति के लिए कार्यकताओं के रजिस्ट्रेशन से प्रारंभ होगा। 11 बजे से एक बजे तक जिला कार्य समिति की बैठक चलेगी। जिला कार्यसमिति की बैठक संपन्न होने के बाद पुनः नगर भवन में दो बजे से केंद्रीय जल शक्ति मंत्री राज भूषण निषाद का अभिनंदन तथा कार्यकर्ता सम्मेलन का कार्यक्रम शुरू होगा, जो शाम पांच बजे तक चलेगा। इसके तहत शहर में जगह-जगह पर बैनर, पोस्टर, होडिंग लगाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। नगर भवन में कार्यक्रम स्थल का नाम स्व. परशुराम चतुर्वेदी सभागार रखा गया है। अभिनन्दन सह कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद केंद्रीय जल शक्ति मंत्री राजभूषण रामरेखा घाट पर होने वाले गंगा आरती में भी सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बक्सर के प्रभारी मंत्री सह नगर विकास विभाग के मंत्री नितिन नवीन, अतिपिछड़ा कल्याण मंत्री हरीश सहनी, एमएलसी जीवन कुमार, भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी रहे तथा प्रदेश महामंत्री मिथिलेश तिवारी राजेश वर्मा आदि शामिल रहेंगे। बैठक में मुख्यरूप से लोकसभा संयोजक राजवंश सिंह, मनोज कुमार पांडेय, अनिल कुमार पांडेय, संत कुमार सिंह जिला उपाध्यक्ष श्रीमन तिवारी, इंद्रलेश पाठक, पूनम रविदास, इंदू देवी, जयप्रकाश राय, धनंजय राय, सतीश त्रिपाठी, शिवजी खेमका, अमित पांडेय, धनजी पांडेय, ज्वाला सैनी, सुनील कुमार तथा उमाशंकर राय जिला मीडिया प्रभारी सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लाभुकों को स्वरोजगार हेतु नि:शुल्क टूल किट देगा श्रम संसाधन विभाग, गाईडलाइन जारी

बक्सर। श्रम संसाधन विभाग द्वारा नियोजन सेवा का विस्तार योजना अंतर्गत योग्य अभ्यर्थियों को टूल किट प्रदान किया जाएगा। यह जानकारी जिला नियोजन पदाधिकारी ने दी है। उन्होंने बताया कि नियोजन सेवा का विस्तार कार्यक्रम के तहत विभाग द्वारा स्वरोजगार हेतु निःशुल्क टूल किट उपलब्ध कराने का निर्देश प्राप्त हुआ है। इलेक्ट्रिशियन, इलेक्ट्रॉनिक, मोबाइल रिपेयर, फिटर, ब्यूटीशियन, प्लंबर आदि ट्रेड में ट्रांसजेंडर, दिव्यांगजन, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग, पिछड़ा वर्ग के लाभुकों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इसका लाभ वैसे लाभुकों को मिलेगा जो 18 से 35 वर्ष के बीच के हो एवं वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार से कम होनी चाहिए। इसके लिए शैक्षणिक योग्यता संबंधित ट्रेड में बीएसडीएम एवं आईटीआई समकक्ष परीक्षा में पास या एनएसक्यूएफ से मान्यता प्राप्त होना चाहिए। प्रशिक्षण प्राप्त प्रमाण पत्र की अवधि कम से कम तीन माह का होना चाहिए। वैसे सभी आवेदक जो उक्त योजना का लाभ लेना चाहते हो एवं जिसका आवेदन एनसीएस पोर्टल पर 6 माह पुराना हो तथा उक्त वर्णित योग्यता रखते हो, किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय अवधि में आकर अपना आवेदन दे सकते हैं। वैसे अभ्यर्थी जो पूर्व में टूल किट का लाभ ले चुके हो इस योजना के पात्र नहीं होंगे।

चौसा नगर पंचायत को स्वच्छ बनाने के लिए विद्यालय में चला जागरूकता अभियान, छात्राओं को पढ़ाया गया स्वच्छता का पाठ

छात्रों को सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ का दिया गया संदेश

- नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी ने स्कूली बच्चों को स्वच्छता को लेकर दी विस्तृत जानकारी

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा नगर पंचायत को स्वच्छ बनाने के लिए नगर पंचायत द्वारा विगत 24 जुलाई से चलाये जा रहे अभियान 'सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ' के तहत गुरूवार को जन-जागरूकता के लिए विद्यालयों को शामिल किया गया। ताकी नगर पंचायत क्षेत्र को साफ रखने तथा लोगों को जागरूक करने में छात्र-छात्राएं अपना योगदान दें सके।

इसी उदेश्य के तहत नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी शुभम कुमार के नेतृत्व में चौसा बालिका उच्च विद्यालय में जन-जागरूकता कार्यक्रम के तहत छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। जहा स्कूली छात्राओं, शिक्षकों से इस अभियान में सहयोग करने की अपील की गई। इस दौरान कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा छात्राओं को स्वच्छता का महत्व समझाया गया। ईओ ने कहा कि स्वस्थ्य रहने के लिए सफाई जरूरी है। बिना सफाई हम अपने परिवार तथा समाज के लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा नहीं कर सकते है। उन्होंने कहा कि गंदगी के कारण कई तरह की बीमारियां होती है। यदि हम स्वच्छता को अपने अपनी आदतों में शुमार कर ले तो समाज से कई बीमारियों को जड़ से मिटाया जा सकता है। साथ हीं यह भी कहा कि यह अभियान 31 अगस्त तक पूरे नगर पंचायत क्षेत्र में चलाया जायेगा ताकि मानसून के समय में गंदगी एवं जल-जमाव से होने वाली बीमारियों से लोगों का बचाव हो सके। साथ हीं यह भी कहा कि घर के आस पास जल जमाव न होने दे। इसमें कोई समस्या आने पर नगर पंचायत कार्यालय से संपर्क करने पर स्वच्छता की दिशा में कार्य किया जाएगा। वही, विद्यालय की छात्राओं को स्वच्छता एक जिम्मेदारी, थोड़ी आपकी थोड़ी हमारी जैसे गीतों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया गया। वही, विद्यालय की छात्राओं ने स्वच्छता अपनाने तथा अपने परिजनों को भी साफ सफाई की आदत डालने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। ईओ ने कहा कि इस बार नगर पंचायत क्षेत्र को स्वच्छता पर्यवेक्षण में बेहतर रेटिंग दिलवाने का प्रयास किया जा रहा है। यह तभी संभव है जब नगर पंचायत क्षेत्र के लोग भी अपने गांव मोहल्ले को साफ सुथरा रखने में नगर पंचायत की मदद करें।

इस मौके पर प्रभारी प्रधान सहायक सत्य प्रकाश, विनय कुमार, डीईओ एवं सीनियर सुपरवाइजर श्रीमन पांडेय के अलावे अन्य लोग शामिल थे।

आईटीआई मैदान के पास स्थित डीआरसीसी भवन में बुलाये गये थे शिक्षक अभ्यर्थी

सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण जिले के कुल 111 अभ्यर्थियों ने कराया रजिस्ट्रेशन, आठ शिक्षक रहे अनुपस्थित

♦ पहले दिन विशेष शिक्षक के रूप में मूल प्रमाण पत्रों का डीआरसीसी भवन में 105 अभ्यर्थियों का हुआ वेरिफिकेशन

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में प्रथम सक्षमता परीक्षा में उत्तीर्ण शिक्षकों की मूल प्रमाण पत्रों का वेरिफिकेशन सह काउंसिलिंग गुरूवार को डीआरसीसी भवन में शुरू किया गया। वेरिफिकेशन वेरिफिकेशन 6 अगस्त तक किया जाएगा। जहां निर्धारित समय से काउंटर पर कर्मी तैनात रहे। इसके साथ ही टाइम स्लॉट एवं निर्धारित तिथि के अनुसार जिले के संबंधित शिक्षक वेरिफिकेशन के लिए डीआरसीसी केंद्र पहुंच गये। शिक्षक अपने निर्धारित स्लॉट से पहले ही पहुंच गये थे। जिससे कि वे वेरिफिकेशन से वंचित नहीं हो सकें। जिले में पहले दिन पांचे स्लॉट में कुल 119 अभ्यर्थियों को वेरिफिकेशन में शामिल होना था। जिसमें कुल 111 अभ्यर्थी शामिल हुए, जिनमें 6 अभ्यर्थियों का आधार को लेकर इश्यू सामने आया है। जिनका ओटीपी नहीं आ पाया। जिसकी सूचना विभाग पटना को भेंजी गई है। इसके साथ ही पहले दिन 8 अभ्यर्थी अनुपस्थिते रहे। शामिल जिनके कागजातों के वेरिफिकेशन के लिए चार काउंटर बनाया गयो है। वहीं जिले में वेरिफिकेशन की स्थिति का जायजा लेने के लिए प्राथमिक शिक्षा निदेशक पटना मिथिलेश मिश्रा पहुंचे। जहां लगभग हर काउंटर का विधिवत निरीक्षणे किया। वेरिफिकेशन कार्य में लगे कर्मियों एवं शिक्षकों से जानकारी प्राप्ते किया। वेरिफिकेशन कार्य में लगे जिले के शिक्षा अधिकारियों को इस दौरान निदेशक प्राथमिक शिक्षा ने आवश्यक निर्देश दिये। जिससे वेरिफिकेशन कार्य में किसी तरह की समस्या उत्पन्न न हो सके। इस दौरान उन्होंने बताया कि सबकुछ ठीकठाक चल रहा है। व्यवस्था में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। इस दौरान डीपीओ एमडीएम रजनीश उपाध्याय,

डीपीओ लेखा चंदन कुमार द्विवेदी, डीपीओ माध्यमिक शिक्षा नाजीश अली, डीपीओ विष्णुकांत राय शामिल रहे। वहीं पहले दिन वेरिफिकेशन को लेकरे डीआरसीसी भवन विशेष तौर पर शिक्षकों से पूरे दिन गुलजार रहा। पूरे दिने स्लॉट के अनुसार शिक्षकों का आने जाने का क्रम जारी रहा। वहीं हेल्प डेस्क भी बनाया गयो था। जहां मौजूद कर्मी शिक्षकों को वेरिफिकेशन संबंधित जानकारी देते रहे।

स्लॉट से चुकने पर नहीं होगा वेरिफिकेशन

प्रथमे सक्षमता परीक्षा में सफल अभ्यर्थी नवपदस्थापना के बाद विशेष शिक्षक कहलाएंगे। इनकी पदस्थापना विशेष शिक्षक के रूप में की जाएगी। ज्ञात हो कि सफल प्रतिभागियों के संबंधित मोबाइल नंबर पर तिथि एवं निर्धारित स्लॉट की जानकारी दी गई है। जिसके अनुसार ही वेरिफिकेशन होगा। निर्धारिते स्लॉट से आधा घंटा पहले ही अभ्यर्थियों को पहुंचने की विभाग से सलाह दिया गयो है। जिससे कि वे वेरिफिकेशन से ने चुके। निर्धारित स्लॉट के बाद दुबारा रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाएगा। रजिस्ट्रेशन निर्धारित समय से ही होगा। थोड़ी विलंब से वे वेरिफिकेशन से वंचित हो जाएंगे।

निर्धारित टाईम स्लॉट के माध्यम से हो रहा रजिस्ट्रेशन

वेरिफिकेशन पूर्वाह्न 9:00 बजे से प्रारंभ की जायेगी। वेरिफिकेशन को 5 टाईम स्लॉट में बांटा गया है। पहला स्लॉट - 9:00 बजे से 10:30 बजे तक, दूसरा स्लॉट 10:30 बजे से 12:00 बजे तक, तीसरा स्लॉट 12:00 बजे से 1:30 बजे तक, चौथा स्लॉट 1:30 बजे से 3:00 बजे तक, पांचवा स्लॉट- 3:00 बजे से 4:30 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। जहां निर्धारित टाइम स्लॉट के अनुसार ही अभ्यर्थी का नाम काउंटर परे खुलेगा। जिसके बाद वेरिफिकेशन होगा।

शिक्षकों की कोटि के अनुसार तिथि का किया निर्धारण

उच्च माध्यमिक शिक्षक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष के लिए 1 अगस्त से 2024 से लगातार। माध्यमिक शिक्षकों का 2 अगस्त 2024 से लगातार, स्नातक कोटि के सभी विषय के शिक्षक का 3 अगस्त 2024 से लगातार, मूल कोटि के उर्दू, बंगला, शारीरिक शिक्षक का 5 अगस्त 2024 से लगातार, मूल कोटि के सामान्य शिक्षक का 6 अगस्त 2024 से लगातार वेरिफिकेशन का कार्य किया जाएगा।

खबरें फटाफट

गुप्ताधाम जा रही गाड़ी पलटी, दर्जन भर लोग जख्मी

बिक्रमगंज। आरा से गुप्ताधाम जा रही सवारी गाड़ी बिक्रमगंज में डिवाइडर से टक्करा कर पलटी, दर्जन भर लोग जख्मी। आरा के बालबतरा से गौरीशंकर के परिवार के लोग और संबंधी कैमूर पहाड़ी पर स्थित गुप्ताधाम जा रहे थे। इसी बीच बुधवार को देर रात बिक्रमगंज के आरा रोड में डिवाइडर से टक्करा कर पलट गई। जिससे गाड़ी में सवार एक दर्जन से अधिक लोग जख्मी हो गए। सभी जख्मी को स्थानीय लोगों के सहयोग से शहर के करूणा अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां सभी का इलाज जारी है। जख्मी लोगों में गौरीशंकर, उनकी पत्नी, सत्येन्द्र कुमार सहित दर्जनभर महिला पुरुष शामिल हैं। घटना के बाद गाड़ी छोड़कर चालक फरार हो गया। पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गाड़ी जब्त कर ली है।

पुलिस ने शराबी को किया गिरफ्तार

दिनारा। पुलिस ने नशे की हालत में एक पियक्कड़ को गिरफ्तार पर जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया । इस संदर्भ में दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के सखुआ गांव से गुप्त सूचना के आधार पर नशे की हालत में शोर-शराबा करते हुए गुरु यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांचोपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया ।

सर्पदंश से व्यक्ति की हालत बिगड़ी

सासाराम। जिला क्षेत्र के समरडीहा में सर्पदंश से पीड़ित एक व्यक्ति को झाड़-फूंक के बाद इलाज हेतु सदर अस्पताल सासाराम में लाया गया है। घटना करगहर थाना क्षेत्र के समरडीहा गांव के बताया गया। पीड़ित व्यक्ति सुशील तिवारी बताया गया है। पीड़ित युवक के भाई ने बताया कि दातुन तोड़ने के दौरान सर्प ने डंस लिया। जिससे स्वास्थ्य बिगड़ने पर परिजनों ने झांड फूंक कराया। इसके बाद आनंन -फानन में गंभीर स्वास्थ्य बिगड़ने पर पीड़ित युवक को प्राथमिक उपचार के बाद परिजनों ने बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल सासाराम में लाया गया है। जहां डॉक्टर शशिकांत प्रभाकर की देखरेख में सदर अस्पताल सासाराम में इलाज चल रहा है। जिसकी तबियत में सुधार हो रही है। वहीं दूसरी ओर इस घटना के बाद आसपास के लोगों में खलबली मच गई है।

जमीनी विवाद में बन्नी मुखिया के देवर पर चली गोली, रेफर

केटी न्यूज/इटाढ़ी

इटाढ़ी थाना क्षेत्र के बन्नी पंचायत मुखिया के देवर पर गोली चलने का मामला प्रकाश में आया है। जख्मी युवक को आनन फानन में बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया। उसकी स्थिति चिंताजनक बनायी जा रही है। यह घटना जमीनी विवाद में होने की बात सामने आ रही है। हालांकि पुलिस पर अभी कुछ भी करने से इनकार कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार बिस्मिल्ला अली के छोटे भाई सद्दाम अली घर के बाहर किसी से बात कर रहे थे। तभी रात के अंधेरे में बाइक सवार अपराधी आ धमके। इसके बाद ताबड़तोड़ सद्दाम पर गोली चला दी। जिसमें वह जख्मी हो गया। आनन-फानन में उसे सदर अस्पताल लाया गया। गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल उसे रेफर कर दिया। जख्मी के बड़े भाई बिस्मिल्ला अली ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व उनलोगों ने करीब तीन बीघा जमीन खरीदा था। उसे लेकर विवाद चल रहा था। हांलाकि मामला कोर्ट में नहीं गया था। इसी बीच वहां हमलोग खेत का पटवन करने के लिए गये थे। तभी कुछ लोग आ गये और जमीन पर अपनी दावेदारी करने लगे थे। इसे लेकर मारपीट नहीं हुई थी। हालांकि बकझक हुआ था। अंत में हमलोगों ने जमीन से जुड़े सभी दस्तावेज की मांग की। जब कागजात की मांग की गई। तब वह लोग वहां से चले गये। हालांकि तनाव बना हुआ था। इसी बीच उनलोगों ने इस घटना को अंजाम दे दिया। वहीं इटाढ़ी थानाध्यक्ष ने बताया कि अभी आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन प्राप्त होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। हांलाकि पुलिस सभी एंगल पर जा कर रही है। वहीं विश्वस्त सूत्रों का कहना है कि इस घटना को तीन लोगों ने मिलकर अंजाम दिया है। वहीं इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल व्याप्त हो गया है।

चार अगस्त को करणी सेना की पटना में प्रांतीय सम्मेलन को लेकर हुई तैयारी बैठक

♦ जिले से ज्यादा से ज्यादा की संख्या में पटना कार्यक्रम में शामिल होने तथा एकजुटता को लेकर की चर्चा

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी 4 अगस्त को राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना का प्रांतीय सम्मेलन आईएमए हॉल गांधी मैदान पटना में आयोजित किया गयो है। जिसमें बक्सर जिला से अधिक से अधिक संख्या में राजपूत समाज के लोगों की सहभागिता को लेकर तैयारी बैठक कियो गयो। इसको लेकर जिला इकाई की बैठके मुसाफिरगंजे में वरिष्ठ अधिवक्ता तेज प्रताप सिंह छोटे की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन अभिनंदन सिंह ने कियो। बैठक को संबोधित करते हुए करणी सेना के वरिष्ठ नेता पुनीत सिंह ने कहा कि आज राजपूत समाज आर्थिक सामाजिक एवं शैक्षणिक स्तर पर दिन प्रतिदिन कमजोर होता जा रहो है। इसका मुख्य कारण समाज में आपसी तालमेल और एकजुटता की कमी है। संवैधानिक स्तर पर भी हमें कमजोर करने की साजिश हो रही है। हमारे गौरवशाली इतिहास को, हमारे पूर्वजों को, हमारे धार्मिक भावनाओं को, साहित्य के माध्यम से फिल्म के माध्यम से और राजनीतिक दल के नेताओं द्वारा आहत करने का काम निरंतर किया जा रहो है। जिसे राजपूत समाज कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। अभिषेक सिंह ने कहा कि भारत को अखंड बनाने में राजपूत समाज ने अपनी रियासते, अपना शान शौकत सब कुछ देश के लिए छोड़ दियो है। मगर अपना स्वाभिमाने नहीं। देश की जनता को यह भूलना नहीं चाहिए। गणेश सिंह ने कहा कि राजपूत समाज सभी समाज को साथ लेकर चलने का काम करतो है। विकास प्रताप सिंह ने कहा कि हमें आर्थिक और शैक्षिक स्तर पर मजबूत होना होगा तभी हम एक दूसरे की मदद कर सकते हैं। देश को मजबूत बनाने में अपना योगदान दे सकते हैं। इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। तभी देख तरक्की के रास्ते पर आगे जा सकता है। इसमें कोई पीछे नहीं हटें। बैठक को सुजीत सिंह, निकेशे सिंह ने भी संबोधिते किया। बैठक में सूर्य प्रकाश सिंह, मनोज सिंह, अमित सिंह, नीरज सिंह, चन्दने सिंह, गजेंद्र सिंह, सुनील सिंह, गोलू सिंह, संतोष सिंह, राणा सिंह, दिग्विजय सिंह आदि शामिले रहे।

पीएसएस में गिरी बिजली, ठप हुई विद्युत आपूर्ति, उपभोक्ता रहे परेशान

♦ आधे घंटे की आंधी-पानी में कई जगहों पर तार पेड़ व डालियां गिरने से चार घंटे तक ठप रही आपूर्ति, उमसभरी गर्मी से परेशान रहे लोग

केटी न्यूज/डुमरांव

गुरूवार को आधे घंटे के आंधी पानी में चार घंटे से अधिक समय तक शहर की बिजली आपूर्ति ध्वस्त हो गई थी। वही पॉवर सब स्टेशन के एक ट्रांसफार्मर में बिजली गिरने से भी आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसके अलावे आंधी के दौरान शहर के कई इलाकों में बिजली के तार व पोल पर पेड़ तथा डालियां गिरने से शाम साढ़े चार बजे से ही विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। टेक्सटाईल फीडर, डुमरांव फीडर व बीएमपी फीडरों में इस कारण लोगों को घंटो आपूर्ति से महरूम होना पड़ा है। जबकि लोकल फॉल्टो से निजात पाने में भी बिजली कंपनी के मानवबलों को देर रात तक मशक्कत करनी पड़ी। जानकारी के अनुसार शाम करीब साढ़े चार बजे पॉवर सब स्टेशन में एक ट्रांसफार्मर में आकाशीय बिजली गिरी थी। इसके अलावे आंधी के कारण राज हाई स्कूल के पास बबूल का पेड़ तथा नया थाना के पास एक डाली टूटकर तार पर गिरने से आपूर्ति रोकनी पड़ी थी। वही, बीएमपी व डुमरांव फीडरों में भी दर्जनों जगह लोकल फॉल्ट की शिकायत मिलने से देर रात तक आपूर्ति बाधित थी। डुमरांव एसडीओ राकेश कुमार दूबे ने बताया कि आपूर्ति दुरूस्त करने का प्रयास किया जा रहा है। रात पौने आठ बजे आपूर्ति शुरू जरूर हुई। बावजूद कई जगहों पर लोकल फॉल्ट के कारण आपूर्ति बाधित हो रही थी। निर्बाध गति से बिजली नहीं मिलने से लोगों को उमस भरी गर्मी से परेशान होना पड़ा। व्यवसायी वर्ग को भी परेशानी झेलनी पड़ी।

डीआरसीसी भवन में सफाई की कमी देख भड़के डीएम, एजेंसी पर शोकॉज

केटी न्यूज/बक्सर

निबंधन परामर्श केंद्र में शुरू हुए प्रथमे सक्षमतो परीक्षा उत्तीर्ण शिक्षकों का सत्यापन कार्य को गुरुवारे को पहले दिन जिला पदाधिकारी बक्सर अंशुल अग्रवाल के द्वारा निरीक्षण कियो गया। निरीक्षण के क्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी बक्सर को विभागीय नियम के आलोक में स्वच्छ एवं पारदर्शी तरीके से सत्यापन कार्य कराने का निर्देश दियो गया। निरीक्षण के क्रम में जिला निबंधन परामर्श केंद्र में साफ सफाई की स्थिति अत्यंत ही असंतोषजनक पाई गई एवं कोई भी सफाई कर्मी उपस्थित नहीं पाऐ गए। यह देख डीएम भड़क गये। उन्होंने सभी कर्मियों को जमकर फटकार लगाया। इसके बाद प्रबंधक जिला निबंधन

परामर्श केंद्र को निर्देश दिया गया कि संबंधित एजेंसी से इस संबंध में कारणे पृच्छो कर अवगते कराएंगे। साथ ही पूर्व में किए गए समीक्षा सह निरीक्षण के क्रम में साफ सफाई के बिंदु पर दिए गए निर्देश के आलोक में एजेंसी के विरूद्धे क्यो कारवाई की गई है इसके संबंध में भी अवगत कराने का निर्देश दियो गया। यदि संतोष जवाब नहीं मिलता है। तब कार्रवाई तय होना निश्चित है।

केविके बिक्रमगंज में एक दिवसीय प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम

औषधीय एवं सुगंधित तेल किसानों की आय बढ़ाने में कारगर : शोभा

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

कृषि विज्ञान केंद्र बिक्रमगंज में औषधीय एवं सुगंधित फसलों की वैज्ञानिक खेती, प्रसंस्करण,मूल्य संवर्धन एवं विपणन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन वरीय वैज्ञानिक और प्रधान डॉक्टर शोभा रानी की अध्यक्षता में किया गया । यह कार्यक्रम भारत सरकार के वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान परिषद सीएसआईआर-आईआईएम जम्मू के द्वारा प्रायोजित था । इस कार्यक्रम में किसानों को संबोधित करते हुए डॉक्टर शोभा रानी ने बताया कि कृषि विविधिकरण तहत किसानों की आय

बढ़ाने और औषधीय एवं सुगंधित तेल की आज राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत मांग है । इस मांग को पूरा करने के लिए किसानों द्वारा मौजूदा फसल प्रणाली में औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती बहुत उपयुक्त है । इस प्रकार ग्रामीण स्तर पर इन फसलों की बेहतर किस्म का विकास या प्रदर्शन करके किसानों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार की अपार संभावना है। जम्मू से आए हुए प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर सभाजीत ने किसानों को जानकारी दी कि ऐसी कई उच्च मूल्य वाली औद्योगिक फसलों और उनकी किस्म का विकास किया गया है । जो पारंपरिक फसलों की तुलना में उच्च मूल्य और अधिक आर्थिक लाभ प्रदान करती हैं । इन फसलों को वर्षा आधारित क्षेत्रों में उगाया जा सकता है और परंपरागत खाद्य फसलों की खेती बिना प्रभावित हुए बंजर भूमि,कम सिंचित क्षेत्र, शुष्क भूमि और वर्षा आधारित क्षेत्र पर की जा सकती है ।सुखा सहन करने वाली इन फसलों की खेती इस क्षेत्र की किसानों की आय और कृषि टीकाऊपन के लिए एक वरदान स्वरुप है । इसके अतिरिक्त उद्यमिता विकास को भी आकर्षित करने में यह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं । उन्होंने काफी विस्तार में इन फसलों की वैज्ञानिक खेती एवं उपयुक्त जलवायु की स्थिति के बारे में किसानों को प्रशिक्षण दिया। साथ ही वीडियो के माध्यम से भी सफलता की कहानी को दिखाया। कार्यक्रम का संचालन केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर रतन कुमार के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्र के अन्य वैज्ञानिक डॉ जलज कुमार , डॉ रामाकांत सिंह ,डॉक्टर डेनियल एवं संजू कुमारी ने अपने विचार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न गांवों में जैसे कोचस, दावथ, नौहटा, मोथा, बारुन, सुरहुरिया, दिनारा, मसोना, नासरीगंज, हुक्काडीह, करमैनी, शिवोबहार से किसान भाग लेने आये थे।

एक नजर

वेतन भुगतान को लेकर प्राथमिक शिक्षक संघे गोपगुट 3 अगस्त को देगा धरना

बक्सर। बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ गोप गुट के जिलो सचिव नसीम अहमद औरे जिलो अध्यक्ष नागेंद्र राम ने प्रेसविज्ञप्ति जारी कर बताया कि 3 अगस्त को वेतन संबंधित मुद्दे पर बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ गोप गुट धरनो देगा। जिले में बहुत सारे शिक्षकों का ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर अध्ययनरत छात्रों का नाम इंट्री न करने के कारणे जिलो के शिक्षा पदाधिकारियों के द्वारा उनका वेतन बंद करने का आदेश पिछले 22 जून को निकाला गयो थो। इसके बाद शिक्षकों ने यथासंभंवे अपने अधिकारियों के आदेश का अनुपालन करते हुए बच्चों का नाम इंट्री कर दिए और इसका रिपोर्ट 24 जून को और कुछ शिक्षकों द्वारो 30 जून तक दे दिया गयो है। लेकिन इसके बावजूद विभाग के मनमानी और लापरवाही के कारण अभी तक वेतन चालू नहीं किया गया, जो की काफी निंदनीये है। किसी भी शिक्षक के लिए समय पर वेतन होना अतिआवश्यके है। वेतन के अभाव में उनकी आर्थिक स्थिति काफी दयनीय हो गई है. उनका वेतन पिछले दो महीने से बंदे है। जिसके कारण संबंधित शिक्षकों के साथ ही पूरा आश्रित परिवार वेतन के अभाव में प्रभावित हो गयो है। वेतन नहीं मिलने से बीमारी पीड़िते शिक्षकों को दवा खरीदने के लिए पैसा नहीं है। इस संबंध में सक्षम पदाधिकारियों से अनेकों बार वेतन भुगतान को लेकर गुहार लगाया गयो है। इससे विवश होकर प्राथमिक शिक्षक संघ गोप गुट 3 अगस्त दिन शनिवार को 01 बजे अपराह्न से बुनियादी विद्यालय के समक्ष धरना का आयोजन कियो है। अधिक से अधिक शिक्षकों को धरना में शामिल होने की अपील किया गयो है। शिक्षा विभाग के लापरवाही के कारण बक्सर प्रखंड और राजपुर प्रखंड के नियोजित शिक्षकों का माह जून का वेतन भुगतान नहीं हो पायो है।

मां तुतला भवानी में खतरनाक रील्स बनाने पर रोक

सासाराम। तुतला भवानी धाम पर बुधवार की शाम जिलाधिकारी नवीन कुमार ने औचक निरीक्षण किया। वहां मौजूद अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का निर्देश देते हुए कहा कि सैलानियों और श्रद्धालुओं के लिए पानी और उनके अन्य सुविधाओं का ख्याल रखा जाए। विदित हो कि पिछले कुछ दिनों से पहाड़ी के ऊपर चढ़कर कुछ युवक इस तरह के रिल्स बना रहे हैं जो काफी जानलेवा है किसी भी हादसे में वह पहाड़ से गिर सकते हैं। उन्होंने कहा कि धाम पर किसी भी असामाजिक काम में लिप्त जैसे रील बनाने वालों या स्टंट करने वालों पर कड़ी निगाह रखी जाए। उन पर कार्रवाई को सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान उन्होंने धाम पर आने वाले सैलानियों के लिए पानी और अन्य सुविधाओं को मुहैया करने का निर्देश दिया। मौके पर जिला वन पदाधिकारी, एसडीएम डेहरी सूर्य प्रताप सिंह, बीडीओ अंकित जैन अंचलाधिकारी समेत वन विभाग के भी अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

लूटकांड का पुलिस ने किया उद्भेदन

सासाराम। सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के धुवां पुल के पास पिछले दिन हुई लूट मामले में पुलिस ने 10 अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। सासाराम अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव-2 ने बताया कि 5 जुलाई को सासाराम से रात में बिक्रमगंज जाने के लिए मोहम्मद इमरान अहमद एक ऑटो पर सवार हुए। जहां लालगंज नहर पहुंचने पर ऑटो सवार अपराधियों ने चालक के सहयोग से हथियार का भय दिखाकर मोहम्मद इमरान अहमद से नगदी लैपटॉप पर्स मोबाइल आदि लूट लिया। इस मामले में तकनीकी जांच करके पुलिस ने लूटी गई लैपटॉप 5 मोबाइल बरामद करते हुए 10 शामिल अपराधियों को एक कट्टा के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वही रोहतास जिले में लगातार लूट की जैसी घटना होने से लोग अपने को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं।

शराब के साथ एक धंधेबाज गिरफ्तार, साथी फरार

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज पुलिस ने शराब के साथ एक कारोबारी को किया गिरफ्तार दूसरा फरार। बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के खैरा भूधर गांव से गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने 23.800 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ देबू मुसहर को गिरफ्तार कर लिया । तो वहीं दूसरी ओर पुलिस ने थाना क्षेत्र अंतर्गत धारुपुर बाल पर से करीब 13 लीटर देशी शराब बरामद कर लिया । लेकिन मौके वारदात उक्त चिन्हित स्थल से कारोबारी फरार था । उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच पुलिस कर रही है। ललन कुमार ने कहा कि गिरफ्तार धंधेबाज को तत्काल गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नीट की परीक्षा में अश्विन आर्य ने लहराया परचम

बिक्रमगंज। नीट परीक्षा के पहले प्रयास में पास करनेवाले द डिवाइन पब्लिक स्कूल के छात्र अश्विन आर्य का विद्यालय परिसर में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। विदित हो कि अश्विन ने कक्षा यूकेजी से लेकर कक्षा बारहवीं तक की शिक्षा द डीपीएस से पूरी की। इस दौरान विद्यालय के छात्रावास में रहकर भी उसने पढ़ाई की। सत्र 2021-22 की दसवीं बोर्ड परीक्षा में उसे 94.2 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए। पुनः बारहवीं बोर्ड में उसे 91 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए। अपनी सफलता की रफ्तार को बरकरार रखते हुए अश्विन ने नीट-2024 की परीक्षा पहले ही प्रयास में पास कर ली। कुल 720 अंकों की परीक्षा में उसे 657 अंक प्राप्त हुए।ऑल इंडिया रैंक 20877 तथा सामान्य कैटेगरी के अंतर्गत 2521 रैंक प्राप्त हुआ।

राशन कार्ड से अब गरीब नही रहेंगे वंचित, 14 दिनों में होगा निष्पादन : एसडीएम

बिक्रमगंज। अनुमंडल पदाधिकारी अनिल बसाक ने राशन कार्ड को लेकर असहाय गरीबों के लिए एक विशेष संदेश जारी किया है। उन्होंने ने बताया बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों में अब राशन कार्ड से कोई गरीब व्यक्ति वंचित नहीं रहेगा। जिसके लिए एक विशेष अभियान चलाते गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों को चिन्हित कर उनको राशन कार्ड से जोड़ लाभान्वित किया जायेगा। साथ ही एसडीएम बसाक ने जनहित को लोगों को सूचित करते हुए बताया कि राशन कार्ड नियम तहत प्रपत्र क भरकर लोग नया राशन कार्ड बनवाना सकेंगे। जिसका निष्पादन अधिकतम 28 दिन एवं प्रपत्र ख भरकर राशन कार्ड में सुधार का निष्पादन अधिकतम 14 दिन में स्वतः कर दिया जाएगा। साथ ही आवेदकों से अनुरोध करते हुए बताया कि राशन कार्ड बनवाने हेतु कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार के दलाल से संपर्क नही करें। यदि किसी भी व्यक्ति के द्वारा अवैध वसूली की जाती है तो इसकी सूचना साक्ष्य सहित अनुमण्डल पदाधिकारी के सरकारी मोबाइल नंबर 9473191224 पर निडर होकर लोग जानकारी अवश्य दें। ताकि संबंधित दलाल के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जा सकें। दूसरी तरफ अनुमंडल क्षेत्र में 31जुलाई 2024 तक प्रपत्र-क एवं प्रपत्र-ख अंतर्गत अबतक 98 प्रतिशत आवेदन का निष्पादन हो चुका है।

आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत

रोहतास। जिला क्षेत्र के जगन्नाथपुर थाना अंतर्गत नवाडीह कला गांव में ठनका से गिरने से महिला की मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रमिला देवी के रूप में बताई गई है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। सूचना पर पहुंची जगन्नाथ पुर थाना की पुलिस ने महिला की शव को कब्जे में लेते हुए सदर अस्पताल सासाराम में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपते हुए अगली कार्रवाई जारी रखी है। मृतक महिला के पति ने बताया कि उसके पत्नी प्रमिला देवी ने पशु बांध रही थी। तभी तेज गर्जन के साथ ठनका गिरने से उसके पत्नी की मौत हो गई। सदर अस्पताल सासाराम में शव को पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया।

बलिया वसूली कांड...कई किरदार ऐसे भी जो दलाल नहीं, कारखास को देते थे रकम

केटी न्यूज/ बलिया

◆ थाने व चौकी के अलग-अलग हैं दलाल

यूपी के बलिया जिले के नरही थाना क्षेत्र में हुए वसूली कांड के आरोपी निलंबित एसओ पन्नेलाल की गिरफ्तारी के बाद से ही क्षेत्र में चचाओं का बाजार गर्म है। आपको बता दे कि कई किरदार ऐसे भी हैं जहां कोई दलाल नहीं, बल्कि सीधे वह कारखास को हर महीने बंधा रकम देते थे। इसमें भरौली चौराहा पर संचालित अवैध होटल, बियर बार, देह व्यापार से जुड़े लोग हैं। हालांकि अभी भी थाने का कारखास कहां है कोई नहीं बता रहा। यहां तक कि उसका नाम भी मुकदमा में नहीं है। चर्चा है कि पुलिस की भाषा में हर महीने एक्जाइ की वसूली के लिए रोज बिना वर्दी कारखास भरौली चौराहा पर रहता था। भरौली स्थित एक होटल पर तो कुछ माह पहले एसओजी ने छापा मारकर संचालक को हिरासत में भी लिया था। लेकिन उसी रात डील कर मामले को दबा दिया गया। बता दें कि यूपी बिहार के बार्डर स्थित भरौली गोलंबर पर 24 जुलाई की रात अवैध वसूली को लेकर एडीजी वाराणसी पीयूष मोर्डिया व डीआइजी आजमगढ़ वैभव कृष्ण ने छापेमारी कर अवैध वसूली का भंडाफोड़ किया था। इस मामले में एसओ नरही, कोरंटाडीह चौकी प्रभारी समेत कुल 23 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज है। जिसकी विवेचना एएसपी आजमगढ़ कर रहे हैं। उधर, छापे के बाद से ही शराब, लाल बालू, पशु तस्करों व अवैध खनन करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। अधिकांश भूमिगत हो चुके हैं। सूत्रों की मानें तो विवेचना करने वाली टीम ने नरही से लेकर कोटवा नारायणपुर तक गोवध तस्करों, शराब तस्करों, दलालों एवं खनन माफियाओं को चिह्नित कर लिया है। इसमें थाने का सबसे बड़ा दलाल भी है जो प्रतिदिन दो लाख की वसूली कर-के देता था। उधर, कोरंटाडीह चौकी पर तो एक दलाल का सिक्का बीते 12 वर्षों से है। वह चौकी की आमदनी बढाने के लिए सुझाव देता है, फिर उसके इशारे पर प्रभारी काम करते हैं। अवैध खनन, गंगा के रास्ते पशु व शराब तस्करी के साथ ही विवादों का निस्तारण भी दलाल के जरिए ही होता था। अब देखना यह है की जांच की आंच किन-किन किरदार तक पहुंचती है और उनके गले की फास बनती है।

एक नजर

पुलिस उपमहानिरीक्षक और पुलिस कप्तान ने भुडकुड़ा थाने का किया निरीक्षण

गाजीपुर। पुलिस उप महानिरीक्षक वाराणसी परिक्षेत्र डॉ० ओमप्रकाश सिंह व पुलिस अधीक्षक डॉ० ईराज राजा ने संयुक्त रूप से थाना भुड़कुड़ा व पुलिस चौकी मंझनपुर का वार्षिक निरीक्षण किया। डीआईजी के निरीक्षण के दौरान बैरक, मेस, थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क, शस्त्र, थाना/चौकी परिसर व अपराध रजिस्टर को चेक किया गया एवं संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस उप महानिरीक्षक डॉ. ओमप्रकाश सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी फरियादी के साथ गलत व्यवहार नहीं होना चाहिए। बताया कि महिला फरियादियों को वरीयता से थाने पर मौजूद अधिकारी सुने एवं उसे तवज्जो दें। अपराधियों को किसी भी हाल में ढील ना दें। वाहन चेकिंग और रात्रि गश्त पर अधिकारी स्वयं चौकन्ना रहें। थाने एवं चौकी के रजिस्टर को डीआईजी ने विधिवत चेक किया एवं निर्देश देते हुए कहा कि सभी इनफॉरमेशन अपडेट रहना चाहिए।

राजकीय महिला चिकित्सालय में दलालों का जमावड़ा, सही तरीके से काम करने में परेशानी

गाजीपुर। मुहम्मदाबाद राजकीय महिला चिकित्सालय में मरीजों की स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। अस्पताल के बाहर और अंदर, दलालों का जमावड़ा लगा रहता है, जो मरीजों को अपने मेडिकल स्टोर से दवाएं खरीदने के लिए मजबूर करते हैं। जब भी कोई मरीज अस्पताल आता है, तो दलाल उसे घेर लेते हैं और दवाओं के लिए दबाव डालते हैं। एक महिला मरीज ने बताया कि वह तीन दिन लगातार डॉक्टर से मिलने आई, लेकिन डॉक्टर मौजूद नहीं थी और हर बार उसे अलग-अलग दवाएं खरीदने के लिए कहा गया। चिकित्सा स्टाफ भी दलालों की इन गतिविधियों से परेशान है। दलालों के दबाव के कारण स्टाफ को सही तरीके से काम करने में दिक्कत होती है। मरीजों को सही समय पर इलाज नहीं मिल पाता और वे गुमराह हो जाते हैं। अस्पताल की सफाई व्यवस्था भी बहुत खराब है। शौचालयों में पानी की कमी और सफाई न होने के कारण संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। मरीजों को गंदगी के बीच इलाज कराना पड़ता है, जिससे उनकी हालत और खराब हो सकती है। स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की उदासीनता के कारण यह स्थिति और भी गंभीर हो गई है। स्थानीय निवासियों ने कई बार शिकायत की है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है। स्थिति को सुधारने के लिए प्रशासन को दलालों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और सफाई व्यवस्था को सुधारना चाहिए। डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करनी चाहिए ताकि मरीजों को समय पर इलाज मिल सके और उनकी परेशानियां कम हो सकें।

ब्लाक स्तरीय एक दिवसीय टीकाकरण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

गाजीपुर। रेवतीपुर ब्लाक के सीएचसी परिसर में गुरुवार को चिकित्सा अधीक्षक एवं प्रभारी अधिकारी डाक्टर अमर कुमार की अध्यक्षता में ब्लॉक स्तरीय नियमित टीकाकरण माइक्रोप्लानिंग के एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में समस्त आशा ,सीएचओ, डाटा एंट्री आपरेटर कोल्ड चेन हैंडलर एवं अन्य समस्त स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे, जिसमें नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत माइक्रोप्लान व कार्ययोजना से लेकर ड्यू लिस्ट, टीकाकरण आदि पर विशेष तरीके से जानकारी दी ग?ई।इस दौरान बोलते हुए चिकित्सा अधीक्षक डाक्टर अमर कुमार ने कार्यशाला में लापरवाही पर कई स्वास्थ्य कर्मियों को फटकार लगाते हुए उन्हें अपने कार्यों के सुधार लाने की सख्त चेतावनी दी,उनके कडे तेवरो से स्वास्थ्य कर्मियों में अफरातफरी मच गई।इस दौरान बोलते हुए उन्होंने कहा कि माइक्रोप्लान में हाइ रिस्क क्षेत्र में भट्ठे मलिन बस्ती घुमंतू एवं दुर्गम आबादी जो क्षेत्र टीकाकरण से वंचित रह जाते है। उन सभी परिवारों के साथ साथ जहां पर विगत 2 वर्षों में एम आर या गला घोंटू के केसेस मिले है। उन सभी परिवार को माइक्रोप्लान में शामिल करना है।साथ ही माइक्रोप्लान में नियमित टीकाकरण का स्थान सुरक्षित जगहों जैसे पंचायत भवन, पीएचसी , उपकेंद्र सरकारी स्कूल आदि माइक्रोप्लान में उस स्थान के गणमान्य व्यक्ति का नाम-मोबाइल नंबर अभिलेखों में अंकित होना जरूरी है। इसके किसी तरह की लापरवाही पर सम्बन्धित की सेवा समाप्त की जा सकती है।

खबरें फटाफट

वांछित अभियुक्त के मकान पर की नोटिस चस्पा

बलिया। दुबहर क्षेत्र के अड़रा गांव में बुधवार की शाम

आजमगढ़ कोतवाली से आए सब इंस्पेक्टर उमेश चंद्र यादव एवं हेड कांस्टेबल महेंद्र यादव ने अड़रा निवासी देवानंद सिंह पुत्र रामानंद सिंह के घर पर न्यायालय आजमगढ़ के आदेश पर 82 और 83 का नोटिस ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बलदेव गुप्ता और दुबहर पुलिस की उपस्थिति में चस्पा किया। ज्ञात हो कि देवानंद सिंह पर आजमगढ कोतवाली में 302,452 भारतीय दंड विधान की धारा के अंतर्गत मुकदमा दर्ज है। देवानंद सिंह लंबे समय से फरार चल रहे हैं। उक्त मुकदमे के परिपेक्ष में कार्रवाई करते हुए आजमगढ़ कोतवाली पुलिस ने उनके जर्जर मकान पर 82 और 83 का नोटिस चश्मा किया ।

योगेंद्र बहादुर सिंह शहर तो रामायण बने बैरिया कोतवाल

बलिया। जनपद में कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने बुधवार की देर रात्रि दो निरीक्षकों का कार्य क्षेत्र बदल कर नवीन स्थान पर तैनात होने का आदेश जारी किया है। पुलिस अधीक्षक ने शहर कोतवाली के पद पर तैनात रामायण सिंह को बैरिया थाने की कमान सौंपी है तो वही पुलिस लाइन में तैनात योगेंद्र बहादुर सिंह को शहर कोतवाली की कमान सौंपी है।

आरटीआई कार्यकर्ता को मिली जान से मारने की धमकी

बलिया। फोन पर जान से मारने की धमकी मिलने पर रामपुर महावल निवासी आरटीआई कार्यकर्ता प्रेम वर्मा गुरुवार को शहर कोतवाली में तहरीर देकर जानमाल की गुहार लगाई। बताया कि मेरे द्वारा एक प्रकरण में कुछ दिन पहले आरटीआई मांगा गया था। जिसके बाद से एक नंबर पर मुझे पहले तो यह कहते हुए फोन आया कि मैं वकील बोल रहा हूं, अब उसी नंबर से फोन कर मुझे बताया कि जिस तरह हेमंत यादव और बांसडीह में रोहित पांडेय की हत्या हुई, उस तरह का अंजाम तुम्हारा होगा।

बलिया जिलाधिकारी के निरीक्षण में मिलीं कई खामियां, सीएमओ को लगी फटकार

बलिया सीएमओ कार्यालय के औचक निरीक्षण में गैरहाजिर मिले 21 कर्मचारी

◆ जिलाधिकारी ने सभी अनुपस्थित 21 कर्मियों से पूछा स्पष्टीकरण

केटी न्यूज/ बलिया

बलिया जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने गुरुवार को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान वहां 5 एसीएमओ सहित 21 कर्मचारी अनुपस्थित मिले। सभी गैरहाजिर कर्मियों का स्पष्टीकरण तलब किया है। इस लचर व्यवस्था के लिए सीएमओ की भी फटकार लगाते हुए सुधार लाने की चेतावनी दी। जिलाधिकारी के अचानक सीएमओ कार्यालय में पहुंचने से हड़कम्प मच गया। वहां पहुंचते ही उन्होंने उपस्थिति पंजिका की जांच की। इसमें एसीएमओ डॉ पद्मावती, डॉ विजय यादव, डॉ अशोक कुमार, डॉ आनन्द कुमार व डॉ योगेंद्र दास के अलावा वरिष्ठ सहायक संतोष श्रीवास्तव, संजीव निगम, गोपाल सिंह, मुन्ना बाबू, मारकण्डेय पाण्डेय, राजेश कुमार, अफसाना खातून व सौरभ माथुर, बीएचडब्ल्यू देवेन्द्र झा, जेई प्रेमचंद गैरहाजिर मिले। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी उमेश कुमार, अमरेंद्र कुमार, ओमप्रकाश रावत, अजय यादव, सुनरी देवी व वार्ड बॉय आशीष सिंह भी अनुपस्थित मिले। सभी को एक हफ्ते के अंदर स्पष्टीकरण तलब किया है।

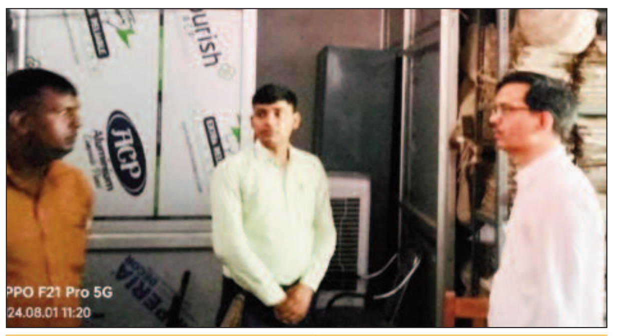

कर्मचारियों का जारी करें पहचान पत्र

सीएमओ कार्यालय पहुंचते ही गैलरी में 15-20 की संख्या में लोग थे, जो जिलाधिकारी को देख इधर-उधर भागने लगे। इस पर जिलाधिकारी ने सीएमओ को निर्देश दिया कि कार्यालय में काम करने वाले कर्मियों का पहचान पत्र जारी करें। सभी कर्मचारी पहचान पत्र लेकर कार्यालय में रहें, ताकि आम नागरिक व कर्मचारियों की पहचान हो सके।

महंगाई भत्ता देने में देरी पर जताई नाराजगी

निरीक्षण के दौरान लेखा अनुभाग में सीएचसी सोनवानी के वरिष्ठ सहायक भूपेश द्विवेदी के आने का कारण पूछा तो महंगाई भत्ते के भुगतान में देरी करने की बात सामने आई। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई और सीएमओ को इस आशय का स्पष्टीककरण मांगा कि इस विलम्ब के लिए उत्तरदायी कौन है। पेंशन पत्रावलियों की जांच की तो पटल सहायक सुदामा प्रसाद ने बताया कि पेंशन प्रपत्र पर सीएमओ के हस्ताक्षर के बिना ट्रेजरी में भुगतान के लिए भेजा जाता है। इस पर सवाल करते हुए कहा कि अगर प्रक्रिया सही नहीं है तो इसके लिए जिम्मेदार कर्मी का उत्तरादायित्व निर्धारित करते हुए कार्यवाही करें।

राज्य कर विभाग में व्याप्त गंदगी पर बिफरे

जिलाधिकारी ने राज्य कर विभाग का भी औचक निरीक्षण किया। इस दौरान वहां भारी गंदगी मिलने व पत्रावलियों पर धूल जमा जैसी स्थिति मिलने पर नाराजगी जताई। चेतावनी देते हुए कहा कि दो दिन के अंदर कार्यालय की साफ सफाई कराकर अवगत कराएं। निरीक्षण के दौरान एक व्यापारी ने नोटिस जारी करने के सम्बन्ध में शिकायत की, जिसके बारे में उपायुक्त से जानकारी ली। उन्होंने व्यापारी से कहा कि अगर कार्यालय में कोई भी किसी प्रकार की अवैध धनराशि की मांग करता है तो सीधे मुझे बताएं।

डीएम ने सेल टैक्स विभाग में की औचक छापेमारी

◆ संयोग रहा अच्छा नहीं मिले संलिप्त अधिकारी, कर्मचारी व दलाल
◆ संलिप्त अधिकारी, कर्मचारी, स्टेनो व दलालों की डीएम ने मांगी सूची
◆ अधिवक्ताओं ने अनर्गल रूप से टैक्स लगाने की डीएम से की शिकायत

केटी न्यूज / बलिया

गुरुवार को जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने इंदिरा मार्केट स्थित सेल टैक्स विभाग में औचक छापेमारी की। संयोग अच्छा रहा कि कोई भी दलाल या संलिप्त अधिकारी व कर्मचारी पकड़ में नहीं आया। छापेमारी के दौरान की हड़कंप स्थिति बनी रही। इस दौरान सेल टैक्स के अधिवक्ताओं ने सेल टैक्स के अधिकारियों के प्रति रोष जताते हुए अनर्गल रूप से टैक्स लगाने का आरोप लगाया।

आपको बता दे कि यूपी सरकार के सख्त रवैये के बाद प्रत्येक कार्यालय में संलिप्त अधिकारी व कर्मचारियों के साथ ही दलालों की छापेमारी कर धड़ पकड़ की जा रही है। जिसके तहत यूपी बिहार के नरही थाना अंतर्गत भरौली गोलंबर पर 24 जुलाई की रात एडीजी वाराणसी पीयूष मोर्डिया एवं डीआईजी आजमगढ़ वैभव कृष्ण ने छापेमारी कर अवैध वसूली का भंडाफोड़ किया था। वहीं 25 जुलाई को मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज ने सिटी मजिस्ट्रेट व सीओ सिटी के साथ एआरटीओ कार्यालय पर छापेमारी की थी। जिसमें तीन से चार दलालों को हिरासत में लिया था। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने गुरुवार को इंदिरा मार्केट स्थित सेल टैक्स विभाग में औचक छापेमारी की। संयोग अच्छा रहा की कोई दलाल, संलिप्त अधिकारी, कर्मचारी पकड़ में नहीं आए। इस दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ कौन-कौन दलाल संलिप्त है और कौन-कौन अधिकारी व स्टेनो दलालों के संपर्क में है उसकी सूची मांगी है।

थाने से भगाए जाने पर पीड़ित युवती ने एसपी से लगाई गुहार

केटी न्यूज / बलिया

◆ महिला थानाध्यक्ष के बावजूद नहीं हो रही पीड़ित महिला की सुनवाई
◆ पूरे परिवार के सदस्यों का घर से बाहर निकलना हुआ मुश्किल

खेजुरी थाने में सुनवाई न होने व पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी मिलने पर बड़सरी के रहने वाली युवती रूबि सिंह ने गुरुवार को एसपी कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। रूबि सिंह के अनुसार उनके पिताजी के निधन हो जाने के बाद विपक्षी हम लोगों की जमीन को जबरिया कब्जा करना चाहते हैं। इसे लेकर बीते दिनों विपक्ष के कई लोग हमारे परिवार के सदस्य तथा मुझे मारेपीटे तथा जान से मारने की धमकी भी दी। इसको लेकर जब मेरे द्वारा खेजुरी थाने में तहरीर दी गई तो वहां मेरी सुनवाई नहीं हो रही है। बताया कि हमारे परिवार के सदस्य जब भी कोई घर से निकल रहे हैं तो वे गोलबंद होकर हम लोगों को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। बताया कि एक तरफ पूरे प्रदेश में नारी सशक्तिकरण को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। दूसरी तरफ थाने जाने पर महिला थानाध्यक्ष होने के बावजूद एक महिला की सुनवाई नहीं हो रही है। बताया कि विपक्ष के लोग इस कदर दबंगई पर उतारू हो गए हैं, उनके अंदर कानून का डर ही खत्म हो गया है। ऐसे में मुझे व मेरे पूरे परिवार को उन सबके जान का खतरा है।

सीडीओ ने बीएसए व खंड शिक्षाधिकारी कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

बलिया। मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज ने गुरुवार को रामलीला मैदान के पास स्थित बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। उपस्थिति पंजीका की जांच में पांच कर्मचारी अनुपस्थित मिले, जिनका तत्काल वेतन रोकने का आदेश बीएसए को दिया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय में एक अनाधिकृत व्यक्ति मिला, जिससे पुछताछ की गई तो संदिग्ध जवाब देने पर और वहां मौजूद लिपिक और वरिष्ट लिपिक से पूछताछ करने पर अनाधिकृत व्यक्ति से उनके संबंध पाए गए। इस प्रकार प्राइवेट अनाधिकृत व्यक्ति के विरुद्ध थाना कोतवाली में मुकदमा लिखवाया गया है। वहीं जिन कर्मचारियों के साथ उसके संपर्क निकले हैं, उनके विरुद्ध भी विभागीय कार्यवाही की जा रही है।

धारा 24 व 116 से संबंधित फाइलें लंबित, जल्द करें निस्तारण : डीएम

केटी न्यूज / गाजीपुर

जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने तहसील सैदपुर के विभिन्न कक्षों व पटलों का स्थलीय निरीक्षण किया तथा तहसील में आये हुए व्यक्तियों से बात चीत कर तहसील में कार्यरत कर्मचारी के व्यवहारों के बारे में जानकरी ली। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी न्यायालय कक्ष, नायब तहसीलदार कक्ष, न्यायालय तसीलदार कक्ष, रजिस्ट्रार कानून-गो कक्ष, अभिलेखागार, संग्रह रिकार्ड रूम, कम्प्युटर कक्ष, आपूर्ति कार्यालय का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान पटलों पर कार्य संतोषजनक रहा एवं कुछ पटलो पर कमियां मिली तथा रजिस्टर के रख रखाव सही ढंग से नही होने पर हिदायत दी गई। जिलाधिकारी ने सभी पटल सहायकों को निर्देश दिया कि जितने भी शिकायती पत्र, बंटवारे का वाद, धारा 24 व धारा 116 एवं फाइले लंबित हैं उसे यथाशीघ्र निस्तारण करने की कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही उन्होंने परिसर की साफ-सफाई, परिसर में पेयजल व्यवस्था व शौचालयों की साफ -सफाई का निर्देश दिया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सैदपुर, तहसीलदार सैदपुर, नायब तहसीलदार सैदपुर व अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

गोवा में नेशनल कीक बॉक्सिग चैंपियनशिप प्रतियोगिता में बलिया जनपद का बढ़ाया मान

प्रीति राय ने जमाया गोल्ड पर कब्जा, शिक्षकों व ग्रामीणों ने किया स्वागत

◆ छोटी बहन दीपाली ने भी जूनियर नेशनल किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता सिलिगुड़ी में जीता है गोल्ड मेडल

केटी न्यूज / दुबहर(बलिया)

दुबहर थाना के दादा के छपरा अखार निवासी प्रीति राय ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहराकर गांव व जिले का नाम रोशन किया है। स्थानीय थाना क्षेत्र के अखार ग्राम सभा अंतर्गत दादा के छपरा पुरवे की निवासी प्रीति राय पुत्री सत्येंद्र राय ने राष्ट्रीय स्तर पर गोवा में आयोजित नेशनल कीक बॉक्सिग चैंपियनशिप 65 किलो भार वर्ग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त कर अपना परचम लहराया है। दूसरे स्थान पर गुजरात एवं तीसरे स्थान पर केरल की खिलाड़ी रहे। यह प्रतियोगिता 24 से 28 जुलाई तक गोवा में आयोजित हुआ था। ज्ञात हो कि पिछले महीने प्रीति राय की छोटी बहन दीपाली राय ने भी जूनियर नेशनल किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता सिलिगुड़ी में गोल्ड मेडल प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया था। प्रीति और दीपाली दोनों बहनों ने अपनी प्राथमिक शिक्षा गांव के प्राथमिक विद्यालय दादा के छपरा में ग्रहण की थी। गुरुवार को जैसे ही दोनों बहनें अपने गांव पहुंची उनका स्वागत प्राथमिक विद्यालय दादा के छपरा पर समस्त शिक्षकों एवं बच्चों द्वारा किया गया। शिक्षकों द्वारा दोनों बहनों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए इंटरनेशनल प्रतियोगिता में भी सफलता हासिल करने के लिए शुभकामनाएं दी गई। प्रीति सतीश चंद्र कॉलेज के स्नातक वर्ग के द्वितीय वर्ष की छात्रा है। इनके घर पहुंचने पर दादा त्रिलोकी नाथ राय एवं बड़े पिता शशि भूषण राय सहित अनेक ग्रामीणों ने इन्हें फूल मालाओं से लादकर बैंड बाजे के साथ इनका स्वागत किया। इन दोनों बच्चियों की सफलता पर मंगल पांडेय विचार मंच के अध्यक्ष केके पाठक, पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि अरुण सिंह, सुजीत सिंह नितेश पाठक, अरुणेश पाठक ,केडी सिंह, गोगा पाठक ,शहीद मंगल पांडेय इंटर कॉलेज के प्रबंधक डॉ बृकेश पाठक ने खुशी जाहिर करते हुए बालिका के निरंतर विकास हेतु आशीर्वाद दिया है। प्रीति राय अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता एवं गुरुजनों को दिया।

गाजीपुर के 34 उप निरीक्षकों का तबादला, दो लाइन हाजिर

केटी न्यूज / गाजीपुर

पुलिस अधीक्षक डॉ. इराज राजा ने विभाग के 34 उप निरीक्षकों का तबादला किया है ।इसमें उप निरीक्षक सर्वजीत यादव पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी बहलोलपुर थाना दुल्लहपुर, रामधनेश चौकी प्रभारी खुदाईपूरा थाना कोतवाली से चौकी प्रभारी अस्पताल थाना कोतवाली, हरेकृष्णा तिवारी पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी खुदाई पूरा थाना कोतवाली, हरिश्चंद्र सिंह पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी जलालाबाद थाना दुल्लहपुर, कमल भूषण राय पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी सिंधौना थाना खानपुर ,अजय कुमार पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी देवरिया थाना जमानिया, देवेंद्र कुमार साहू थाना शादियाबाद से चौकी प्रभारी हंसराजपुर थाना शादियाबाद, अजय प्रकाश पांडेय थाना मोहम्मदाबाद से चौकी प्रभारी बहादुरगंज थाना कासिमाबाद, सुनील शुक्ला थाना मोहम्मदाबाद से चौकी प्रभारी राजगंज थाना कोतवाली, विवेक कुमार पाठक चौकी प्रभारी राजगंज से चौकी प्रभारी बारा थाना गहमर, अश्वनी प्रताप सिंह थाना भांवरकोल से चौकी प्रभारी अटवां थाना नोनहरा ,मनोज कुमार पांडे थाना बडेसर से चौकी प्रभारी कस्बा सैदपुर थाना सैदपुर, सुरेश मौर्य थाना जमानिया से चौकी प्रभारी सेवराई, राजकुमार दुबे थाना जमानिया से चौकी प्रभारी अभयपुर थाना जमानिया, अरुण कुमार पांडे साइबर थाना से चौकी प्रभारी देवैथा थाना जमानिया, देवेंद्र यादव पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी मटेहुं थाना मरदह, अरविंद कुमार थाना भुडकुडा से चौकी प्रभारी ताजपुर कुर्रा थाना दिलदारनगर, अविनाश मणि त्रिपाठी थाना बहरियाबाद से चौकी प्रभारी मखदुमपुर थाना सादात, बृजेश्वर यादव थाना करीमुद्दीनपुर से चौकी प्रभारी खिदिरपुर थाना करंडा, लल्लन राम बिंद थाना जमानिया से चौकी प्रभारी सहनिंदा थाना मोहम्मदाबाद, शिव प्रकाश पाठक थाना दिलदारनगर से चौकी प्रभारी पहेतियां थाना जंगीपुर, लाल बहादुर सिंह थाना नगसर से थाना मोहम्मदाबाद, भूपेंद्र चंद्र कुशवाहा पुलिस लाइन से थाना जमानिया, सुरेंद्र राम मिश्रा पुलिस लाइन से थाना शादियाबाद, फूलचंद्र मिश्रा पुलिस लाइन से थाना रामपुर माझा, प्रभाकर सिंह पुलिस लाइन से थाना शादियाबाद, प्रदीप कुमार पुलिस लाइन से थाना सादात, हरिहर मिश्रा पुलिस लाइन से थाना सादात, महेंद्र प्रसाद पुलिस लाइन से थाना बहरियाबाद, लालू प्रसाद यादव पुलिस लाइन से थाना कासिमाबाद ,कमलेश गुप्ता पुलिस लाइन से थाना नोनहरा, विजय नारायण राय पुलिस लाइन से थाना बिरनो, राकेश सिंह पुलिस लाइन से थाना गहमर, हंसराज मिश्रा रामपुर माझा थाना से थाना दिलदारनगर के लिए तबादला कर दिया गया है। इस क्रम में पुलिस कप्तान ने दो पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़े एक्शन लेते हुए गहमर थाना में तैनात दो पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है।

कार्रवाई: बदलापुर तहसील का कानूनगो पांच हजार रुपए रिश्वत लेता रंगेहाथ गिरफ्तार

♦ पूर्व में कई बड़े फर्जीवाड़ा का कार्य कर चुका है आरके दफ्तर में तैनात कानूनगो, बहुत पहले से थी लोगों की नजर

केटी न्यूज /जौनपुर

जिले के बदलापुर तहसील में गुरुवार को एंटी करप्शन टीम ने एक भ्रष्ट और रिश्वतखोर कानूनगो को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। जानकारी के अनुसार बदलापुर तहसील के आर.के. दफ्तर में तैनात कानूनगो सुभाष सरोज को गुरुवार को एंटी करप्शन की टीम ने पांच हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ तहसील के आरके दफ्तर से गिरफ्तार कर लिया। जिससे क्षेत्र में हलचल मचा दिया।

उक्त कानूनगो ने तहसील के ही सुभाष चन्द्र निगम से किसी कार्य को करने के लिए पांच हजार की डिमांड की थी। जिसपर निगम ने एंटी करप्शन टीम से संपर्क कर लिखित रूप में प्रार्थना पत्र दिया गया था। जिसके पश्चात यह रणनीति तैयार हो कर आज रिश्वतखोर को गिरफ्तार कर लिया गया।बताते चलें कि सुभाष सरोज पूर्व में बदलापुर तहसील लेखपाल के पद पर रहते हुए कई बड़े फर्जी बड़े का कार्य किया हुआ है जिसमें फर्जी पट्टा करना मुख्य रूप से जिले का चर्चित फजीर्वाड़ा रहा। जिस संदर्भ में उसके ऊपर जिला प्रशासन ने बड़ी कार्यवाही की थी और फिर यहां से शाहगंज के लिए भेज दिया गया था। प्रमोशन के उपरांत सुभाष सरोज लेखपाल से कानूनगो पद पर तैनात हुआ और पुनः बदलापुर तहसील में पहुंच गया। और बदलापुर तहसील में पहुंचते ही रिश्वतखोरी और फर्जीवाड़े को अंजाम देने लगा। वह रुपए लेकर पत्रावलियों में हेर फेर तथा फर्जी तरीके के कार्य धड़ल्ले से कर रहा था। इसके द्वारा इब्राहिम पुर में मतस्य पालन के पट्टे पर एक गरीब से 9500 रुपए रिश्वत लिया गया और पट्टा किसी तीसरे गांव में व्यक्ति को कर दिया गया। इसके रिश्वतखोरी और फर्जीवाड़े के किस्से अधिवक्ता गण व क्षेत्र के लोगों से चर्चा करने पर बाकायदा विस्तृत रूप में सुनने को मिलती है। आखिरकार इस भ्रष्टाचारी का आज अंतिम समय आ ही गया जब तहसील के आर.के. दफ्तर में पांच हजार (5000) रिश्वत लेते एंटी करप्शन टीम ने रंगे हाथ धर दबोचा। और तत्काल उठाकर बक्सा थाने लेकर चली गई और अग्रीम कार्यवाही में लग गई है। जहां इस घटना ने क्षेत्र में चचाओं का दौर गर्म कर दिया है वहीं इस भ्रष्टाचारी कानूनगो सुभाष सरोज के कारनामे की कहानी लोगों की मुख से सुनने को विस्तृत रूप में जगह-जगह मिल रही है।

एक नजर

रेलवे लाइन पर मिला अज्ञात युवक का शव

चंदौली। अलीनगर थाना क्षेत्र के बसरतिया गांव के समीप गुरुवार की सुबह 50 वर्षीय अज्ञात युवक का शव रेलवे लाइन के ट्रैक पर क्षत विक्षत हालत में पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से पहचान करने का प्रयास किया। लेकिन देर शाम तक पहचान नहीं होने पर शव को पहचान के लिए मर्चरी में रखवा दिया।

अलीनगर थाना क्षेत्र के गया रेलवे लाइन पर बसरतिया गांव के समीप रेलवे ट्रैक पर गुरुवार की सुबह अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। हालांकि ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से पहचान करने का प्रयास किया। लेकिन देर शाम तक पहचान नहीं होने पर शव को पहचान के लिए मर्चरी में रखवा दिया। इस संबंध में पूछे जाने पर एस आई राजेश राय ने बताया कि संभवत युवक की यात्रा के दौरान ट्रेन से गिरने से मौत हुई है। युवक सिर्फ गमछा और गंजी पहन रखा है। जिससे कोई कागजात इसके पास से नहीं मिलने से अभी तक पहचान नहीं हो पाई है।

ककरही खुर्द गांव में लगा 25 केवीए का ट्रांसफार्मर दो महीने में छठवीं बार जला

चंदौली। विकास खंड सकलडीहा के बनौली फीडर से संबद्ध ककरही खुर्द गांव में लगा 25 केवीए का ट्रांसफार्मर दो महीने में छठवीं बार दो दिन पूर्व जलने से एक बार फिर ग्रामीणों के लिए संकट उत्पन्न हो गया है। इसको लेकर ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के कारण उमस भरी गर्मी में बनौली फीडर से संबद्ध ककराही खुर्द गांव में लगा 25 केवीए का ट्रांसफार्मर मंगलवार को छठवीं बार जल जाने से एक बार फिर ग्रामीणों के लिए संकट उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों के वाटर पंप होने से पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई है। पढ़ने वाले बच्चों की पढ़ाई बर्बाद हो रही है। मोबाइल चार्ज के अलावा टीवी, पंखा,कूलर आदि शो पीस पड़े हुए हैं। उमस भरी गर्मी में लोगों के रात की नींद हराम हो जा रही है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि एक ही ट्रांसफार्मर को छ बार जलने के बाद भी क्षमता वृद्धि नहीं की जा रही है।इसको लेकर गांव के रवि शंकर यादव,रामाश्रय पाल, डॉ विजय पाल, भगवान दास, रामचरन आदि लोगों ने चेताया कि अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो हम लोग सड़क पर उतरने को बाध्य होंगे। इस संबंध में पूछे जाने पर एसडीओ विवेक मोहन श्रीवास्तव ने बताया कि जेई को मौके पर भेज कर ट्रांसफार्मर बदलने का काम कर दिया जाएगा। अगर क्षमता वृद्धि की जरूरत है तो क्षमता वृद्धि भी करने का काम किया जाएगा।

पौधे लगाएं और देखभाल भी करें: कुलसचिव

जौनपुर। पंजाब नेशनल बैंक, पूर्वांचल विश्वविद्यालय शाखा, जौनपुर की ओर से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को किया गया। कार्यक्रम में पीएनबी के मैनेजर समेत विश्वविद्यालय के कुलसचिव, वित्त अधिकारी समेत कई शिक्षकों ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि पौधरोपण केवल एक औपचारिकता नहीं होनी चाहिए। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन पौधों की देखभाल करें और उन्हें बड़ा होने में मदद करें। उन्होंने छात्रों और संकाय के लोगों से अपील की कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपने आस-पास के क्षेत्रों में अधिक से अधिक पौधे लगाएं। वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष हमारे जीवन के अभिन्न अंग हैं। वे हमें न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पीएनबी शाखा के प्रबंधक राम बहादुर सरोज ने पंजाब नेशनल बैंक की ओर से इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पी.एन.बी. हमेशा से समाज के हित में कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। वृक्षारोपण जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से बैंक समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रयास कर रहा है। मानद लाइब्रेरियन प्रो. राज कुमार ने पोधरोपण के वैज्ञानिक और पर्यावरणीय फायदों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि वृक्ष धरा के आभूषण हैं जो प्रदूषण को दूर करते हैं। वे ऑक्सीजन देते हैं, जिससे वायु की गुणवत्ता में सुधार होता है। चीफ वार्डेन डॉ. मनीष प्रताप सिंह ने पौधरोपण के महत्व को समझाया और उन्हें इस अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पौधरोपण से हम समाज को भी स्वस्थ और सुखी बना सकते हैं।

खबरें फटाफट

एसपी ने कंदवा थाना प्रभारी समेत 6 को किया सस्पेंड

चंदौली । पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे की भ्रष्टाचार में लिप्त पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई का क्रम लगातार जारी है. कंदवा इंस्पेक्टर सहित छह पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया। जिसकी जानकारी के बाद महकमें में हड़कम्प मचा हुआ है। विदित हो कि बुधवार की देर रात पुलिस अधीक्षक सादे वेश में कंदवा पहुंचे थे,जहां रियल्टी चेक के दौरान बलिया के नरहीं जैसी स्थिति देखने को मिली, जबकी कप्तान ने अपनी पहली मीटिंग में सभी थाना प्रभारियों को भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों कार्रवाई का निर्देश दिया। इसके बाद भी थाने में इस तरह के अवैध कार्य पर ब्रेक न लगने से नाराज एसपी ने इंस्पेक्टर सहित थाने में तैनात छह पुलिस कर्मियो को सस्पेंड कर दिया. जिसमें थाना कन्दवा प्रभारी निरीक्षक सलिल स्वरूप आदर्श, उप निरीक्षक अमरनाथ साहनी, मुख्य आरक्षी सुनील वर्मा, मुख्य आरक्षी श्याम सुन्दर, मुख्य आरक्षी नागेन्द्र कुमार, आरक्षी किशन सरोज को तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया गया।

स्थायी लोक अदालत में होगी नियुक्ति

मऊ। अपर प्रधान न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दीवानी न्यायालय, बाकर शमीम रिजवी ने बताया कि माननीय उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार 19 जनपदों में स्थायी लोक अदालत हेतु रिक्त अध्यक्ष, स्थायी लोक अदालत के पदों पर नियुक्ति कराया जाना है।

सीएम योगी ने गुरुवार को विधानसभा में अनुपूरक बजट पर की चर्चा

हर निवेश नया रोजगार देता है, यह विकास भी लेकर आता है: सीएम योगी

♦ बोले- शिक्षा के बिना स्वावलंबन व समृद्धि के मार्ग पर नहीं बढ़ सकता समाज

♦ 284 राजकीय इंटर कॉलेज में प्रयोगशालाओं के लिए 28.40 करोड़ रुपये की व्यवस्था

♦ 1040 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी लैब की स्थापना के लिए 66 करोड़ रुपये: योगी

केटी न्यूज / लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को विधानसभा में अनुपूरक बजट पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा व खेल व अन्य कार्यों के लिए धनराशि की व्यवस्था की गई है। प्रदेश सरकार ने रोजगार मिशन समिति के माध्यम से विशेष प्रस्ताव भी रखा है, जिसमें संचालन के लिए धनराशि की व्यवस्था की है। कौशल विकास में युवाओं की ट्रेनिंग के लिए 200 करोड़ का प्रावधान किया है। रोजगार प्रशिक्षण के साथ-साथ 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के लिए 100 करोड़ की व्यवस्था की गई है। 150 आईटीआई को टाटा कंसल्टेंसी के साथ विश्व स्तरीय स्किल डवलपमेंट सेंटर के रूप में विकसित करने की कार्रवाई को बढ़ाया है। इसमें 23 प्रकार के न्यू एज कोर्स प्रारंभ करने जा रहे हैं, यह आज की आवश्यकता के अनुरूप ग्लोबल मार्केट व इंडस्ट्री की डिमांड है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बताया कि 284 राजकीय इंटर कॉलेज में प्रयोगशालाओं के लिए 28.40 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। 1040 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी लैब की स्थापना के लिए 66 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि निजी क्षेत्र में कोई विश्वविद्यालय स्थापित करना चाहता है तो उसके लिए पॉलिसी बनाई। मानकों को पूरा करने पर हमने नए विश्वविद्यालय स्थापित करने की कार्रवाई को बढ़ाया। सीएम योगी ने कहा कि हर निवेश नया रोजगार भी देता है, साथ ही विकास भी लेकर आता है। अब तक ऐसे 14 नए विश्वविद्यालय प्रदेश के अंदर बने हैं। सीएम योगी ने कहा कि जहां कोई विश्वविद्यालय नहीं है, वहां राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय बनाया। जिस कमिश्नरी में विश्वविद्यालय नहीं था, उन कमिश्नरी को चिह्नित कर छह नए विश्वविद्यालय बनाए गए। आजमगढ़ में महाराजा सुहेलदेव के नाम पर विवि का निर्माण हो चुका है। यह विश्वविद्यालय स्वयं के भवन में संचालित है। आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले महाराजा महेंद्र प्रताप सिंह के नाम पर अलीगढ़ में विश्वविद्यालय में क्रियाशील हो चुका है। मां शाकंभरी के नाम पर सहारनपुर में विश्वविद्यालय का निर्माण किया है। यह विश्वविद्यालय भी क्रियाशील हो चुका है।

केडी सिंह बाबू के नाम पर बाराबंकी में संग्रहालय बनाएगी प्रदेश सरकार

सीएम योगी ने बताया कि हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर मेरठ में प्रदेश के पहला खेल विश्वविद्यालय का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। साथ किही कई बार भारतीय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले महान खिलाड़ी केडी सिंह बाबू के सम्मान में भी सरकार खड़ी है। केडी सिंह बाबू के बाराबंकी स्थित आवास को लेकर कुछ विवाद हुआ था। न्यायालय ने उनके पैतृक आवास को नीलाम करने का आदेश दिया, लेकिन प्रदेश सरकार ने कहा कि जिन्होंने देश के लिए योगदान दिया है।

प्रदेश में चार नए विश्वविद्यालय बनने की ओर अग्रसर

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बताया कि चार नए विश्वविद्यालय बनने की ओर अग्रसर है। मुरादाबाद में गुरु जंभेश्वर के नाम पर विश्वविद्यालय बनाने जा रहे हैं। सारी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। देवीपाटन मंडल में निजी या सरकारी स्तर पर विश्वविद्यालय नहीं था, वहां मां पाटेश्वरी के नाम पर विवि का निर्माण करने जा रहे हैं। मीरजापुर मंडल में भी विश्वविद्यालय नहीं था। यहां मां विंध्यवासिनी और कुशीनगर में महात्मा बुद्ध के नाम पर कृषि विश्वविद्यालय के निर्माण के कार्यक्रम को हमारी सरकार ने आगे बढ़ाने का कार्य किया है।

राज्य विश्वविद्यालय के अधीन संचालित हो रहा जगदगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय

सीएम योगी ने बताया कि 2001 में जगदगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय चित्रकूट प्रारंभ हुआ था। विश्वविद्यालय के पास आर्थिक संकट था। समय के अनुरूप अपनी गति को बढ़ाने में विवि कठिनाई महसूस कर रहा था। इस विवि को राज्य विश्वविद्यालय के अधीन लेकर सरकार ने दिव्यांगजनों व सामान्य बच्चों के लिए संचालन प्रारंभ कर दिया है। यह राज्य विश्वविद्यालय के रूप में संचालित हो रहा है। हमारी सरकार ने लखनऊ में मेडिकल यूनिवर्सिटी को बनाया है। यह प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज को संबद्ध कर कार्यों को बढा. रही है। गोरखपुर में आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण हो चुका है। वह कार्य बढ़ा रही है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अटल आवासीय विद्यालय के जरिए बीओसी बोर्ड से जुड़े पंजीकृत श्रमिकों व निराश्रित बच्चों के लिए व्यवस्था की गई है। 18 मंडलों में अटल आवासीय विद्यालय है। 57 नए जनपदों में सीएम अभ्युदय विद्यालय के रूप में मॉडल विद्यालय बनाने जा रहे हैं। इसके लिए धनराशि की व्यवस्था की गई है। पहले चरण में जनपद, दूसरे चरण में विधानसभा, तीसरे चरण में विकास खंड व कमिश्नरी स्तर पर इसे लेकर जाएंगे तो शिक्षा क्षेत्र की चिंता दूर होगी। शिक्षा के बिना समाज स्वावलंबन व समृद्धि के मार्ग पर नहीं बढ़ सकता है। अटल आवासीय विद्यालयों के शेष कार्य बढ़ाने के लिए भी अनुपूरक बजट में शेष धनराशि की व्यवस्था की गई है।

सीएमओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेहरावां का किया औचक निरीक्षण

केटी न्यूज / जौनपुर

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 लक्ष्मी सिंह ने गुरुवार को जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेंहरावां का औचक निरीक्षण किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर हाई रिस्क प्रेगनेंसी दिवस एचआरपी डे मनाया जा रहा था। एचआरपी डे के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच एवं उन्हें प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के बारे में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जांच पड़ताल किया। स्वास्थ्य केंद्र पर काफी संख्या में गर्भवती महिलाएं उपस्थित थी। सभी गर्भवती महिलाओं की जांच एवं अन्य आवश्यक दवाइयां इत्यादि दिया जा रहा था। चिकित्सालय पर सभी आवश्यक दवाओं के स्टॉक की पर्याप्त उपलब्धता थी। सामान्य ओपीडी में भी काफी संख्या में मरीज आ रहे थे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर मरीजों की संख्या अच्छी थी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने ओटी के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिया तथा अस्पताल एवं अस्पताल परिसर की साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने के लिए चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिया।

चहनिया पंचायत सदस्यों ने फिर खोला ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ मोर्चा, कार्रवाई की मांग

♦ सैयदराजा विधायक पर भी लगाए गंभीर आरोप

केटी न्यूज / चंदौली

जिले के चहनिया विकासखंड के ब्लॉक प्रमुख अरुण जायसवाल के खिलाफ एक बार फिर क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने मोर्चा खोल दिया है। अपने अविश्वास प्रस्ताव की नोटिस पर जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठकर उचित कार्यवाही की गुहार लगा रहे हैं। हालांकि जिलाधिकारी ने आज रात 12 तक इंतजार करने का निर्देश दिया है, लेकिन क्षेत्र पंचायत सदस्य अपनी मांग पर अड़े हुए हैं और तत्काल इस मामले पर कोई न कोई फैसला चाहते हैं।

जिलाधिकारी ऑफिस में धरने पर बैठे क्षेत्र पंचायत सदस्यों और उनके प्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी के साथ-साथ सैयदराजा के भारतीय जनता पार्टी के विधायक सुशील सिंह पर भी गंभीर आरोप लगाए और कहा कि पूरा जिला प्रशासन सैयदराजा के भाजपा विधायक सुशील सिंह के इशारे पर नाच रहा है और उन्हीं के निर्देश पर सारा कार्य हो रहा है। भाजपा विधायक के दबाव में नियम के अनुसार कार्यवाही नहीं की जा रही है और हमारे अविश्वास प्रस्ताव को खारिज करने की कोशिश की जा रही है। इस दौरान मौके पर बैठे क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने कहा कि अगर जिलाधिकारी आज इस पर कोई फैसला नहीं करते हैं, तो वह सामूहिक इस्तीफा देने को विवश होंगे या वह सामूहिक आत्महत्या की कोशिश करेंगे। नाराज लोगों का कहना था कि रोज-रोज घुट-घुट कर मरने और धमकी सुनते से अच्छा है कि एक ही दिन सारे लोग मर जाएं।

फेफना स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर दिया धरना

फेफना। फेफना जंक्शन रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं होने का मामला धीरे-धीरे गरमाता जा रहा है। गुरुवार को क्षेत्रीय संघर्ष समिति के तत्वावधान में सैकड़ो लोग रेलवे स्टेशन पर धरना प्रदर्शन करने पहुंचे। जहां आरपीएफ तथा जीआरपी के प्रभारियों ने आंदोलनकारियों को स्टेशन पर जाने से रोक दिया। इसके बाद आंदोलनकारी प्लेटफार्म संख्या एक के बगल में टेंट लगाकर धरना पर बैठ गए। धरना स्थल पर पहुंचे डिविजन कामर्शियल इंचार्ज राजेंद्र शर्मा को ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर जनार्दन सिंह, प्रभुनाथ पहलवान, परमहंस सिंह, भरत राम आदि मौजूद थे।

सिकरारा थाना क्षेत्र के खपरहां के व्यापारी कुंवर चन्द गुप्ता के ऊपर जानलेवा हमला

खपरहां व्यापारी से रंगदारी मामले में एसपी से मिले व्यापारी नेता

♦ व्यापारी नेता ने कहा— मामले का खुलासा करते हुए बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए

♦ व्यापारियों का पत्रक लेते हुए एसपी ने शीघ्र ही मामले का खुलासा का दिया आश्वासन

केटी न्यूज / जौनपुर

सिकरारा थाना क्षेत्र के खपरहां के व्यापारी कुंवर चन्द गुप्ता के ऊपर जानलेवा हमला एवं रंगदारी मांगे जाने को लेकर व्यापारी नेता श्रवण जायसवाल गुरूवार को पुलिस अधीक्षक डा. अजय पाल शर्मा से मिले। इस दौरान व्यापारी नेता ने एक पत्रक सौंपते हुये इसको गम्भीरता से लेते हुये कार्यवाही की मांग किया जिस पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शीघ्र ही इस मामले का पदार्फाश किया जायेगा। पत्रक के माध्यम से श्री जायसवाल ने कहा कि बीते 25 जुलाई को खपरहां बाजार निवासी कुंवर चन्द गुप्ता को निशाना बनाते हुये हौंसला बुलन्द बदमाशों ने 4 फायर किया था जिसका मुकदमा सिकरारा थाने में दर्ज तो है लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई। ऐसे में फोन करके 50 लाख रुपए की रंगदारी भी मांग ली गयी जिससे व्यापारी सहित पूरा परिवार एवं क्षेत्रवासी दहशत में आ गये। इसको लेकर व्यापारी नेता श्री जायसवाल अपने प्रतिनिधिमण्डल के साथ पुलिस अधीक्षक से मिलकर उन्हें पत्रक सौंपे। साथ ही चेतावनी दिया कि यदि शीघ्र ही इस प्रकरण सहित आये दिन हो रही व्यापारियों पर अत्याचार बन्द नहीं हुआ तो पूरा व्यापारी समाज सड़क पर उतर जायेगा। फिलहाल पुलिस अधीक्षक ने आश्वस्त किया कि शीघ्र ही इस प्रकरण का खुलासा करते हुये बदमाशों को जेल भेजा जायेगा। साथ ही कुंवर चन्द गुप्ता सहित किसी भी व्यापारी के साथ पूरा पुलिस प्रशासन खड़ा है। पुलिस अधीक्षक से मिलने के दौरान व्यापारी नेता श्रवण जायसवाल के साथ अमरचन्द्र गुप्ता, रामजश यादव, विश्वनाथ गुप्ता, सिकन्दर यादव, प्रकाश गुप्ता, सुबाष चौरसिया, चन्दन गुप्ता, राजकमार, पवन, राजन, नीरज गुप्ता, महेन्द्र गुप्ता, गणेश कुमार, अशोक कुमार, प्रदीप कुमार, जयहिन्द यादव, रिंकू, विशाल, प्रमोद कुमार, संतोष कुमार सहित तमाम व्यापारी मौजूद रहे।

सुभाषितम्

अवसर सूर्य उदय की तरह होते है यदि आप ज्यादा देर प्रतीक्षा करेंगे तो आप उन्हें गवा देंगे। -अज्ञात

भारत में भी हिंसक होने लगे हैं छोटे-छोटे बच्चे

बिहार के सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज में सेंट जॉन बोर्डिंग स्कूल में एलकेजी के छात्र ने अपने से बड़े छात्र को पिस्तौल की गोली से स्कूल में मारने की घटना सामने आई है। बच्चा छोटा था, पिस्तौल से जब गोली चलाई, उसे झटका लगा। जिसके कारण जिस बच्चे को गोली मारी गई थी, निशाना चूकने के कारण उसके हाथ में गोली लगी। जिसके कारण बच्चे की जान बच गई। गोली मारने वाला बच्चा 8 साल का था। जिसे गोली मारी गई, उसकी उम्र 12 साल की थी। बोर्डिंग स्कूल में यह घटना घटी। जिस छात्र ने गोली चलाई थी। वह अपने घर से स्कूल बैग में पिस्तौल रखकर लाया था। यह घटना भारत की सामाजिक व्यवस्था मे छोटे-छोटे बच्चों के हिंसक विचार ओर उनके मनोभाव को देखने की है। छोटे-छोटे बच्चे इतने हिंसक क्यों हो रहे हैं। इस तरह की घटनाएं अमेरिका जैसे देशों में देखने और सुनने में आती थीं। अब यह घटनाएं भारत में भी होने लगी हैं। यह चिंता का सबसे बड़ा कारण है। पिछले कुछ वर्षों से ऑन लाइन वीडियो गेम का प्रचलन बड़ी तेजी के साथ भारत में बढ़ा है। वीडियो में बच्चों को हथियार के साथ खेलते हुए और एक दूसरे के साथ मारामारी करते हुए गेम बने हुए हैं। छोटे-छोटे बच्चे गेम देखते हुए दूध पीते हैं। नाश्ता करते हैं, और खाते-पीते हैं। यदि इन्हें मोबाइल या टीवी पर वीडियो गेम नहीं दिखाया जाए, तो यह घर पर आक्रामक हो जाते हैं। बच्चे अपनी नाराजी को माता-पिता और भाई बहनों के साथ तरह-तरह से प्रकट करते हैं। संयुक्त परिवार खत्म हो गए हैं। माता-पिता अपने बच्चों को अब किस्से कहानी नहीं सुनाते हैं, उनके पास इसके लिए समय ही नहीं है। ऐसी स्थिति में वह अपने बच्चों को टीवी और वीडियो गेम को दिखाना शुरू कर देते हैं। बच्चे अकेले रहते हैं। इसलिए भी उनकी सोच और दुनिया बदलती जा रही है। भारत के टेलीविजन चैनल भी हिंसा को फैलाने में बड़ा योगदान दे रहे हैं। हिंदू-मुस्लिम, धार्मिक एवं सामाजिक भेदभाव की हिंसक घटनाओं का जिस तरह से चित्रण नेशनल टेलीविजन चैनल कर रहे हैं, उससे बच्चों के दिमाग में हिंसा फैल रही है। कहा जाता है, छोटी उम्र के बच्चे बड़े संवेदनशील होते हैं। वह जो अपने आसपास देखते ओर सुनते हैं। इसका उनके ऊपर गहरा असर होता है। पहले बच्चों को दादा-दादी, नाना-नानी, माता-पिता बड़े भाई-बहन अच्छी-अच्छी साहसिक एवं ज्ञानवर्धक कहानियाँ सुनाते थे। सामाजिक सद्भाव के साथ रिश्तों से जुड़ने की सीख देते थे। इसका बड़ा असर बच्चों पर संस्कार के रूप में होता था। डिजिटल इंडिया के इस दौर में बच्चों के लिए जिस तरह से हिंसक वीडियो तैयार किये जा रहे हैं। खिलौने के रूप में मिले हथियार से बच्चे खेल रहे हैं। घर और बाहर वह नफरत का वातावरण और हर तरफ हिंसा ही हिंसा बच्चों को दिखती है। इस हिंसा का असर छोटे-छोटे बच्चों पर कई तरह से पड़ रहा है। बिहार के स्कूल में 8 साल के बच्चे ने अपने से 4 साल बड़े बच्चे को गोली मारकर इसका असर दिखा दिया है। भारत में अभी तक इस तरह की घटनाएं नहीं होती थीं। अब इस तरह की घटनाएं भारत में भी होने लगी हैं, तो यह चिंता का विषय है। अमेरिका जैसे देश में खुलेआम हथियारों की बिक्री होती है। हर घर में हथियार उपलब्ध होते हैं। अमेरिका जैसे देश में सुरक्षा की दृष्टि से हथियार रखना जरूरी होता है। भारत में हथियार बिना लाइसेंस के उपलब्ध नहीं होते हैं। सरकार और प्रशासन लाइसेंस पूरी जांच करने के बाद ही देते हैं। भारत में पिछले कई वर्षों से अवैध हथियारों की बिक्री बड़ी तेजी के साथ हो रही है। भारत के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर अवैध रूप से हथियार बनाकर बेचे जाते हैं। बहुत कम कीमत पर अवैध हथियार आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। इस छोटे बच्चे के पास किस तरह से रिवाल्वर आई, कैसे यह छात्र इतना हिंसक हो गया, इसकी जांच केवल आपराधिक कार्रवाई की तरह नहीं होनी चाहिए। छोटे-छोटे बच्चों पर किस तरह से हिंसा घर कर रही है।

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का प्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस प्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था।प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है।यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है। कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है। वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है।इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है। लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है। पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व। व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है।उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं। क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है।जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है। जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है। जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है। उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा। प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

क्यों हो रहा रेल परिचालन फेल?

- निर्मल रानी

गत 30 जुलाई को सुबह सुबह करीब पौने चार बजे एक और रेल हादसा दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर डिवीजन के तहत पेश आया। झारखंड के जमशेदपुर से 80 किलोमीटर दूर सरायकेला-खरसावां ज़िले में बंबू नामक स्थान पर मुंबई-हावड़ा मेल के 18 डिब्बे पटरी से उतर गए। इस हादसे में दो रेल यात्रियों की मौत हो गयी व 20 से अधिक लोगों के घायल होने का समाचार है। पूर्व में हो रहे अन्य रेल हादसों की ही तरह इस रेल दुर्घटना की भी जांच के आदेश दे दिए गये हैं। यह भी खबर है कि इसी दुर्घटनास्थल के पास में ही एक मालगाड़ी भी पटरी से उतर गई थी। लेकिन अभी यह साफ नहीं है कि क्या इन दोनों ट्रेंस की दुर्घटनाएं एक साथ हुई थीं या आगे पीछे। बुलेट ट्रेन की दुनिया में प्रवेश करने व विश्व की आधुनिकतम रेल सेवाओं का दावा करने वाली भारतीय रेल को गत 13 दिनों के भीतर ही 7 रेल दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ा है। निश्चित रूप से इस तरह से आए दिन हो रही रेल दुर्घटनाएँ बेहद चिंता का विषय हैं। जाहिर है इस तरह की लगातार होने वाली दुर्घटनाओं के बाद यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या सरकार रेल संचालन में

सुरक्षा व्यवस्था के लिये किये जाने वाले जरूरी कदम उठा भी रही है अथवा नहीं ? लगातार हो रहे इतने हादसों के बाद रेल यात्रियों में भारतीय रेल व्यवस्था के प्रति असुरक्षा व अनिश्चितता का भाव पैदा होना भी स्वाभाविक है।

झारखण्ड में गत मंगलवार की अलस सुबह हुये मुंबई-हावड़ा मेल के हादसे से एक ही दिन पहले 29 जुलाई को समस्तीपुर-मुजफ़्फ़रपुर रेलखंड पर दरभंगा से दिल्ली जा रही 12565 बिहार संपर्क क्रांति सुपरफास्ट ट्रेन, कपलिंग टूटने के कारण दो हिस्सों में बंट गई थी। इस रूट पर आ रही अन्य ट्रेन्स को तत्काल रोकने का आदेश दिया गया ताकि किसी बड़े हादसे को टाला जा सके। उससे पहले 21 जुलाई को दो ट्रेन हादसे हुये। पहला ट्रेन हादसा राजस्थान के अलवर में हुआ जहां यार्ड से निकली मालगाड़ी के तीन डिब्बे पलट गये। इसके कारण अलवर मथुरा ट्रैक बाधित हुआ। दूसरा हादसा 21 जुलाई को ही पश्चिम बंगाल के रानाघाट में हुआ। यहाँ भी एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई है। इस हादसे के कारण भी इस रेल मार्ग पर ट्रेनों का आवागमन प्रभावित हुआ है। और इसके एक दिन पूर्व यानी 20 जुलाई को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद -मुरादाबाद सेक्शन के बीच अमरोहा में कंटेनर से भरी ट्रेन के 6 डिब्बे पटरी से उतर गए। इसके कारण दिल ?ली-लखनऊ रेलवे लाइन की दोनों लाइनें बंद करनी पड़ींऔर दोनों और का रेल यातायात प्रभावित हुआ। इसी तरह 19 जुलाई को गुजरात के वलसाड-सूरत स्टेशन के बीच एक मालगाड़ी का डिब्बा पटरी से उतर गया। डुंगरी स्टेशन के पास हुई इस घटना के कारण इस रेल मार्ग पर भी यातायात प्रभावित हुआ। इत्तेफाक से मुंबई-अहमदाबाद ट्रंक रूट पर यह दुर्घटना उस समय हुई थी जबकि केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पश्चिमी रेलवे मुख्यालय में रेलवे सुरक्षा सहित रेल संबंधी अन्य विषयों का निरीक्षण कर रहे थे। इस दुर्घटना से भी एक दिन पूर्व अर्थात 18 जुलाई को उत्तर प्रदेश के गोंडा में एक बड़ा रेल हादसा हुआ जबकि गोरखपुर जा रही चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस की 17 बोगियां बेपटरी हो गयीं। परिणामस्वरूप 5 बोगियां पलट गईं। इस दुर्घटना में 4 यात्री की मौत हो गई थी और दर्जनों घायल हो गए थे। मात्र जून और जुलाई 2024 में हुई केवल तीन दुर्घटना में कुल मिलाकर 17 यात्रियों की जान चली गई और 100 लोग घायल हो गए।

इसके अलावा भी गत एक वर्ष के ही दौरान कई भीषण रेल दुर्घटनाएं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के ही कार्यकाल में होती रही हैं। परन्तु इस बार राजग 3 के कार्यकाल में भी अश्विनी वैष्णव को ही रेल मंत्रालय का जिम्मा सौंपने का सीधा अर्थ है कि प्रधानमंत्री, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिछले कार्यकाल की उनकी कारगुजारियों से संतुष्ट थे। जबकि हक ीकत यह है कि अश्विनी वैष्णव के कार्यकाल में रेल यात्रियों को सुख सुविधा मिलने के बजाये उन की परेशानियों में इजाफा ही हुआ है। आये दिन होने वाली छोटी बड़ी दुर्घटनाओं को केवल जान व माल की क्षति के आधार पर ही आंकना काफी नहीं है। बल्कि दुर्घटनास्थल पर होने वाले व्यवधान के चलते जो मार्ग परिवर्तन किये जाते हैं और उसके कारण जिन लाखों यात्रियों को परशानियों व नुकसान का सामना करना पड़ता है, भारी राजस्व की क्षति होती है, उसका तो कोई आंकड़ा ही नहीं होता। जिन देशों में भारत का डंका बजना प्रचारित किया जाता है वहाँ जब इन आये दिन होने वाली दुर्घटनाओं की खबर प्रसारित होती होगी तो भारतीय रेल व्यवस्था का कैसा डंका बजता होगा, सरकार ने कभी इस बारे में भी सोचा है ?

इन हादसों से रेल यात्रियों को होने वाली परेशानी के अलावा भी रेल मंत्रालय की अनेक नीतियों के चलते भी इन दिनों रेल यात्रा करना बेहद मुश्किल हो गया है। देश की अनेक ट्रेन्स में ए सी कोच की संख्या बढ़ाकर सामान्य कोच की संख्या घटा दी गयी है। कई इंटरसिटी गाड़ियों में बिना जरुरत के स्लीपर कोच लगाये गए हैं और उनमें भी सामान्य कोच की संख्या घटा दी गयी है। उदाहरणार्थ 14712 /11 नंबर की गंगानगर - ऋषिकेश -गंगानगर एक्सप्रेस ट्रेन को समाप्त कर उसकी जगह 14815 /16 बाड़मेर -ऋषिकेष एक्सप्रेस के नाम से उसी समय सारिणी के अनुसार एक ट्रेन चलाई गयी है जिसमें आधे कोच ए सी के हैं और आधे स्लीपर श्रेणी के।और केवल 2 -2 डिब्बे आगे पीछे सामान्य श्रेणी के हैं। आजकल चल रही कांवड़ यात्रा के दौरान राजस्थान -पंजाब - हरियाणा व उत्तर प्रदेश के तमाम कांवड़ भक्त इसी 14712 /11से हरिद्वार -ऋषिकेश जाते थे पूरी ट्रेन सामान्य होने के बाद भी इसमें पैर रखने की जगह नहीं होती थी। जरा सोचिये अब जबकि लगभग पूरी 14815 /16 बाड़मेर -ऋषिकेष एक्सप्रेस ए सी व स्लीपर क्लास है तो सामान्य श्रेणी के यात्रियों पर क्या गुजर रही होगी। कांवड़ियों के साथ आम यात्रियों को कितनी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा होगा ? और यदि यह सामान्य यात्री जगह न मिलने की सूरत में ए सी व स्लीपर क्लास में जाते हैं तो आरक्षण यात्रियों को भी असुविधा होती है। टिकट निरीक्षक पैसों की वसूली करते हैं और यात्रियों को अपमान भी सहना पड़ता है।

हाँ इतना जरूर है कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को भले ही वंदे भारत को हरी झंडी दिखाने की या पुराने रेल स्टेशंस के नवीनीकरण तक की भी इजाजत नहीं परन्तु उन्होंने अपने मंत्रालय के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रचार प्रसार करने और उनके एजेंडे के अनुसार काम करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी। वे प्रधानमंत्री को खुश करने में इतना व्यस्त है कि शायद उन्हें इस बात की फिक्र ही नहीं कि आखिर रेल परिचालन क्यों फेल हो रहा है ?

केरल का भूस्खलन प्राकृतिक आपदा या मानवीय दुस्साहस का परिणाम?

- डॉ हिदायत अहमद खान

प्रकृति से छेड़छाड़ मानव-समाज के लिए सदा ही भारी पड़ी है। इसलिए विश्व को सुखी देखने की मंशा रखने वाले हमेशा से ही यह संदेश देश और दुनिया को देते आ रहे हैं कि प्रकृति का दोहन करें, लेकिन इतना नहीं कि प्रकृति खुद संतुलन बनाने के लिए बाध्य हो जाए। ऐसे में केरल के वायनाड में हुए भीषण भूस्खलन का असली जिम्मेदार कौन हो सकता है? इसे महज प्राकृतिक आपदा मानना एक और बड़ी भूल होगी? दरअसल देखना होगा कि इस प्राकृतिक आपदा होने से पहले आपदाग्रस्त इलाके में वर्षों से होता क्या आ रहा था। इस सवाल का भी जवाब तलाशा जाना चाहिए कि जहां भूस्खलन हुआ और करीब 250 से ज्यादा लोगों की असमय दर्दनाक मौत हुई क्या वहां वाकई बस्तियां बसाई जा सकतीं थीं? भू-विज्ञानियों की मानें तो यह क्षेत्र लैंडस्लाइड जोन का हिस्सा रहा है और इसमें भविष्य में और खतरे उत्पन्न होने की आशंकाएं आम थीं। बाबजूद इसके चंद चांदी के टुकड़े बटोरने और लोगों को भ्रम में रखने वालों ने मिलकर बस्तियां बसाने का जो दुस्साहस दिखाया उसका भयानक परिणाम देश और दुनियां ने देख लिया है। जरा मस्तिष्क में जोर डालें और खुद से सवाल करें कि केरल में हुए भीषण भूस्खलन के लिए असली जिम्?मेदार कौन हो सकता है? क?या वाकई इसे प्राकृतिक आपदा मान और सरकारी आंकड़ों के लिहाज से मौत और मुआवजा का आंकलन कर चंद लोगों की जिम्मेदारी तय कर देने से समस्या का

हमेशा के लिए समाधान निकल आएगा? आप स्वयं से विचार करें और बताएं कि क्या इस भयानक प्राकृतिक आपदा को निमंत्रण देकर ढाई सौ से अधिक लोगों को कालकलवित करवाने में आज के अतिभौतिक सुख भोगने की आकांक्षा रखने वाले मानव का हाथ नहीं है? यह एकमात्र सवाल उन तमाम सवालों पर भारी पड़ जाता है, जो शासन-प्रशासन को लेकर उठाए जाते हैं और चंद दिनों में, चंद लोगों को जिम्मेदार ठहराकर लाल रंग के बस्ते में बंद कर दिए जाते हैं। इसका अलग से आंकलन और विश्लेषण इसलिए जरुरी है, क्योंकि वायनाड में जिन जगहों पर भूस्खलन हुआ है वहां मानव जनित बस्तियों का होना अपने आप में गंभीर सवाल है। यह पूरा इलाका लैंडस्लाइड जोन वाला बताया गया है, बावजूद इसके वायनाड में पिछले दो दशक से पर्यटन को बढ़ावा देने कथित खूबसूरती को और खूबसूरत बनाने और उससे पैसा बनाने के लिए जिस तरह से पहाड़ों की कटाई-छटाई करते हुए अंधाधुंध निर्माण कार्य किए गए, उसने प्रकृति को संतुलन बनाने के लिए मजबूर कर दिया। यह तय है कि जब प्रकृति संतुलन बनाती है तो बहुत बेदर्दी के साथ चक्की के दो पाटों के बीच मनुष्य और तमाम जीव-जंतु घुन की तरह पिसते चले जाते हैं। वायनाड भूस्खलन इसका बहुत ही छोटा नमूना है, जिससे न सिर्फ सबक लेने की जरुरत है बल्कि ऐसा आगे न हो अतः भौतिक सुखों से इतर प्रकृतिस्थ हो जाने का रास्ता खोजने का भी समय है। जहां प्रकृति के विपरीत मानवजनित निर्माण कार्य किए गए और इकॉसिस्टम को बिगाड़ने जैसा काम किया गया, वहां प्राकृतिक आपदा आई है। वायनाड की भीषण त्रासदी के बाद जब मामला स्थानीय पुलिस और फायर फोर्स से सम्भाला नहीं जा सका तो सेना, वायुसेना, नौसेना, एनडीआरएफ जैसी तमाम एजेंसियों की टीमों को राहत व बचाव कार्य में लगा दिया गया। सकारात्मकता के साथ दुर्गम इलाके में मानव निर्मित पुल तैयार कर करीब 1000 लोगों को बचा भी लिया गया। गौरतलब है कि वायनाड के चूरलपारा में मंगलवार 30 जुलाई को भीषण भूस्खलन हुआ था। चूंकि भूस्खलन मध्यरात्रि करीब 2 बजे हुआ और घटना स्थल पूरी तरह से कट गया, इससे इसकी भीषणता बढ़ गई। इस दुर्घटना में सबसे ज्यादा प्रभावित चूरलमाला, वेल्लारीमाला, मुंडकाईल और पोथुकालू क्षेत्रों को शामिल किया गया हैं। इन इलाकों में रहने वाले कुछ ऐसे लोग जो इस प्राकृतिक आपदा से किसी तरह बच निकलने में सफल रहे, वो भी तबाही की भयावहता से बुरी तरह टूट गए हैं। ऐसा नहीं है कि इन्हें मदद नहीं पहुंचाई जा रही है या दिलासा देने वालों की कमी है, लेकिन जिन्होंने अपना सब-कुछ खो दिया उसे खुद को समझाना बहुत मुश्किल होता है। ऐसे लोगों को समय रहते ज्यादा से ज्यादा मदद और मानवीय सहायता दी जानी चाहिए। ताकि प्राकृतिक आपदा के दर्द को कुछ कम किया जा सके। वैसे यह भी हकीकत के तौर पर कहा जा रहा है कि यदि शासन-प्रशासन ने केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) की 2020 में दाखिल की गई सिफारिशों को मान लिया होता तो शायद इस आपदा से काफी कुछ लोगों को बचाया जा सकता था। सवाल वही कि इससे पहले ही क्यों नहीं जागा गया और मौत के मुंह में हजारों लोगों को बसाने का काम तभी बंद क्यों नहीं कर दिया गया? संभवतः तब इतने अधिक लोगों की निरीह जानें नहीं गई होतीं। बताया जाता है कि राज्य के राजस्व विभाग को पश्चिमी घाट के पूर्वी ढलान वाले करीब चार हजार परिवारों को फौरीतौर पर जगह खाली करने के निर्देश देने के लिए चेतावनी भरी समझाइश भी दी गई थी। चूंकि पूरा क्षेत्र ही लैंडस्?लाइड जोन में आता है, अतः यह सावधानी तो अवश्य ही ली जानी चाहिए थी, लेकिन सब कहे-सुने को नजरअंदाज करने का परिणाम देश और दुनियां के सामने है। इसे यूं ही प्राकृतिक आपदा कहकर हल्के में नहीं लिया जा सकता, बल्कि जिम्मेदारी तय कर तमाम दोषियों को कानून के दायरे में लाना भी आगामी हादसों को रोकने में एक आवश्यक कदम साबित हो सकता है।

सियासी ओलम्पिक में हम सबसे आगे

- राकेश अचल

`मुझे पेरिस में हो रहे ओलम्पिक खेलों में भारत की उपलब्धियों पर लिखना चाहिए,लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा,क्योंकि इस समय देश में संसद के भीतर और बाहर जिस तरह का सियासी ओलम्पिक चल रहा है उसे देखकर देशवासी दांतों तले उँगलियाँ दबाने को विवश हैं। सियासी ओलम्पिक में लाशों पर राजनीति है,गलियों पर राजनीति है और तो और राजनीति में भी राजनीति है। फर्क एक ही है कि पेरिस ओलम्पिक में दुनिया के खिलाड़ी अपने-अपने देश का नाम ऊंचा करने के लिए खेल रहे हैं जबकि सियासी ओलम्पिक में हम देश का नाम डुबोने के लिए खेल रहे हैं। दुर्भाग्य ये कि ये खेल लगातार जारी है। पूरे दस साल से जारी है। देश की संसद में वायनाड की त्रासदी गूंजी ,लेकिन वहां भी सियासत त्रासदी पर हावी रही । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपने शाही अंदाज में कहा कि केरल सरकार ने बाढ़ की पूर्व सूचना की अनदेखी की ,इस वजह से इतना बड़ा हादसा हुआ। सरकार ने बड़ी दरियादिली से कहा कि हम पीड़ितों के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं,लेकिन ये चट्टान केरल सरकार की इतनी मदद कर रही है ,ये कोई नहीं जानता। वायनाड में मरने वालों की संख्या 250 को पार कर गयी है। केरल के मुख्यमंत्री ने अमित शाह के बयान को ब्लैक गेम कहा है। जाहिर है कि सियासत को लाशें ही अच्छी लगतीं हैं। देश की राजधानी दिल्ली में अभी हाल ही में एक तलघर में पानी भरने से संघ लोकसेवा आयोग की परीक्षाओं की तैयारी कर रहे 3 युवक-युवतियों की मौत हो गयी थी,कल फिर एक माँ-बेटे को बाढ़ का पानी लील गया। वायनाड तो दिल्ली से दूर है लेकिन जब दिल्ली में ही बाढ़ और वर्षा की पूर्व सूचनाओं के बावजूद जान-माल महफूज नहीं है तो किसे क्या कहा जाये ? देश सरकार के नहीं, राम के भरोसे चल रहा है। राम के भरोसे इसलिए चल रहा है क्योंकि सत्ता पर रामभक्त काबिज है। उनसे खुद नहीं चला जा रहा । वे बैशाखियाँ लगाकर चलने और देश को चलाने की कोशिश कर रहे हैं। जब मै सियासी ओलम्पिक की बात करता हूँ तो पूरी ईमानदारी से करता हूँ ,क्योंकि मै आम आदमी के मन की बात करता हूँ। देश की संसद में इन दिनों जाति की सियासत चल रही है । सत्तारूढ़ दल के एक पूर्व मंत्री ने जब लोकसभा में विपक्ष के नेता को लक्ष्य कर कहा कि- जिन लोगों को अपनी जाति का पता नहीं है ,वे जातीय जनगणना की बात करते हैं। सवाल करने वाले सज्जन अनुराग ठाकुर है। उनके पिता हिमाहल के मुख्यमंत्री रह चुके हैं ,मै अनुराग को सज्जन इसलिए कहता हूँ क्योंकि उनके मुखारबिंद से सज्जनता मोतियों की तरह टपकती है । वे संसद में अपने संसदीय शब्दकोश का मुजाहिरा करने से पहले दिल्ली की सड़कों पर गोली मारो सालों को का आव्हान भी कर चुके हैं। अनुराग यदि सज्जन न होते तो क्या मुमकिन था कि देश का प्रधानमंत्री अनुराग के जाति ही पूछो वाले बयान को अपने एक्स खाते पर दर्ज कर देश की जनता से कहते कि बार-बार देखो,हजार बार देखो ,क्योंकि देखने की चीज है अनुराग का बयान। प्रधानमंत्री जी ने हद तो तब कर दी जब उन्होंने ठाकुर के बयान के उस हिस्से को निर्भय होकर उद्धृत कर दिया जिसे लोकसभा की कार्रवाई से निकाला जा चुका है। यानि ये सीधे-सीधे लोकसभा के विशेषाधिकार हनन का मामला है।

आज का राशिफल

मेष — आज दिन करियर के मामले में लाभ से भरा होगा। आपको आस-पास की यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

तुला — आज करियर के मामले में लाभ होगा। किसी भी मामले में फैसला जल्दबाजी में न करें।

वृषभ — आज दिन लाभ और सम्मान से भरा होगा। आपका मन संतोष देने वाला रहेगा।

वृश्चिक — आज दिन सफलता से भरा होगा और आपकी साथियों के बीच लोकप्रियता बढ़ेगी।

मिथुन — आपके सुख में वृद्धि होगी और कार्य सरलता से पूर्ण करेंगे। व्यर्थ के कार्यों में समय बर्बाद न करें।

धनु — आज आपके लिए लाभ के जबर्दस्त योग बन रहे हैं। आपके विरोधी परास्त होंगे।

कर्क — आपको सफलता प्राप्त होगी और पराक्रम में वृद्धि होने से करियर के मामले में लाभ होगा।

मकर — आज लाभ का दिन है और आपको कहीं से उपहार व सम्मान का लाभ मिल सकता है।

सिंह — सांसारिक सुख भोग, सम्मान वृद्धि, भाग्य विकास के शुभ योग आपके लिए बन रहे हैं।

कुंभ — आज संतान पक्ष से हर्ष होगा और आपको बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होगी।

कन्या — आज करियर में लाभ होने के योग हैं और आपको लाभ होगा। आप चिंतित रहेंगे।

मीन — करियर में लाभ होगा और सम्मान में वृद्धि के योग बने हैं। आपकी सुबह से ही भागदौड़ रहेगी।

विशेष

संघ क्यों नहीं मना रहा स्थापना के 100 वर्ष का महोत्सव

1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे हो जाएंगे। केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। माना जा रहा था, संघ अपने 100 साल का महोत्सव पूरे धूमधाम से देश भर में मनाएगा। लेकिन संघ ने महोत्सव मनाने से मना कर दिया है। ऐसा क्यों हुआ, इसको लेकर तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। यह कहा जा रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत के बीच दूरियां बन गई हैं। दोनों में आपस में बात भी नहीं होती है।ऐसी स्थिति में संघ अब सरकार के भरोसे कोई कार्यक्रम नहीं करना चाहता है। यह नाराजी संघ ने 100 वर्ष का कार्यक्रम नहीं मनाकर,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कड़े तेवर के साथ बता दी है।

फंसे लोकसभा अध्यक्ष

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला इस बार बुरी तरीके से फंस गए हैं।कांग्रेस 99 सीटों के साथ लोकसभा चुनाव जीती। विपक्ष की संख्या भी 240 से ज्यादा है। चाहे- अनचाहे राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष बनाना पड़ा। राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन ने जिस तरह से सत्ता पक्ष के साथ-साथ आसंदी को घेरना शुरू किया है।अभी तक आसंदी, सत्ता पक्ष के बचाव में खड़ी रहती थी।सत्ता पक्ष कुछ भी कहता था। आसंदी से रोक टोक नहीं होती थी।विपक्ष ने सत्तापक्ष को आधार बनाकर आसंदी पर भी हमला करने लगे हैं। पश्चिम बंगाल के सांसद अभिषेक बनर्जी ने तो सदन के अंदर कमाल कर दिया।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1589: फ्रांस नरेश हेनरी तृतीय की हत्या हुई. 1637: डचों ने गोल्ड कोस्ट से पुर्तगालियों को निष्कासित कर दिया. 1763: मुर्शिदाबाद पर कब्जा करने के बाद ब्रिटिश 'फोजों ने गिरिया की लड़ाई में मीर कासिम को शिकस्त दी. 1830: फ्रांस नरेश चार्ल्स दशम ने गद्दी छोड़ दी. 1858: ब्रिटिश संसद ने ईस्ट इंडिया कंपनी से शासन राजशाही के हाथ सौंपने का विधेयक पारित किया. 1934: जर्मनी के राष्ट्रपति पाल वान हिंडनबर्ग का निधन हुआ जिसके बाद हिटलर तानाशाह बन बैठा. 1939: वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने अमरीका से परमाणु अनुसंधान शुरू करने का आग्रह किया. 1963: अमरीका ने दक्षिण अफ्रीका का रंगभेदी नीति के विरोध में हथियारों की आपूर्ति रोकने की घोषणा की. 1987: भारत के विश्वनाथ आनंद विश्व जूनियर शतरंज चैम्पियनशिप जीतने वाले प्रथम एशियाई बने.

दैनिक पंचांग

02 अगस्त 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

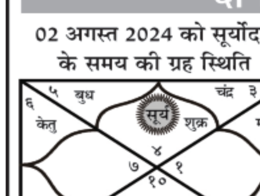

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.38 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कन्या	08.50 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	11.01 बजे से
बुध	सिंह में	वृश्चिक	13.15 ब.से
गुरु	वृष में	धनु	15.31 बजे से
शुक्र	कर्क में	मकर	17.36 बजे से
शनि	कुंभ में	कुंभ	19.23 बजे से
राहु	मीन में	मीन	20.56 बजे से
केतु	कन्या में	मेष	22.26 बजे से
		वृष	00.06 बजे से
		मिथुन	02.04 बजे से
		कर्क	04.18 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2024 वर्ष का 215 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 15.27 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 10.59 बजे को समाप्त। **योग** हर्षण 11.45 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 15.27 बजे तदनन्तर विष्टि 03.36 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.0 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 17° 41'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872059
जूलियन दिन 2460524.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना मोहर्रम **तारीख** 26
विशेष श्रावण शिवरात्रि, शिव चतुर्दशी व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नी ऑस्टियोआर्थराइटिस के लक्षण महिलाओं में ज्यादा गंभीर!

एक शोध में यह बात सामने आई है कि किसी व्यक्ति के नी कैप का बिगड़ता आकार ऑस्टियोआर्थराइटिस बीमारी का संकेत हो सकता है। ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी (एएनयू) के शोधकर्ताओं ने महिलाओं और पुरुषों के नी कैप आकार के अंतर को लेकर एक अध्ययन किया। पाया कि पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में नी ऑस्टियोआर्थराइटिस के लक्षण ज्यादा गंभीर होते हैं। टीम ने स्वस्थ व्यक्तियों और घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी का इंतजार कर रहे मरीजों के घुटनों का विश्लेषण करने के लिए सीटी स्कैन का उपयोग किया। उन्होंने घुटनों के 3डी मॉडल बनाने और सतहों के आकार को मापने के लिए उन्नत छवि विश्लेषण तकनीकों का उपयोग किया।

शोध में लैंगिक आधार पर घुटने की सतह के आकार में कोई स्पष्ट अंतर नहीं पाया गया, लेकिन यह जरूर पता चला कि ऑस्टियोआर्थराइटिस पीड़ितों के नीकैप सतह का आकार भिन्न था। एएनयू की एसोसिएट प्रोफेसर लॉरा विल्सन के नेतृत्व वाली टीम ने ये भी बताया कि रोग की गंभीरता बढ़ने के साथ ये अंतर और अधिक स्पष्ट होने लगे। उन्होंने निष्कर्षों की अप्रत्याशित प्रकृति पर ध्यान दिया, जिसमें बताया गया कि ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसे-जैसे बढ़ता है वैसे-वैसे नीकैप बदलाव अन्य जोड़ों की सतह पर अलग-अलग देखने को मिलता है। अध्ययन ऑस्टियोआर्थराइटिस और कार्टिलेज पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ता अब यह जांचने पर विचार कर रहे हैं कि क्या ये आकार में अंतर बीमारी के शुरुआती दौर में दिखने शुरू हो जाते हैं। यदि इन परिवर्तनों की प्रारंभिक शुरुआत की पुष्टि की जा सके, तो घुटने की आकृति को संभावित रूप से रोग निवारण मॉडल में एकीकृत किया जा सकता है, जिससे घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों की प्रारंभिक पहचान में सहायता मिलेगी।

ऑटिज़्म क्या है, ऑटिज़्म के प्रकार, ऑटिज़्म के लक्षण

ऑटिज़्म को मेडिकल भाषा में ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर कहते हैं। यह एक विकास संबंधी गड़बड़ी है जिससे पीड़ित व्यक्ति को बातचीत करने में, पढ़ने-लिखने में और समाज में मेलजोल बनाने में परेशानियां आती हैं। ऑटिज़्म एक ऐसी स्थिति है जिससे पीड़ित व्यक्ति का दिमाग अन्य लोगों के दिमाग की तुलना में अलग तरीके से काम करता है। वहीं, ऑटिज्म से पीड़ित लोग भी एक-दूसरे से अलग होते हैं। यानि कि आटिज्म के अलग-अलग मरीजों को अलग-अलग लक्षण महसूस हो सकते हैं। हालांकि इस बीमारी के बारे में अभी तक बहुत ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है और न ही वर्तमान में इसका कोई कम्प्लीट इलाज है। वैसे तो इस बीमारी से पीड़ित लोग नौकरी करने, परिवार और दोस्तों के साथ मेल-मिलाप करने में सक्षम होते हैं, लेकिन कई बार उन्हें इसके लिए दूसरों की मदद लेनी पड़ती है। जहां कुछ ऑटिस्टिक लोगों को पढ़ने-लिखने में परेशानी होती है तो वहीं ऑटिज्म के कुछ मरीज या तो पढ़ने लिखने में बहुत तेज होते हैं या सामान्य होते हैं। परिवार, टीचर्स या दोस्तों के सहयोग से ये लोग नई स्किल्स सीखने में भी सक्षम होते हैं और बिना किसी सहारे के काम कर पाते हैं। कुछ स्टडीज़ में ऐसा देखा गया है कि डायग्नोसिस और इंटरवेंशन ट्रीटमेंट सर्विसेज़ की जल्द मदद से ऑटिस्टिक लोगों को सामाजिक व्यवहार और नयी स्किल्स सीखने में मदद मिलती है जिससे, वे अपना जीवन बेहतर तरीके से जी पाते हैं।

ऑटिज़्म से प्रभावित बच्चों में लक्षण

- दूसरे बच्चों से घुलने-मिलने से बचना
- अकेले रहना
- खेल-कूद में हिस्सा ना लेना या रूचि ना दिखाना
- किसी एक जगह पर घंटों अकेले या चुपचाप बैठना, किसी एक ही वस्तु पर ध्यान देना या कोई एक ही काम को बार-बार करना
- दूसरों से सम्पर्क ना करना
- अलग तरीके से बात करना जैसे प्यास लगने पर मुझे पानी पीना है' कहने की बजाय क्या तुम पानी पीओगे' कहना
- बातचीत के दौरान दूसरे व्यक्ति के हर शब्द को दोहराना
- सनकी व्यवहार करना
- किसी भी एक काम या सामान के साथ पूरी तरह व्यस्त रहना
- खुद को चोट लगाना या नुकसान पहुंचाने के प्रयास करना
- गुस्सैल, बदहवास, बेचैन, अशांत और तोड़-फोड़ मचाने जैसा व्यवहार करना
- किसी काम को लगातार करते रहना जैसे, झूमना या ताली बजाना
- एक ही वाक्य लगातार दोहराते रहना
- दूसरे व्यक्तियों की भावनाओं को ना समझ पाना
- दूसरों की पसंद-नापसंद को ना समझ पाना
- किसी विशेष प्रकार की आवाज़, स्वाद और गंध के प्रति अजीब प्रतिक्रिया देना
- पुरानी स्किल्स को भूल जाना

ऑटिज़्म के प्रकार

ऑटिज़्म के तीन प्रकार निम्न हैं- 1.ऑटिस्टिक डिसॉर्डर (क्लासिक ऑटिज़्म)- यह ऑटिज्म का सबसे आम प्रकार है। जो लोग ऑटिज्म के इस डिसऑडर से प्रभावित होते हैं उन्हें सामाजिक व्यवहार में और अन्य लोगों से बातचीत करने में मुश्किलें होती हैं। साथ ही असामान्य चीज़ों में रूचि होना, असामान्य व्यवहार करना, बोलते समय अटकना, हकलाना या रूक-रूक कर बोलने जैसी आदतें भी ऑटिस्टिक डिसॉर्डर के लक्षण हो सकते हैं। वहीं, कुछ मामलों में बौद्धिक क्षमता में कमी भी देखी जाती है। 2.अस्पेर्गेर सिंड्रोम- इस सिंड्रोम को ऑटिस्टिक डिसऑडर का सबसे हल्का रूप माना जाता है। इस सिंड्रोम से पीड़ित व्यक्ति कभी कभार अपने व्यवहार से भले ही अजीब लग सकते हैं लेकिन, कुछ खास विषयों में इनकी रूचि बहुत अधिक हो सकती है। हालांकि इन लोगों में मानसिक या सामाजिक व्यवहार से जुड़ी कोई समस्या नहीं होती है। 3.पर्वेसिव डेवलपमेंट डिसॉर्डर- आमतौर पर इसे ऑटिज्म का प्रकार नहीं माना जाता है। कुछ विशेष स्थितियों में ही लोगों को इस डिसॉर्डर से पीड़ित माना जाता है।

ऑटिज़्म के लक्षण

इस बीमारी के लक्षण आमतौर पर 12-18 महीनों की आयु में (या इससे पहले भी) दिखते हैं जो सामान्य से लेकर गम्भीर हो सकते हैं। ये समस्याएं पूरे जीवनकाल तक रह सकती हैं। नवजात शिशु जब ऑटिज्म का शिकार होते हैं उनमें विकास के निम्न संकेत दिखाई नहीं देते हैं-

- इक्का-दुक्का शब्द बार-बार बोलना या बड़बड़ाना
- किसी चीज़ की तरफ इशारा करना
- मां की आवाज़ सुनकर मुस्कुराना या उसे प्रतिक्रिया देना
- हाथों के बल चलकर दूसरों के पास जाना
- आंखों में आंखें मिलाकर ना देखना या आई-कॉन्टैक्ट ना बनाना

ऑटिज़्म के कारण और कारक

ऑटिज्म के सही कारणों का पता नहीं चल सका है। हालांकि, विभिन्न स्टडीज़ में कहा गया गया है कि यह डिसऑर्डर कुछ अनुवांशिक और पर्यावरणीय कारणों से होता है। जो कि गर्भ में पल रहे बच्चे के दिमाग के विकास को बाधित करते हैं। जैसे-

- दिमाग के विकास को नियंत्रित करने वाले जीन में कोई गड़बड़ी होना
- सेल्स और दिमाग के बीच सम्पर्क बनाने वाले जीन में गड़बड़ी होना
- गर्भावस्था में वायरल इंफेक्शन या हवा में फैले प्रदूषण कणों के सम्पर्क में आना
- जोखिम कारक इन बच्चों में ऑटिज्म का खतरा सबसे अधिक होता है-
- ऐसे माता-पिता के बच्चे जिनका पहले से कोई बच्चा ऑटिज्म का शिकार हो
- समय से पहले पैदा होने वाले यानि प्रीमैच्योर बच्चे
- कम बर्थ वेट यानि जन्म के समय कम वजन के साथ पैदा होने वाले बच्चे
- उम्रदराज़ माता-पिता के बच्चे
- जेनेटिक/ क्रोमोसोमल कंडीशन जैसे, ट्यूबरस स्केलेरोसिस या फेज़ाइल एक्स सिंड्रोम
- प्रेगनेंसी के दौरान खायी गयीं कुछ दवाइयों का साइड-इफेक्ट

ऑटिज़्म से बचाव

चूंकि अध्ययनों में अभी तक ऑटिज़्म के कारणों का सही तरीके से पता नहीं चल सका है, इसीलिए वर्तमान में इस डिसऑर्डर से बचाव के कोई कारगर उपाय भी उपलब्ध नहीं है। फिलहाल, ऑटिज्म के डायग्नोसिस या निदान के लिए कोई विशिष्ट टेस्ट नहीं है। आमतौर पर, अभिभावकों को बच्चे के व्यवहार और उनके विकास पर ध्यान देने के लिए कहा जाता है। ताकि, डिसऑर्डर का पता लगाने में मदद हो। विशेषज्ञों द्वारा मरीज की देखने, सुनने, बोलने और मोटर कॉर्डिनेशन की क्षमता का आंकलन किया जाता है। आमतौर पर 2 साल की उम्र के आसपास बच्चों में ऑटिज्म होने का पता चल जाता है। लेकिन, कुछ बच्चों में ये लक्षण जल्दी नहीं दिखते हैं। इसीलिए जब बच्चा स्कूल जाने लगता है या जब वह टीनेजर हो जाता है तब उसके ऑटिस्टिक होने का पता चलता है।

ऑटिज़्म का उपचार

वर्तमान में ऑटिज्म के लिए कोई उपचार उपलब्ध नहीं है। हालांकि, स्टडीज़ में ऐसे संकेत दिए गए हैं जिसमें बचपन में ही इंटरवेंशनल ट्रीटमेंट सर्विसेज़ की मदद से ऑटिस्टिक बच्चों को पढ़ने-लिखने जैसी ज़रूरी स्किल्स सीखने में सहायता मिल सके। इसमें एजुकेशनल प्रोग्राम और बिहेवियरल थेरेपी ,एक्यूप्रेशर, योग के साथ-साथ ऐसे स्किल्स ओरिएंटेड ट्रेनिंग सेशन्स भी कराए जाते हैं जो बच्चों को बोलना, सामाजिक व्यवहार और सकारात्मक व्यवहार सीखने में मदद करते हैं। चूंकि, हर व्यक्ति में ऑटिज्म के लक्षण अलग अलग होते हैं, इसलिए हर व्यक्ति को विशेष उपचार देने से ही बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। ऑटिज्म के मुख्य लक्षणों का इलाज करने में दवाइयां कारगार नहीं होती हैं।

क्या आप जानते हैं बारिश के मौसम में रोज 1 चम्मच शहद खाने से क्या होता है

शहद गुणों की खान होता है। इसका इस्तेमाल कई तरीकों से किया जाता है। क्या आप जानती हैं कि अगर मानसून में आप रोज एक चम्मच शहद खाएंगी, तो इससे आपको अनगिनत फायदे मिल सकते हैं।

मानसून में कई बीमारियों का खतरा रहता है। बदलते मौसम के बीच, बुखार, जुकाम, सिरदर्द, जोड़ों का दर्द और डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें काफी आम रहती हैं। ऐसे में सेहतमंद रहने के लिए डाइट पर खास ध्यान देना चाहिए। बारिश में सही खान-पान बहुत जरूरी है ताकि इम्यूनिटी मजबूत बनी रहे। जहां इम्यूनिटी कमजोर होने पर बीमारियां जल्दी घेर लेती हैं। वहीं, इम्यूनिटी मजबूत होने पर इंफेक्शन्स का खतरा कम रहता है। सेहतमंद रहने के लिए, बारिश में डाइट में कई खास चीजों को शामिल करना चाहिए। आयुर्वेद मानसून में रोज 1 चम्मच शहद खाने की सलाह देता है। जी हां, अगर मानसून में आप रोज एक चम्मच शहद खाएंगी, तो इससे आपको अनगिनत फायदे मिल सकते हैं। इसे खाने का सही तरीका और इसके फायदों के बारे में आयुर्वेदिक डॉक्टर से जानते हैं।

बारिश के मौसम में शहद खाने के फायदे

- शहद का सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है और कई बीमारियों से बचाव होता है।
- इससे सर्दी-खांसी और जुकाम से बचाव में भी मदद मिलती है।
- शहद में प्रीबायोटिक गुण होते हैं। रोजाना 1 चम्मच शहद खाने से मानसून में होने वाली पाचन संबंधी दिक्कतों में आराम मिलता है।
- अगर आप वजन कम करना चाहती हैं, तो भी शहद का सेवन पायदेमंद रहता है।
- शहद में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। यह मौसमी बीमारियों और इंफेक्शन्स को दूर करता है।
- रोजाना 1 चम्मच शहद खाने से कमजोरी दूर होती है और शरीर को ताकत मिलती है।

शहद खाने का सही तरीका

- शहद को आप मानसून में कई तरीकों से डाइट में शामिल कर सकती हैं।
- वजन कम करने के लिए 1 चम्मच शहद को पानी में मिलाकर खाएं।
- खांसी को दूर करने के लिए रात को 1 चम्मच शहद काली मिर्च के साथ खाएं।
- मानसून में 1 चम्मच शहद में सोंठ यानी सूखी अदरक का पाउडर मिलाकर खाना भी फायदेमंद रहता है।

क्या आप भी रात में लेते हैं प्रोटीन डाइट?

वजन कम करने के चक्कर में 5 बीमारियों को दे रहे हैं दावत

कुछ लोग रात को हाई प्रोटीन डाइट या प्रोटीन शेक लेते हैं। ऐसा करना कभी-कभी उनकी सेहत पर भी भारी पड़ सकता है। प्रोटीन वेट लॉस से लेकर अच्छी सेहत तक के लिए एक जरूरी पोषक तत्व है। प्रोटीन का शरीर के लिए कई फायदे हैं, जैसे कि यह आपकी क्रेविंग को कंट्रोल करता है, हेल्दी वेट लॉस करता है, शरीर को एनर्जी देता है और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है आदि। लेकिन इसके ये सब फायदे आपको तभी मिल सकते हैं, जब आप प्रोटीन का सेवन सही ढंग से करें।

कुछ लोग प्रोटीन की कमी को पूरा करने के लिए हाई प्रोटीन डाइट लेते हैं, तो कुछ लोग, जो लोग जिम जाते हैं, वो हाई प्रोटीन डाइट में प्रोटीन सप्लीमेंट भी लेते हैं, जैसे कि प्रोटीन पाउडर। लेकिन तब भी कुछ लोगों को प्रोटीन का लाभ नहीं मिल पाता है, क्योंकि वो प्रोटीन गलत समय पर लेते हैं। रात को हाई प्रोटीन डाइट लेना या प्रोटीन पाउडर लेना पाचन और सेहत को कई बार नुकसान भी पहुंचा सकता है। इसलिए रात लाइट और बैलेंस डाइट लेने की सलाह दी जाती है। आइए जानते है कि रात को हाई प्रोटीन डाइट लेने से सेहत को क्या नुकसान हो सकते हैं।

पेट में भारीपन

रात के समय प्रोटीन युक्त लेना डाइट लेना पाचन पर भारी हो सकता है, क्योंकि इससे पाचन तंत्र को अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे पेट में भारीपन महसूस हो सकता है।

एसिडिटी की समस्या

हाई प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों को पचाने में अधिक समय लगता है और रात को कोई शारीरिक एक्टिविटी होती नहीं है। जिससे रात में एसिडिटी की समस्याएं हो सकती हैं।

नींद प्रभावित होती है

प्रोटीन युक्त खाने को पचाने में अधिक ऊर्जा भी लगती है, जिससे शरीर को आराम करने में कठिनाई हो सकती है और नींद प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा पेट में भारीपन महसूस होने पर आपको नींद नहीं आएगी।

वजन बढ़ना

रात के समय प्रोटीन युक्त डाइट लेने से अतिरिक्त कैलोरी का सेवन हो सकता है, जिससे वजन बढ़ने की संभावना बढ़ सकती है।

किडनी पर प्रभाव

अत्यधिक प्रोटीन का सेवन किडनी पर अतिरिक्त प्रेशर डाल सकता है, खासकर जब किसी को पहले से किडनी संबंधित समस्याएं हों।

कोचिंग इंस्टिट्यूशन से मिलने वाले जीएसटी कलेक्शन दोगुना हुआ

2019-20 में कोचिंग संस्थानों से 2240.73 करोड़ का कलेक्शन मिला

2023-24 में यह दोगुना से भी अधिक होकर 5517.45 करोड़ पहुंच गया

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कोचिंग इंडस्ट्री कितनी तेजी से फल-फूल रही है, इसका अंदाजा कोचिंग इंस्टिट्यूशन से मिल रहे जीएसटी कलेक्शन को देखकर लगाया जा सकता है। पिछले चार-पांच साल में कोचिंग इंस्टिट्यूशन से मिलने वाले जीएसटी कलेक्शन में दोगुनी से ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 2019-20 में जहां कोचिंग संस्थानों से 2240.73 करोड़ रुपये का जीएसटी कलेक्शन मिला, वहीं 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 5517.45 करोड़ हो गई है। 2020-21 में कोविड के दौरान भी यह आंकड़ा 2215.24 करोड़ का रहा। 2021-22 में 3045.12 करोड़ और 2022-23 में 4667.03 करोड़ रुपये कलेक्शन रहा। राज्यसभा के सदस्य प्रमोद तिवारी की ओर से पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी गई है।

लिखित जवाब के मुताबिक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी यह माना गया है कि छात्रों के साथ-साथ उनके पैरंट्स बेहतर रिजल्ट के लिए कोचिंग को चुन रहे हैं। विषय को समझाने की जगह रटने पर फोकस कराया जा रहा है। समाधान के लिए नई शिक्षा नीति में रेगुलर फोरमेटिव असेसमेंट की सिफारिश की गई है। सिर्फ रटने और परीक्षा-केंद्रित तैयारी पर जोर देने वाली कोचिंग संस्कृति के प्रभाव को कम करने के लिए जरूरी कदम उठाने की बात कही गई है। वीएसपीके एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन एस. के. गुप्ता का कहना है कि पैरंट्स व छात्रों पर कोचिंग का बुखार इस कदर हावी है कि वे डमी स्कूलों में चले जाते हैं। डमी स्कूलों में जाकर एडमिशन ले लेते हैं और क्लास कोचिंग में लेते हैं। जबकि स्कूल जाने से बच्चा ज्यादा सीखता है, उस पर तनाव कम हावी होता है।

2024 में सरकार ने जेईई मेन के साथ-साथ मेडिकल प्रवेश परीक्षा NEET-UG 2024 के सिलेबस में भी कटौती की थी। CUET, NEET, JEE जैसे बड़े एंट्रेंस टेस्ट बोर्ड स्तर की परीक्षाओं में पढ़े गए कोर सब्जेक्ट के आधार पर कराए गए हैं। यानी बोर्ड क्लासेज में अच्छी तरह से पढ़ने वाले छात्र इन बड़े एंट्रेंस टेस्ट को बिना कोचिंग के भी क्रैक कर सकते हैं। जेईई एक वर्ष में दो बार होती है ताकि छात्र बेस्ट स्कोर चुन सके। सीयूईटी, जेईई और नीट देश की 13 भारतीय भाषाओं में कराई जाती है। अब सरकार ने परीक्षा सुधारों के लिए हाई लेवल कमिटी भी बनाई है, जो तीन स्तर की रणनीति पर काम कर रही है। 2025 के एंट्रेंस टेस्ट में कुछ और बदलाव की उम्मीद है।

गाइडलाइंस ही काफी नहीं

छात्रों से ज्यादा फीस वसूलने, छात्रों पर ज्यादा तनाव थोपने जैसी समस्याओं को देखते हुए शिक्षा मंत्रालय ने कोचिंग सेंटरों के लिए 16 जनवरी 2024 को गाइडलाइंस तो जारी की थी, लेकिन यह काफी नहीं। कोचिंग सेंटर अपने इंफ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान नहीं देते, नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। इस वजह से छात्रों की जान पर खतरा है। इसे हर हाल में रोकना होगा। केंद्र को राज्यों के साथ मिलकर छात्रों के हित वाली पॉलिसी पर काम करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

एनबीसीसी के डीजीएम भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार, सीबीआई ने की कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सीबीआई ने एनबीसीसी के एक उप महाप्रबंधक को एक ठेकेदार से पांच लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है, अधिकारियों ने गुरुवार को कहा। उन्होंने कहा कि लद्दाख में तैनात आरोपी डीजीएम वरुण पोपली ने ठेकेदार से कथित तौर पर 11 लाख रुपये की मांग की थी। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान, वह कथित तौर पर दिल्ली में 5 लाख रुपये का आंशिक भुगतान करने के लिए सहमत हो गया। उन्होंने कहा कि बुधवार शाम को जब वह कथित तौर पर रिश्वत ले रहा था, तब उसे गिरफ्तार कर लिया गया। एनबीसीसी एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है, जिसे पहले राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम के नाम से जाना जाता था।

100 प्रतिशत प्रीमियम पर पहुंचा एफकॉम होल्डिंग्स का आईपीओ

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी इनिशियल पब्लिक आफरिंग यानी आईपीओ में दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर है। कल से एक और आईपीओ दांव लगाने के लिए ओपन हो रहा है। यह आईपीओ एफकॉम होल्डिंग्स का है। कंपनी का यह आईपीओ 2 अगस्त को ओपन होगा और 6 अगस्त तक इसमें निवेश किया जा सकेगा। इसका प्राइस बैंड 108 रुपये तय किया गया है। एफकॉम होल्डिंग्स आईपीओ के जरिए 73.83 करोड़ जुटाने वाला एक एसएमई आईपीओ है। एफकॉम होल्डिंग्स आईपीओ में 1200 शेयरों का एक लॉट है। एफकॉम होल्डिंग्स आईपीओ ग्रे मार्केट में 108 रुपये प्रीमियम पर उपलब्ध है। इसका मतलब है कि कंपनी के शेयरों की संभावित लिस्टिंग प्राइस 216 रुपये है। इसका मतलब है कि पहले ही दिन निवेशकों के पैसे दोगुने हो जाएंगे। 100 प्रतिशत प्रीमियम पर यह शेयर लिस्ट हो सकता है। एफकॉम होल्डिंग्स लिमिटेड की स्थापना फरवरी 2013 में हुई थी और यह हवाई अड्डे पर कार्गो परिवहन में शामिल है। कंपनी के भारत, हांगकांग, सिंगापुर, थाईलैंड, जापान, दक्षिण कोरिया, चीन और ताइवान में जनरल सेल्स एंड सर्विस एजेंट (जीएसएसए) हैं। वे सिंगापुर पर ध्यान केंद्रित करते हुए सिंगापुर, इंडोनेशिया और ब्रुनेई सहित आसियान देशों के लिए कार्गो उड़ानें संचालित करते हैं। कंपनी हवाई अड्डे से हवाई अड्डे के आधार पर माल की ढुलाई में लगी हुई है।

हरियाणा की शराब बनाने वाली कंपनी के शेयरों का चढ़ा नशा, 7 महीने में तीन गुना से अधिक दिया रिटर्न

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सिंगल माल्ट व्हिस्की बनाने वाली हरियाणा की कंपनी पिकैडिली एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों का नशा निवेशकों के सिर चढ़कर बोल रहा है। आज इसमें 43.35 रुपये की उछाल के साथ 5 पर्सेंट का अपर सर्किट लगा है। केवल छह महीने में ही इस स्टॉक ने अपने निवेशकों के पैसों को करीब-करीब 3 गुना कर दिया है। जबकि, पिछले एक साल में 1,213.76 प्रतिशत का छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। एक साल पहले आज ही के दिन 1 अगस्त 2023 को पिकैडिली के एक शेयर का मूल्य केवल 69.32 रुपये था और ऑल टाइम हाई 910.70 रुपये पर पहुंच गया है। एक साल में इसने 1,213.76 प्रतिशत का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। यानी केवल एक साल में ही इसने एक लाख रुपये को 13 लाख से अधिक कर दिया है। इसका 52 हफ्ते का लो 66.50 रुपये है। अगर साल 2024 में इस स्टॉक के परफार्मेंस को देखें तो इसने 234 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न दिया है। यानी जनवरी 2024 में जिस किसी ने इस स्टॉक में एक लाख रुपये लगाए होंगे।

टोयोटा महाराष्ट्र में करेगी 20 हजार करोड़ का निवेश

डिप्टी सीएम बोले- 8 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

मुंबई , एजेंसी। जापान की ऑटो निर्माता कंपनी टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने महाराष्ट्र सरकार के साथ बुधवार को एक समझौता (एमओयू) किया है, जिसके तहत कंपनी महाराष्ट्र के मराठवाड़ के छत्रपति संभाजी नगर में अपनी एक नए मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की स्थापना करेगी जिसके लिए कंपनी 20,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने बताया कि छत्रपति संभाजी नगर में एक ग्रीनफील्ड मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की स्थापन के लिए जांच करने के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

टोयोटा के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मासाकाजु योशिमुरा ने कहा कि आज हमने एमओयू हस्ताक्षर कर हम देश में विकास के अगले चरण में आगे बढ़ रहे हैं, जिससे हम स्थानीय और वैश्विक स्तर पर क्वालिटेटिव मोबिलिटी सॉल्यूशंस के साथ जीवन को समृद्ध बनाने में योगदान कर सकेंगे।

इस अवसर पर महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि छत्रपति संभाजी नगर में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर कंपनी द्वारा 20,000 करोड़ रुपये का निवेश ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में महाराष्ट्र को एक कदम आगे लेकर जाएगा। इस निवेश के साथ 8,000 प्रत्यक्ष और 12,000 अप्रत्यक्ष रोजगार का सृजन होगा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्लांट के लिए 20,000 करोड़ रुपये के निवेश का आंकड़ा सोशल मीडिया पर शेयर किया।

रिपोर्ट: अप्रैल-जून तिमाही में बिके सबसे ज्यादा 5जी स्मार्टफोन, गर्मी के कारण कुल बिक्री में दो फीसदी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में चालू कैलेंडर वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) में 5जी स्मार्टफोन की बिक्री बढ़कर 77 फीसदी पहुंच गई, जो अब तक का सर्वाधिक है। हालांकि, स्मार्टफोन की कुल बिक्री में सालाना आधार पर दो फीसदी की गिरावट रही। तेज गर्मी, मंदी और सुस्त मांग की वजह से बिक्री में कमी आई है। काउंटरपॉइंट ने अपनी मासिक इंडिया स्मार्टफोन ट्रैकर रिपोर्ट में कहा, कुल बिक्री में गिरावट के बावजूद अप्रैल-जून तिमाही में मूल्य के लिहाज से भारतीय बाजार में सर्वाधिक स्मार्टफोन बेचे गए। इसमें प्रीमियम स्मार्टफोन की मजबूत मांग की अहम भूमिका रही है।

दुकानों तक पहुंचे कम ग्राहक

काउंटरपॉइंट की वरिष्ठ शोध विश्लेषक शिल्पी जैन ने कहा, देश के विभिन्न क्षेत्रों में अप्रैल-जून तिमाही में तेज गर्मी पड़ने से दुकानों तक कम ग्राहक पहुंचे। इसके अलावा, उपभोक्ताओं ने स्मार्टफोन की जगह एयर-कंडीशनर और रेफ्रिजरेटर जैसे उपकरण खरीदने को प्राथमिकता दी। कम मांग की वजह से स्मार्टफोन कंपनियों ने अपने स्टॉक को निकालने के लिए कई बिक्री प्रोत्साहन कार्यक्रम भी आयोजित किए।

25 प्रतिशत बढ़ी प्रीमियम फोन की मांग

रिपोर्ट के मुताबिक, 20,000 रुपये से 30,000 रुपये मूल्य तक के प्रीमियम स्मार्टफोन की बिक्री में अप्रैल-जून, 2024 में सालाना आधार पर 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। 45,000 रुपये से अधिक मूल्य वाले अल्ट्रा-प्रीमियम स्मार्टफोन की बिक्री में 24 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला। काउंटरपॉइंट के शोध विश्लेषक शुभम सिंह ने कहा, आसान फाइनेंशिंग योजनाओं की मदद से भारतीय उपभोक्ता अपने मौजूदा स्मार्टफोन को प्रीमियम और अल्ट्रा-प्रीमियम श्रेणी में अपग्रेड कर रहे हैं।

आईडीबीआई बैंक के निजीकरण का रास्ता साफ हुआ

तीन संभावित खरीदारों को मिला जरूरी सर्टिफिकेट

इस बैंक में सरकार और एलआईसी की हिस्सेदारी है

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी सेक्टर के आईडीबीआई बैंक के निजीकरण का रास्ता साफ हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तीन संभावित खरीदारों को आरबीआई से फिट एंड प्रॉपर सर्टिफिकेट्स मिल चुका है। इनमें भारतीय मूल के कनाडाई बैंकर प्रेम वत्स की कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल, अमीरात एनबीडी और कोटक महिंद्रा बैंक शामिल हैं। इस रेस में फेयरफैक्स फाइनेंशियल को सबसे आगे माना जा रहा है। अब सबकी नजरें सरकार पर टिकी हैं। आईडीबीआई बैंक कई साल से सरकार की प्राइवेटाइजेशन लिस्ट में है। सरकार के पास आईडीबीआई बैंक में 45.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है। साथ ही एलआईसी 49 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के साथ बैंक में सबसे बड़ी शेयरधारक है।

आईडीबीआई पहले फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन था जो बाद में बैंक बन गया। योजना के मुताबिक सरकार बैंक में 60.7 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच सकती है। इसमें सरकार का 30.5 प्रतिशत और ख्लुष्ट का 30.2 प्रतिशत हिस्सा शामिल है। आईडीबीआई का मार्केट कैप अभी करीब 1,08,814.31 करोड़ रुपये है। जानकारों का कहना है कि आईडीबीआई बैंक के निजीकरण में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए क्योंकि यह एक प्राइवेट एंटिटी है। इसमें सरकार की हिस्सेदारी बढ़ने की वजह यह है कि कर्ज के कारण हुए भारी घाटे से उबारने के लिए सरकार को इसमें पूंजी डालनी पड़ी है।

क्या होगा आगे

डिपार्टमेंट ऑफ इनवेस्टमेंट एंड पब्लिक असेट मैनेजमेंट के सेक्रेटरी तुहिन कांत पांडेय ने हाल में एक इंटरव्यू में कहा था कि आईडीबीआई बैंक में स्ट्रैटजिक सेल इस साल पूरी होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक शॉर्ट लिस्ट किए गए बिडर्स की फिट एंड प्रॉपर के पैमानों पर जांच-परख कर रहा है। इसके बाद बिडर्स को वर्चुअल डेटा रूम में आईडीबीआई बैंक की एक्सक्लूसिव जानकारियां दी जाएगी ताकि ये ड्यू डिलिजेंस कर सकें। यह स्ट्रैटेजिक सेल इस वित्त वर्ष में पूरी हो जाने की उम्मीद है।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जुलाई माह में मामूली रूप से धीमी पड़ी, पीएमआई के आंकड़े जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जुलाई माह में मामूली रूप से सुस्त पड़ गई। नए ठेकों और उत्पादन की धीमी रफ्तार इसकी वजह बनी। दूसरी तरफ लागत के दबाव और मांग में मजबूती के कारण अक्टूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई। गुरुवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी सामने आई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जुलाई में घटकर 58.1 हो गया जो जून में 58.3 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, ''भारत के मुख्य विनिर्माण पीएमआई में जुलाई में विस्तार की गति मामूली धीमी रही लेकिन अधिकतर घटकों के मजबूत स्तर पर बने रहने के कारण यह छोटी गिरावट चिंता का कारण नहीं है।'' भारतीय विनिर्माताओं ने जून से मंदी के बावजूद नए ठेकों में पर्याप्त वृद्धि की सूचना दी। एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका और पश्चिम एशिया में स्थित ग्राहकों की ओर से मांग में मजबूती की भी खबर है। भारतीय विनिर्माताओं ने जुलाई में अंतरराष्ट्रीय बिक्री में मजबूत वृद्धि का अनुभव किया।

आ गया गौतम अडानी की दुधारू गाय का रिजल्ट, 47 प्रतिशत उछल गया कंपनी का प्रॉफिट

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप की दुधारू गाय माने जाने वाली कंपनी अडानी पोर्ट्स का रिजल्ट आ गया है। कंपनी का जून तिमाही में कंसोलिडेटेड प्रॉफिट 47.2 प्रतिशत बढ़कर 3,113 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल समान तिमाही में यह 2,115 करोड़ रुपये रहा था। पहली तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 11.34 प्रतिशत बढ़कर 6,956.32 करोड़ रुपये पहुंच गया। तिमाही में कंपनी का इबीआइटीडीए 13.1 प्रतिशत बढ़कर 4,245 करोड़ रुपये पहुंच गया जबकि 61 प्रतिशत हो गया। इस बीच कंपनी का शेयर बीएसई पर एक फीसदी से अधिक तेजी के साथ 1604.15 रुपये पर पहुंच गया। पिछले एक साल के दौरान यह अडानी ग्रुप के शेयरों में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाला स्टॉक है।

एपीएसईजेड के सीईओ अश्विनी गुप्ता ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 की शुरुआत हमारे लिए फाइनेंस और ग्रोथ दोनों मोर्चों पर शानदार प्रदर्शन के साथ हुई है। वित्तीय मोर्चे पर, हमने अब तक की सबसे अधिक इनकम दर्ज की है। गंगावरम पोर्ट में अस्थायी व्यवधान ने हुआ होता तो पहली तिमाही में हमारा कार्गो वॉल्यूम 13 प्रतिशत ग्रोथ के साथ 114.7 एमएमटी होता। तिमाही के दौरान कंपनी ने 109एमएमटी कार्गो वॉल्यूम दर्ज किया जो पिछले साल के मुकाबले 8 प्रतिशत है। इस दौरान मुंद्रा पोर्ट ने 51 एमएमटी कार्गो हैंडल किया जो किसी भी भारतीय पोर्ट के लिए अब तक का तिमाही रेकॉर्ड है।

क्या है टारगेट

जून तिमाही में अडानी पोर्ट्स ने अब तक का सबसे अधिक तिमाही रेल कार्गो और जीपीडब्ल्यूआईएस वॉल्यूम दर्ज किया। कंपनी का कहना है कि बेहतर एसेट स्वेटिंग के कारण घरेलू बंदरगाहों का एबिटा 32 बीपीएस बढ़कर 72 प्रतिशत हो गया, जबकि तिमाही के अंत में नेट डेट टु टीटीएम ईबीआईटीडीए 2.1 गुना रहा। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 के लिए 29,000-31,000 करोड़ रुपये का रेवेन्यू टारगेट, 17,000-18,000 करोड़ रुपये का एबिटा और 460-480 एमएमटी कार्गो का लक्ष्य रखा है। कंपनी को उम्मीद है कि नेट डेट टु इबीआइटीडीए 2.2-2.5 गुना तक बढ़ जाएगा। कंपनी ने इस वित्तीय वर्ष के लिए 10,500-11,500 करोड़ रुपये के कैपिटल एक्सपेंडीचर की योजना बनाई है।

मजबूत मांग से डेयरी उद्योग के राजस्व में 13-14 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद, कच्चे दूध की बढ़ी आपूर्ति

मुंबई एजेंसी। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार देश में अच्छे मानसून की संभावना होने की वजह से भी दूध की आपूर्ति में अच्छी होने की उम्मीद है। देश की डेयरी उद्योग का राजस्व इस वित्त वर्ष में 13 से 14 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है इसकी बढ़ी वजह मजबूत उपभोक्ता मांग है।

कच्चे दूध की आपूर्ति में सुधार के साथ दूध से बने उत्पादों के मूल्य और खपत बढ़ने से मांग को समर्थन मिलेगा। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार देश में अच्छे मानसून की संभावना होने की वजह से भी दूध की आपूर्ति में अच्छी होगी। कच्चे दूध की आपूर्ति बढ़ने की वजह इससे डेयरी कंपनियों के लिए वर्किंग कैपिटल की जरुरत भी बढ़ेगी साथ ही अगले दो वित्तीय वर्ष में संगठित डेयरियों का निवेश बढ़ने की वजह से उनके लोन स्तर में भी वृद्धि होने की संभावना जताई गई है। बावजूद इसके मजबूत बैलेंस शीट के कारण क्रेडिट प्रोफाइल स्थिर रहने का अनुमान है। क्रिसिल रेटिंग्स के वरिष्ठ निनदेशक मोहित मखीजा कहते हैं कि डेयरी उद्योग के राजस्व में वॉल्यूम में 9 से 11 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि देखी जा रही है। दूध से बने उत्पादों की केटेगरी उद्योग के राजस्व में 40 प्रतिशत का योगदान दे सकती है। उनका कहना है कि आय बढ़ने से उपभोक्ता ब्रांडेड उत्पादों की और आकर्षित हो रहे हैं। होटल, रेस्तरां और कैफे सेगमेंट में दूध से बने प्रोडक्टस की बिक्री से भी कंपनियों का राजस्व बढ़ेगा। रिपोर्ट के अनुसरा दूध की आपूर्ति पिछले वित्त वर्ष 230 मिलियन टन से बढ़कर इस वित्तीय वर्ष में 240-245 मिलियन टन होने की उम्मीद है। पिछले दो वित्तीय वर्षों में 38 डेयरियों द्वारा किया गया सालाना पूंजीगत व्यय 2,600-2,700 करोड़ रुपये रहा है। पिछले कुछ वर्षों में वीएपी (मूल्य वर्धित उत्पाद) में देखी गई मजबूत राजस्व वृद्धि जारी रहेगी। क्रिसिल रेटिंग्स ने कहा, इस वित्तीय वर्ष में, इस खंड में 18-20 प्रतिशत की वृद्धि होनी चाहिए और परिणामस्वरूप, कुल राजस्व में वीएपी की हिस्सेदारी पिछले चार वित्तीय वर्षों में 35 प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत हो सकती है। इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले वित्तीय वर्ष में, कच्चे दूध की आपूर्ति में व्यवधान के कारण खुदरा दूध की कीमतों में कई बार बढ़ोतरी हुई, जिससे राजस्व में 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई, लेकिन संगठित डेयरी क्षेत्र की लाभप्रदता पर असर पड़ा।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, 02 अगस्त 2024
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

दुमका में बोले हिमंता विश्व सरमा- पाकुड़ की हालत खराब, मुझे गोपीनाथपुर जाने नहीं दे रही सरकार

दुमका, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्वासरमा गुरुवार को पाकुड़ दौर पर हैं. जहां वे बांग्लादेशी घुसपैठियों के पीड़ित परिवार से मिलेंगे. लेकिन पाकुड़ जाने से पूर्व वे थोड़ी देर के लिए दुमका में रूके. यहां उन्होंने सीएम हिमंता विश्वाशर्मा, संताल हूल की वीरांगना फूलो झानो की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित की. इसके बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पाकुड़ की हालत खराब है. हमें सरकार गोपीनाथपुर जाने नहीं दे रही है. उन्होंने दावा किया है कि आने वाले दिनों में झारखंड में भाजपा की सरकार बनेगी. असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सरमा ने पाकुड़ जाने के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पाकुड़ की हालत खराब है. बांग्लादेशी घुसपैठिये वहां पर आदिवासियों की जमीन हड़प रहे हैं. हमें उनके साथ खड़े होना है. उन्होंने यह भी जानकारी दी कि पाकुड़ के गोपीनाथपुर में झारखंड सरकार ने उन्हें जाने से मना किया है. जब एक मुख्यमंत्री वहां नहीं जा सकते तो आमलोगों की क्या हाल होगा समझा जा सकता है. उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व पाकुड़ के गोपीनाथपुर में पश्चिम बंगाल के लोगों ने पाकुड़ जिला में प्रवेश कर स्थानीय लोगों के साथ मारपीट की थी.

सड़क समंदर में हुई तब्दील, भारी बारिश के बाद लोगों के घरों और दुकानों में घुसा पानी

धनबाद, एजेंसी। इस सीजन में पहली बार मंगलवार की देर शाम में झरिया में मूसलधार बारिश हुई. इससे जहां लोगों को उमस से राहत मिली, वहीं नगर निगम को पोल खुल गयी. झरिया शहर का धर्मशाला रोड जलमग्न हो गया. दो घंटे तक इस मार्ग पर वाहनों का आवागमन बाधित रहा. सड़क किनारे स्थित नाला का पानी सड़क पर बहने से राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा.मातृ सदन सहित कई दुकानों व घरों में नाली व बारिश का पानी घुस गया. सड़क किनारे खड़े कुछ दोपहिया वाहन नाला में गिर गये. वहीं कई बाइक में पानी घुस जाने से स्टार्ट नहीं हुआ. नाला व सड़क पर पानी एक समान हो जाने से चारपहिया व दोपहिया वाहन चालक जहां–तहां रुके रहे. झरिया के मानबाद, टेलीफोन एक्सचेंज रोड, पार्क मोड़, हेटलीबांध समेत कई घरों व दुकानों में बारिश का पानी घुस गया. बारिश कम होने के बाद लोग अपने घरों व दुकानों की सफाई में जुट गये.नालियों की सफाई नियमित नहीं होने से तेज बारिश के बाद हमेशा ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है. स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर के विभिन्न मोहल्लों में नालियों का अतिक्रमण किये जाने से बारिश के समय रोड के पानी में डूबने की स्थिति बन जाती है. इससे लोगों को काफी परेशानी होती है. लोगों ने निगम के अधिकारियों से नालियों की नियमित सफाई कराने के साथ नालियों को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की. मारवाड़ी सम्मेलन ट्रस्ट के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि बरसात में झरिया धर्मशाला रोड की नालियां जाम होने से नाली का गंदा पानी सड़क पर बहता है. निगम और जिला प्रशासन को इस समस्या से कई बार अवगत कराया गया.

मोतियों की खेती से चमकेगी जिले के किसानों की किस्मत, 20 ने दिखायी रुचि

जमशेदपुर, एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम जिले के किसान और मछुआरे अपने तालाबों में मोतियों की भी खेती करेंगे. मोतियों की पैदावार से मछुआरों और तालाबों के मालिकों की किस्मत बदलने वाली है. इसके तहत जिले में करीब 20 तालाब को चिह्नित किया गया है, जहां के करीब 20 लोगों ने रुचि दिखायी कि वे लोग इस खेती को करने को तैयार हैं. इस योजना के तहत किसानों और मछुआरों को लाभ भी दिलाया जायेगा. इसके तहत बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत जिले में बिरसा किसान पाठशाला भी खोली जायेगी, जिससे किसान और मछुआरों को जागरूक किया जा सके. इसके लिए चयनित लोगों को ट्रेनिंग के लिए भी भेजा जायेगा, ताकि इसकी पैदावार बेहतर हो सके. क्वालिटी मोतियों की पैदावार करने के लिए तालाबों को भी बेहतर बनाया जायेगा. मत्स्य विभाग की ओर से इस योजना पर काम किया जा रहा है. जिले में एक किसान द्वारा इसका प्रयोग किया गया है. पोटका में ही इसकी पैदावार की गयी है. इसके जरिये सरकार 50 फीसदी सब्सिडी भी देना चाहती है.चांडिल में किसानों और मछुआरों द्वारा मोतियों की पैदावार किया जा रहा है

झारखंड में लगातार 2 घंटे तक मूसलाधार बारिश, आज भी झमाझम वर्षा के आसार

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची सहित झारखंड के अधिकांश जिलों में छिटपुट बारिश के बाद के बाद बुधवार को लगातार दो घंटे तक झमाझम बारिश हुई। भारी बारिश के कारण रांची शहर के कई इलाकों में जलजमाव हो गया।बारिश के बाद किसानों की बांछें खिल उठी हैं। बता दें कि 2024 में राज्य सरकार ने 18 लाख हेक्टेयर में धान रोपनी का लक्ष्य निर्धारित किया है। लेकिन, अब तक मात्र 1.02 लाख हेक्टेयर में ही धान रोपनी हो सकी है। हालांकि, बुधवार को हुई झमाझम बारिश के बाद धान रोपनी को भी बल मिलने की संभावना है।मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी पूर्वानुमान की बात करें तो एक अगस्त को राज्य के निकटवर्ती मध्य हिस्से रांची, रामगढ़, हजारीबाग, गुमला, बोकारो और खूंटी, दक्षिणी हिस्से यानी पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां के अलावे उत्तर पूर्वी हिस्से यानी देवघर, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद, पाकुड़ और साहिबगंज में कहीं कहीं भारी बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग ने भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 2 अगस्त को भी इन जिलों के कुछ इलाकों में भारी बारिश की संभावना है। दो अगस्त के लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि राजधानी और आसपास के जिलों में 6 अगस्त तक आसमान में बादल छाए रहेंगे। साथ ही, हल्की व मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो राज्य में कई स्थानों पर मेघगर्जन के साथ हल्की व मध्यम दर्जे की बारिश हुई। कहीं कहीं भारी बारिश रिकार्ड किया गया। वर्तमान में राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में मानसून की गतिविधि सामान्य बनी हुई है।

सबसे अधिक बारिश 126.2 मिमी लातेहार के बरवाडीह में रिकार्ड की गई। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 37.6 मिमी गोड्डा का जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 24.8 मिमी रांची का रिकार्ड किया गया जबकि रांची का अधिकतम 30 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।बता दें कि एक जून से लेकर 31 जुलाई तक सिमडेगा में सर्वाधिक 472 मिमी बारिश रिकार्ड की गई, जबकि सबसे कम 167.6 मिमी पाकुड़ में रिकार्ड की गई है। राजधानी में 361.5 मिमी बारिश रिकार्ड की गई, जबकि 521.7 मिमी बारिश का अनुमान था।बुधवार को हुई तेज बारिश से एक तरफ जहां ग्रामीण क्षेत्रों में किसानी को बल मिला, तो दूसरी ओर शहरी क्षेत्रों में जलजमाव ने नगर निगम की पोल खोलकर रख दी है।

कई जगहों पर नालों से गंदा पानी उफनकर बाहर निकलने लगा, तो कहीं गढ्ढ़ों में जलजमाव से दो पहिया वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।कोकर इंडस्ट्रियल एरिया में तो गंदगी नालों से निकलकर सड़क पर ही जमा हो गई। इससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

नालों में ठोस कचरे का अंबार लगा है, ऐसे में मच्छरों के पनपने के कारण बीमारी बढ़ने की भी आशंका लगातार बढ़ने लगी है।

कोकर इंडस्ट्रियल एरिया में हल्की बारिश होने पर भी नाली ओवरफ्लो होने लगती हैं। इस पूरे क्षेत्र में सड़क के दोनों तरफ कचरे का अंबार लगा हुआ है। जिस कारण आने जाने वाले लोगों को इसके बदबू से परेशानी होती है।

झारखंड में ऑटो और ई-रिक्शा चालकों का ड्रेस कोड लागू

रांची, एजेंसी। झारखंड में अब ऑटो व ई-रिक्शा चालकों के लिए ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है। परिवहन विभाग के निर्देश पर गठित विशेष समिति ने ड्रेस कोड की अनुशंसा दस जुलाई को ही की थी, जिस पर विभाग ने अपनी स्वीकृति दे दी है।

पेट्रोल, डीजल या सीएनजी के ऑटो चालकों को खाकी रंग का ड्रेस पहनना होगा। वहीं, ई-रिक्शा के चालकों को नीले रंग का ड्रेस पहनना होगा। ऐसा नहीं करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

राजधानी में पांच हजार ऑटो को परमिट निर्गत किया गया है। ई-रिक्शा को टोकन नगर निगम की ओर से उपलब्ध कराया गया है।

वर्तमान में रांची शहर में 15 हजार से अधिक ऑटो का परिचालन हो रहा है, जबकि पांच की संख्या में जिला परिवहन कार्यालय में ई-रिक्शा रजिस्टर्ड हैं।

समिति की अनुशंसा को यथावत स्वीकृत करते हुए केंद्रीय मोटरयान अधिनियम 1988 (1988 का 59) की धारा 28 (2) (डी) द्वारा राज्य सरकार को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर राज्य में परिचालित ऑटो रिक्शा (डीजल/ सीएनजी एवं पेट्रोल) चालकों के लिए खाकी रंग एवं ई रिक्शा चालकों के लिए नीले रंग का ड्रेस कोड निर्धारित किया गया है। इस संबंध में विभाग द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है।

उल्लेखनीय है कि समिति उप परिवहन आयुक्त-सह सचिव, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार, रांची की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया था, जिसमें उप नगर आयुक्त, रांची नगर निगम, जिला परिवहन पदाधिकारी, रांची एवं पुलिस अधीक्षक, यातायात इसके सदस्य थे।

गिरिडीह में कार और ट्रक की जोरदार टक्कर, 5 घायल, एक की स्थिति गंभीर

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह में एक कार और ट्रक की जोरदार टक्कर हो गयी है. इस घटना में पांच लोग घायल हो गये हैं. जिनमें से एक बच्चे की हालत गंभीर बतायी जा रही है. सभी लोग एक ही परिवार के थे. घटना गुरुवार सुबह ताराटांड थाना क्षेत्र के बडकीटांड मोड़ के पास की है. घायलों का इलाज सदर अस्पताल गिरिडीह में चल रहा है. फिलहाल पुलिस दुर्घटना की जांच पड़ताल में जुट गयी है.जानकारी के अनुसार कार में सवार लोग गिरिडीह से आसनसोल जा रहे थे. इस दौरान स्पंज लोड ट्रक से उनकी जोरदार टक्कर हो गयी. जिससे एक ही परिवार के पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गये. घटना के बाद पंडरी गांव के लोगों ने पुलिस इसकी सूचना दी. जिसके बाद पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया. जहां एक बच्चे की हालत गंभीर बतायी जा रही है.बताया जाता है कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक के साथ हुई टक्कर में कार के परखच्चे उड़ गये. घटना के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गयी. वहीं वाहनों की लंबी कतार लग गयी. फिलहाल दोनों वाहनों को पुलिस ने दोनों वाहनों को अपने कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है.

धनबाद में सीबीआई की छापेमारी, कार चालक समेत दो हिरासत में, तालाब से कई मोबाइल बरामद

धनबाद(जोड़ापोखर), एजेंसी। नीट यूजी 2024 पेपर लीक मामले में पटना की सीबीआई टीम ने शुक्रवार की सुबह धनबाद में कई स्थानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की. इस दौरान मिश्रित भवन एलसी रोड इलाके से कार चालक पवन कुमार को हिरासत में लिया. जांच एजेंसी ने एक और संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया है. दोनों की निशानदेही पर सीबीआई टीम सुदामडीह थाना क्षेत्र के नुनूडीह स्थित भाटबांध तालाब पहुंची.

एनडीआरएफ टीम के आने में विलंब होने पर स्थानीय गोताखोरों की मदद से तालाब से करीब एक दर्जन से अधिक क्षतिग्रस्त मोबाइल बरामद किया. सभी मोबाइल सीमेंट की एक बोरी में रखकर फेंके गये थे. बोरी में इंसुलेटेड वायर भी रखे हुए थे, ताकि बोरी तालाब के तल में बैठ जाये. खोजबीन तीन घंटे तक चली. कार्रवाई में सीबीआई पटना व धनबाद के अधिकारी शामिल थे. सामान की बरामदगी में सुदामडीह पुलिस ने सहयोग किया.

नीट यूजी 2024 पेपर लीक मामले में सीबीआई टीम पवन कुमार और दूसरे युवक को पटना लेकर चली गयी. जांच एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि सीबीआई बरामद मोबाइल का डाटा कलेक्ट करने का प्रयास कर रही है. हालांकि टूटा मोबाइल काफी दिनों तक पानी में रहने से इसके पार्ट्स प्रभावित हो सकते हैं. सीबीआई दोनों युवकों को लेकर भाटबांध तालाब पहुंची थी. इधर, हिरासत में लिये गये पवन कुमार की मां ने शुक्रवार को मीडिया से कहा कि उसका बेटा गिरिडीह में किसी अधिकारी की कार चलाता था. कुछ माह पहले उसकी नौकरी छूट गयी थी. पिछले तीन-चार दिनों से झरिया में किसी के यहां कार चला रहा था. आज सुबह सीबीआई की टीम उसे घर से पकड़ कर ले गयी. बताया जाता है कि हिरासत में लिये जाने के बाद पवन की मां सीबीआई के धनबाद ऑफिस पहुंची थी.तालाब से बरामद बोरे में एक दर्जन से अधिक मोबाइल व दो इंसुलेटर थे. इनमें दो आइफोन के अलावा कई अन्य कंपनियों के मोबाइल थे.

आदिवासी छात्र संजीव कुमार कर्मा का बीआईटी सिंदरी में हुआ एडमिशन, सीएम हेमंत सोरेन ने लिया संज्ञान

सिंदरी, एजेंसी। अजय उपाध्याय- पश्चिमी सिंहभूम जिले के कराईकेला अंतर्गत भालूपानी के रहनेवाले आदिवासी छात्र संजीव कुमार कर्मा का नामांकन बुधवार को बिरसा प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी) सिंदरी के बीटेक इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी कोर्स में हो गया. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी खबर पर संज्ञान लेते हुए धनबाद उपायुक्त माधवी मिश्रा को एडमिशन में अविलंब सहायता पहुंचाने का आदेश दिया. हालांकि बीआईटी प्रशासन इससे पहले ही रेस हो गया था. संस्थान के निदेशक डॉ पंकज राय ने संजीव कर्मा की फीस जमा कराकर नामांकन की प्रक्रिया पूरी करवायी. संजीव कुमार कर्मा एडमिशन के लिए 24 जुलाई से ही संस्थान का चक्कर लगा रहा था. मंगलवार को नामांकन की आखिरी तारीख थी. संस्थान के कई पदाधिकारियों से मिलकर उसने फीस के पैसे नहीं होने की बात बतायी थी. संस्थान ने इस छात्र को बुधवार तक का मौका दिया था.इस बीच बीआईटी प्रशासन ने इस आदिवासी छात्र के बीटेक कोर्स का पूरा खर्च वहन करने का निर्णय लिया है. इससे पूर्व संस्थान के निदेशक डॉ पंकज राय ने बताया कि संजीव के नामांकन की राशि बुधवार को जमा करा दी गयी और नामांकन कर दिया गया है. इसमें उन्होंने स्वयं योगदान दिया है. इस प्रकार के सामाजिक दायित्व का निर्वहन

पहले भी किया जा चुका है. संस्थान के एल्युमिनी छात्रों ने पहले भी इस तरह की मदद की है.

छात्र संजीव कुमार करमा के नामांकन में मदद के लिए धनबाद के अलावा रांची, कोडरमा, जमशेदपुर, देवघर के अलावा झारखंड के कई अन्य हिस्सों से लोग व संगठन आगे आये. धनबाद से भाजपा के ग्रामीण जिला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर, बियाडा के पूर्व अध्यक्ष विजय झा, कन्हैया मिश्रा, बलियापुर प्रखंड कार्यालय में निर्वाचन प्रभारी रवि चौरसिया, सिंदरी के भाजपा नेता लक्की सिंह, झरिया के लोजपा नेता बिहारी लाल चौहान, रूदल पासवान, डॉ जयंत कुमार, धनबाद प्रेस क्लब के अजय प्रसाद, दिलीप कुमार आदि संजीव कुमार करमा की मदद के लिए सामने आये.

इंटरसेप्टर वाहन से 18 ओवर स्पीड वाहन चालकों को भेजा नोटिस, जून माह में 352 लाइसेंस रद्द

रांची, एजेंसी। ट्रैफिक पुलिस और सड़क सुरक्षा टीम की ओर से जून माह में लगातार हाई स्पीड वाहनों के खिलाफ जांच अभियान चलाया गया.अभियान के दौरान एक माह में कुल 18 वाहन मालिकों को नोटिस भेजा गया. जिसके बाद उन वाहन मालिकों के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है. जिला परिवहन पदाधिकारी धनंजय के निर्देश पर ट्रैफिक डीएसपी संजय कुमार सिंह एवं सड़क सुरक्षा टीम द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है. इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार जिन- जिन वाहन मालिक को नोटिस भेजा गया है, उन सभी को जिला परिवहन कार्यालय में एक सप्ताह के भीतर जुर्माना की राशि जमा करना होगा. उसके अलावे वाहन मालिक उस वाहन के सभी कागजात की जांच करायेंगे. बताया जाता है कि सड़क सुरक्षा टीम और यातायात पुलिस के द्वारा लगातार अलग अलग प्वाइंट पर जांच अभियान चलाया जा रहा है. ओवर स्पीड की जांच के लिए शहर और हा-33 और कई प्वाइंट पर इंटरसेप्टर गाड़ी को खड़ी कर हाई स्पीड वाले वाहनों की तस्वीर कैमरे में कैद किया गया था. उसके बाद यातायात पुलिस की ओर से सभी गाड़ी मालिकों को नोटिस भेज कर जुर्माना राशि जमा कराने का आदेश दिया गया है. जिला परिवहन पदाधिकारी के अनुसार यातायात पुलिस और सड़क सुरक्षा टीम के द्वारा लगातार अभियान जारी रहेगा. साथ ही लोगों को जागरूक करने

को लेकर भी लगातार अभियान जलाया जायेगा. यातायात के नियम से संबंधित सभी प्रकार की जानकारी देना और जागरूक करने को लेकर भी परिवहन और ट्रैफिक पुलिस की ओर से अभियान चलाया जायेगा. इस मौके पर ट्रैफिक पुलिस के पदाधिकारी, जवान और सड़क सुरक्षा टीम के प्रबंधक प्रकाश कुमार और टीम के अन्य लोग लगातार शामिल रहे.

परिवहन विभाग की ओर से मिली जानकारी के अनुसार जून 2024 में जिला परिवहन विभाग की ओर से 352 चालकों का ड्राईविंग लायसेंस रद्द किया गया है. नियम का उलंघन कर गाड़ी चलाने वाले को जांच के दौरान पकड़ा गया है. उसके बाद उनका लाइसेंस रद्द किया गया. इसके अलावे ड्रिंक एंड ड्राइव, अंडरएज , ओवरलोड, नो पर्किंग के खिलाफ भी अभियान चलाया जा रहा है. आंकड़ा की बात करे तो एक माह में 50 जैसे चालकों को पकड़ा गया है जो कि अंडरएज है. इसके अलावे जून माह में हर सप्ताह लगभग 10 चालक को पकड़ा गया है, जो नशा कर गाड़ी चला रहे थे. इसके अलावे भी अलग अलग नियमों का उलंघन करने पर वाहना चालकों से जुर्माना वसूल किया गया है.

जिला सड़क सुरक्षा टीम के प्रबंधक प्रकाश कुमार ने जिला वासियों से अपील किया है कि वाहन चलाते वक्त नियमों का पालन करे. चालक अपने अपने वाहनों को तय की गई गति सीमा से ज्यादा तेज न चलाए. इससे दुर्घटना होने की पूरी संभावना होती है. वाहन चलाते वक्त अगर आप पकड़े जाते है तो आप पर कार्रवाई की जायेगी. उन्होंने जिला वासियों से अपील किया है कि वह अपने अपने वाहन का कागजात भी पूरी तरह से अपडेट रखे. ताकि जांच के दौरान उन पर कोई जुर्माना न लगे.

चाईबासा का बायो केमिकल इंजीनियर डिजिटल मंच से आदिवासी समाज को कर रहा जागरूक,

जमशेदपुर, एजेंसी। विश्व विख्यात कवि, साहित्यकार, दार्शनिक और नोबेल पुरस्कार से सम्मानित गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की लोकप्रिय कविता की पंक्ति है- जदि तोर डाक शुने केउ ना आसे तबे एकला चलो रे, अर्थात यदि कोई आपकी पुकार का जवाब नहीं देता है, तो अकेले अपने रास्ता पर चलो. यह पंक्ति चाईबासा निवासी मुकेश बिरूआ (50 वर्ष) पर बिल्कुल सटीक बैठती है. मुकेश बायो केमिकल इंजीनियर हैं, लेकिन वर्तमान में सोशल इंजीनियर की भूमिका में हैं. वे आदिवासी समाज को स्वस्थ, समृद्ध और विकसित रूप में देखना चाहते हैं.

इसी चाह में उन्होंने फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और एक्स (ट्विटर) जैसे प्रभावी संचार माध्यम के जरिये आदिवासी समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में काम कर रहे हैं. वे जानते हैं कि किसी भी समाज में बदलाव लाना आसान काम नहीं है. यह काफी चुनौतीपूर्ण काम है. लेकिन इस चुनौती को स्वीकार करते हुए अकेले ही बदलाव की मुहिम में आगे बढ़ चुके हैं. डिजिटल मंच 'मुकेश बिरूआ' के माध्यम से हर घर तक अपनी पहुंच बना रहे हैं. वे सोशल मीडिया मंच पर वर्ष 2021 से लगातार अपने वीडियो अपलोड कर रहे हैं. अब 400 से अधिक वीडियो अपलोड कर चुके हैं. उनके प्रयासों से समाज में जागरूकता बढ़ी है. वे महसूस कर रहे हैं कि आदिवासी समाज के विभिन्न पहलुओं में परिवर्तन देखने को मिल रहा है.

मुकेश का फोकस आदिवासी समाज के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में बदलाव पर है. वे सोशल मीडिया के मंच से लोगों को उनके नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करते हैं. उनके फॉलोअर्स को चुनाव प्रक्रिया, मतदान का महत्व और लोकतंत्र की शक्ति के बारे में विस्तृत जानकारी मिलती है. इन प्लेटफार्म का उपयोग कर मुकेश लोगों को सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों, योजनाओं और उनके लाभ के बारे में भी जानकारी प्रदान करते हैं.

मुकेश का मानना है कि इससे लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में मदद मिलती है और वे अपने

अधिकारों के प्रति अधिक सजग होते हैं. मुकेश का मानना है कि एक जागरूक नागरिक ही अपने समाज और देश को बेहतर बना सकता है. लगातार अपने फॉलोअर्स को प्रेरित करते हुए मुकेश बिरूआ समाज में बदलाव लाने की दिशा में अग्रसर हैं.

मुकेश बिरुआ ने वर्ष 2008 में आदिवासी घड़ी लॉन्च की थी. पूरे देश में उसे पहचान दिलायी. मुकेश की बनायी घड़ी एंटी क्लॉक वाइज घूमती है यानी (दायें से बायें), जबकि सामान्य घड़ी बायें से दायें घूमती है. यह घड़ी प्रकृति के अनुरूप आचरण करने का संदेश देती है. पृथ्वी अपने अक्ष पर दायें से बायें चक्कर लगाती है. उसी तरह सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करने वाले ग्रह भी दायें से बायें ही चक्कर लगाते हैं. आदिवासी समाज प्रकृति के अनुरूप ही आचरण करते हैं. खेत में हल जोतते समय एंटी क्लॉक ही घूमते हैं. शादी-विवाह संस्कार के समय में भी एंटी क्लॉक ही चक्कर लगाते हैं. चूंकि आदिवासी समाज प्रकृति को अनुशरण करते हैं. इसलिए घड़ी का नाम आदिवासी घड़ी रखा गया है.

मुकेश को 27-28 नवंबर, 2011 को रोम में विश्व स्तरीय मंच पर आदिवासियों का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला था. इसमें कई देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे. उस मंच पर मुकेश ने अपने संबोधन में कहा था कि आदिवासी समाज के लोग परिस्थितिवश या अन्य कारणों से अनपढ़ हो सकते हैं. लेकिन वे अज्ञानी बिल्कुल नहीं हैं. वे प्रकृति के आचरण को देखकर समझ जाते हैं कि इस वर्ष अकाल पड़ने वाला है या अच्छी फसल होने वाली है. साथ ही, उन्होंने आदिवासियों की कई कार्यशैलियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से लोगों के समक्ष प्रस्तुत किया. जिसके लिए उन्हें काफी सराहा गया.

मुकेश बिरूआ ने बताया कि पूर्वजों ने जो भी सामाजिक नीति-नियम बनाये, कला- संस्कृति का विकास हुआ, वह एक दिन में नहीं हुआ. बल्कि उसके पीछे वैज्ञानिक दृष्टिकोण शामिल किये गये. आदिवासी प्रकृति प्रेमी और पूजक हैं. इसका सटीक जवाब यह है कि पृथ्वी एंटी क्लॉक वाइज घूमती है. इसलिए आदिवासी भी अपने सभी संस्कार एंटी क्लॉक वाइज ही करते हैं. आदिवासी समाज करम पूजा समारोहपूर्वक मनाता है. पूजा के संबंध में लोग बतायेंगे कि पूर्वजों के जमाने से इसे करते आ रहे हैं, इसलिए पूजा करते हैं. लेकिन इसका वैज्ञानिक दृष्टिकोण यह है कि करम पेड़ चौबीसों घंटे ऑक्सीजन छोड़ते हैं.

साउथ अफ्रीका-अफगानिस्तान के बीच पहली बार होगी क्रिकेट सीरीज

नईदिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका की टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में जगह बनाई थी। लेकिन टीम को फाइनल में भारत के खिलाफ 7 रनों से हार झेलनी पड़ी थी। पिछले कुछ समय से साउथ अफ्रीका ने क्रिकेट की दुनिया में अच्छा प्रदर्शन किया है। अब साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच 18 सितंबर से शारजाह में तीन वनडे मैचों की सीरीज होगी। दोनों टीमों के बीच ये पहली बाइलेटरल सीरीज होगी। इससे पहले दोनों टीमों के बीच एक भी बाइलेटल सीरीज नहीं हुई है। बाइलेटल सीरीज से ही दोनों टीमें चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी करना चाहेंगे। साउथ अफ्रीका ने अफगानिस्तान के खिलाफ सिर्फ दो एकदिवसीय मैच खेले हैं, जिसमें हर बार बाजी साउथ अफ्रीका ने मारी है। दोनों ही मैच वनडे वर्ल्ड कप में हुए थे। एक साल 2019 में और दूसरा 2023 में। दोनों टीमें हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल में आपस में भिड़ी थीं, तब अफ्रीकी टीम ने जीत दर्ज की थी।

दीप्ति की घर वापसी बंगाल का साथ छोड़ अब उत्तर प्रदेश से खेलेंगी क्रिकेट

नईदिल्ली , एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर खिलाड़ी दीप्ति शर्मा ने आगामी घरेलू सत्र से पहले बंगाल का साथ छोड़ दिया है। वह अब अपने गृह राज्य उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करती दिखेंगी। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल से उन्हें नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट भी मिल गया है। उत्तर प्रदेश पुलिस में नौकरी मिलने के कारण दीप्ति ने यह फैसला लिया है। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने दीप्ति शर्मा को लेकर स्पोर्टस्टार को बताया, दीप्ति को उत्तर प्रदेश पुलिस में नौकरी मिल गई है और इसलिए वह वहां शिफ्ट होना चाहती थीं। हमने पहले ही उसे एनओसी जारी कर दी है। इसी साल जनवरी में दीप्ति को उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) पद से सम्मानित किया था।भारत की महिला क्रिकेट टीम की प्रमुख सदस्य दीप्ति कुछ साल पहले झूलन गोस्वामी और मिठू मुखर्जी के कहने पर उत्तर प्रदेश से बंगाल चली गई थीं। पिछले साल खबरें आई थीं कि वह बंगाल टीम को छोड़ने वाली हैं। हालांकि, सीएबी अधिकारियों ने उन्हें बंगाल के साथ बने रहने के लिए लिए मना लिया था। गांगुली के मुताबिक, दीप्ति के रिप्लेसमेंट के तौर पर किसी बाहरी खिलाड़ी को साइन किया जाए या नहीं, इस पर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है।अंतरराष्ट्रीय करियर में, दीप्ति शर्मा ने अब तक क्रमशः पांच टेस्ट, 89 एकदिवसीय और 117 टी20 खेली हैं। उन्होंने 5 टेस्ट की 8 पारी में 63.80 की औसत से 319 रन बनाए। 8 विकेट लिए हैं।

इंडिया-श्रीलंका का मुकाबला आज

कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में 27,000 रन पूरे करने के करीब, श्रीलंका के खिलाफ इतने रन बनाते ही छू लेंगे ये आंकड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लगभग एक महीन के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली मैदान पर नजर आने वाले हैं। भारत और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत 2 अगस्त से होगी और इस वनडे सीरीज में विराट कोहली का जलवा क्रिकेट प्रेमियों को देखने को मिलेगा। वहीं इस सीरीज का दूसरा मुकाबला 4 अगस्त जबकि तीसरा मैच 7 अगस्त को खेला जाएगा।

विराट कोहली के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2024 ज्यादा अच्छा नहीं रहा था, लेकिन फाइनल मुकाबले में उन्होंने भारत के लिए उपयोगी पारी खेली थी और भारत को चैंपियन बनाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। कोहली ने भारत के चैंपियन बनने के बाद क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप को अलविदा कह दिया था। हालांकि वो भारत के लिए अभी टेस्ट और वनडे खेलते रहेंगे। कोहली श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में खेलेंगे और इस दौरान उनके पास इंटरनेशनल क्रिकेट में 27,000 रन पूरा करने का शानदार मौका होगा।

विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में 27,000 रन पूरे करने के करीब पहुंच गए हैं और श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के दौरान वो आसानी से रन के इस आंकड़े को छू सकते हैं। इंटरनेशनल क्रिकटे में विराट कोहली ने 530 मैचों में अब तक 26,884 रन बनाए हैं और वनडे सीरीज के दौरान वो जैसे ही 116 रन बना लेंगे वो रन के इस आंकड़े (27,000) तक पहुंच जाएंगे। इंटरनेशनल क्रिकेट में कोहली से पहले 27,000 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, कुमार संगकारा और रिकी पोंटिंग हैं।

इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप 5 बल्लेबाज

सचिन तेंदुलकर	34,357 रन
कुमार संगकारा	28,016 रन
रिकी पोंटिंग	27,483 रन
विराट कोहली	26,884 रन
महेला जयवर्धने	25,957 रन

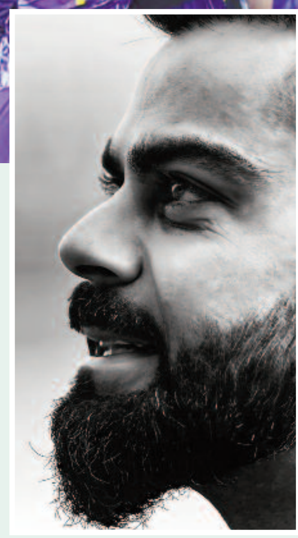

वाह! भारत को मिल गए सचिन तेंदुलकर-सौरव गांगुली

ये दोनों हैं विराट कोहली–रोहित शर्मा जैसे खतरनाक

नई दिल्ली, एजेंसी। एक समय था जब भारतीय टीम के लिमिटेड क्रिकेट फॉर्मेट में महान सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली का सिक्का चलता था। इस ओपनिंग जोड़ी से दुनिया का हर गेंदबाज कांपता था। दाएं और बाएं हाथ के ओपनरों की इस तरह की जोड़ी फिर भारत को नहीं मिली। गौतम गंभीर और वीरेंद्र सहवाग सीन में जरूर आए, लेकिन बहुत समय तक नहीं रहे। कुछ ऐसा ही देखने को मिला शिखर धवन और रोहित शर्मा के साथ। हालांकि, अब इस तरह की कामयाब जोड़ी बनती दिख रही है। जी हां, हम बात कर रहे हैं शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल के बारे में। इस महीने की शुरुआत में भारत को टी20 इंटरनेशनल में शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल के रूप में एक नई ओपनिंग जोड़ी मिली। इस जोड़ी को रोहित शर्मा और विराट कोहली की स्टार बल्लेबाजी जोड़ी की जगह लेने की जिम्मेदारी है, जिन्होंने पिछले महीने टीम के विजयी टी20 विश्व कप अभियान में भारत के सभी मैचों में ओपनिंग की थी। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में को भारत की शानदार 3-0 की जीत दिलाई और इस जोड़ी में भारतीय क्रिकेट विशेषज्ञों को भविष्य दिखने लगा है।

श्रीलंका की पेस बैटरी डाउन

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से दो और खिलाड़ी बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज से पहले श्रीलंका की पेस बैटरी डाउन हो गई है। दो और तेज गेंदबाज भारत के खिलाफ एकदिवसीय मैचों से बाहर हो गए हैं। मथीशा पथिराना को कंधे में परेशानी और दिलशान मदुशंका को हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है। श्रीलंका को दुष्मंथा चमीरा के भी सेवाएं नहीं मिलनी हैं, जो बीमारी के कारण बाहर हैं। इसके अलावा नुवान तुषारा के अंगूठे में फ्रैक्चर है। ये दोनों खिलाड़ी टी20 में भी नहीं खेले थे।

आईपीएल 2025: काव्या मारन नियमों से नाराज

नईदिल्ली, एजेंसी। बीसीसीआई आईपीएल मेगा ऑक्शन के लिए तैयार है. ऐसा माना जा रहा है कि आईपीएल 2025 से पहले मेगा ऑक्शन संभव है. लेकिन अब तक मेगा ऑक्शन पर आईपीएल टीमों की समान राय बन नहीं सकी है. दरअसल, इस पर आईपीएल मालिकों की राय अलग-अलग है. इसके अलावा आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम समेत कई अन्य मसलों पर बीसीसीआई और टीमों के मालिक आमने-सामने है. वहीं, अब सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन की नाराजगी सामने आई है.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन नियमों से बेहद नाखुश हैं. क्रिकबज की खबर की मानें तो काव्या मारन ने बीसीसीआई के साथ टीम मालिकों की बैठक के बाद नियमों पर नाराजगी जताई. काव्या मारन ने कहा कि टीम बनाने में लंबा वक्त लगता है, इससे पहले काफी मंथन करना पड़ता है, युवा खिलाड़ियों पर निवेश करना होता है, युवा खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में वक्त लगता है. ऐसे में मेगा ऑक्शन ठीक ठीक नहीं है, क्योंकि ऑक्शन में आपके खिलाड़ी ऑक्शन में दूसरी टीमों का हिस्सा बन जाते हैं. जबकि इससे पहले आप उन युवा खिलाड़ियों पर निवेश करते हैं.

इसके बाद काव्या मारन सनराइजर्स हैदराबाद के युवा खिलाड़ी अभिषेक शर्मा का उदाहरण देती हैं. काव्या मारन कहती हैं कि अभिषेक शर्मा को तैयार करने में 3 साल का वक्त लगा. इस खिलाड़ी को हमने 3 साल तक तैयार कर बेहतर बनाया. अब अभिषेक शर्मा हमारे लिए अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन इसके पीछे हमारी मेहनत है. उन्होंने कहा कि अभिषेक शर्मा इकलौते उदाहरण नहीं हैं, इस तरह के उदाहरण आपको बाकी टीमों में भी मिल जाएंगे. लिहाजा, सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन मेगा ऑक्शन की पक्षधर नहीं हैं.

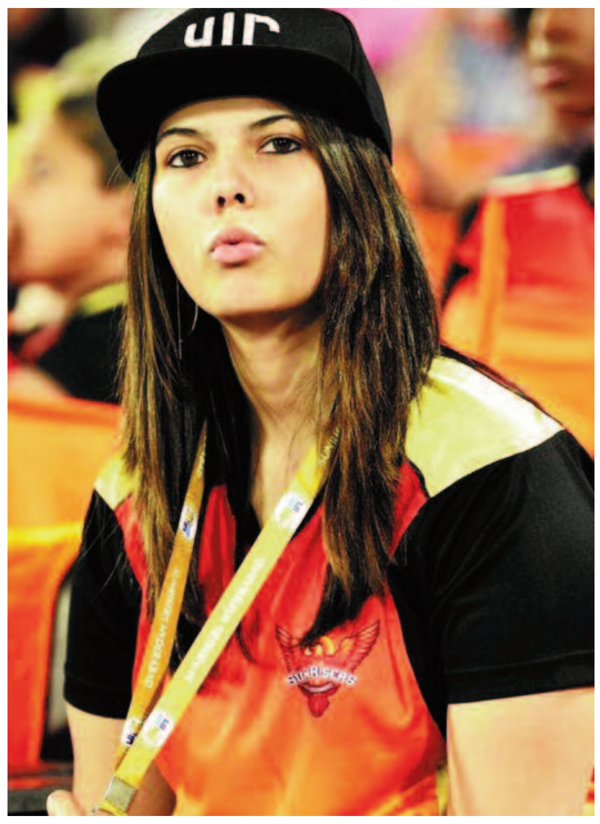

पेरिस ओलंपिक: नीरज चोपड़ा क्या फिर से जीत पाएंगे गोल्ड मेडल!

6 और 8 अगस्त को एक्शन में नजर आएंगे नीरज चोपड़ा

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत को अपने स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा से बड़ी उम्मीद है। नीरज ने टोक्यो ओलिंपक 2018 में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता था और एक बार फिर से उनसे पेरिस में भी बड़ी उम्मीद है। नीरज चोपड़ा अगर इस बार भी गोल्ड मेडल जीतने में कामयाब हो जाते हैं तो वो इतिहास रच देंगे। आपको बताते हैं कि नीरज चोपड़ा किस दिन मैदान पर नजर आएंगे।

भारत की तरफ से ओलिंपिक इतिहास में गोल्ड मेडल जीतने वाले सिर्फ दो खिलाड़ी हैं जिसमें एक अभिनव बिंद्रा हैं तो दूसरे नीरज चोपड़ा हैं। वहीं भारत की तरफ से अब तक किसी भी खिलाड़ी ने दो गोल्ड मेडल ओलिंपिक में नहीं जीते हैं, लेकिन नीरज का जिस तरह का प्रदर्शन रहा है ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि वो भारत के लिए ओलंपिक में दो गोल्ड मेडल जीतने का कमाल कर सकते हैं। नीरज चोपड़ा टोक्यो ओलंपिक में 6 अगस्त को मैदान पर क्वालिफिकेशन राउंड में उतरेंगे। इसमें अगर वो फाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाते हैं तो फिर 8 अगस्त को एक्शन में दिखेंगे। 8 अगस्त को मेन्स जैवलिन थ्रो की शुरुआत भारतीय समय के मुताबिक दिन के 11.55 बजे होगी।

नीरज चोपड़ा अगर 8 अगस्त को मेन्स जैवलिन थ्रो इवेंट में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीत जाते हैं तो वो इस प्रतियोगिता में अपने टाइटल का बचाव करने वाले वर्ल्ड के 5वें एथलीट बन जाएंगे। यही नहीं वो ओलिंपिक में लगातार दो गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट भी बन जाएंगे। नीरज चोपड़ा से पहले जैवलिन थ्रो इवेंट में एरिक लेमिंग (स्वीडन- 1908 और 1912), जॉनी मायरा (फिनलैंड- 1920 और 1924), जान जेलेजनी (चेक गणराज्य- 1992, 1996 और 2000) और एंड्रियास थोरकिल्डसन (नॉर्वे- 2004 और 2008) ही ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंनेअपने खिताब का बचाव किया था।

टेबल टेनिस के कड़े मुकाबले में स्टार मनिका बत्रा को मिली हार

पेरिस, एजेंसी। भारत की स्टार टेबल टेनिस प्लेयर मनिका बत्रा पेरिस ओलंपिक 2024 में एकल स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में जापान की मियू हिरानो से 1-4 से हारकर बाहर हो गईं। लेकिन उन्होंने मुकाबले में जापान की मियू हिरानो को कड़ी टक्कर दी। अंत में बाजी जापानी के खिलाड़ी के हाथ लगी। मनिका को 47 मिनट तक चले अंतिम 16 के मुकाबले में हिरानो ने 11-6, 11-9, 12-14, 11-8, 11-6 से शिकस्त दी। मनिका ने दो गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए तीसरे गेम में 14-12 से जीत दर्ज की। लेकिन इसके बाद इस लय को जारी नहीं रख सकी और अगले दो गेम गंवाकर बाहर हो गईं।

पहले दो गेम हारने के बाद मनिका ने की थी वापसी

मनिका बत्रा ने पहला गेम 11-6 से गंवा दिया था। इससे वह 0-1 से पिछड़ गईं। पहले गेम में उनके पास बढ़त लेने का चांस था, लेकिन वह दबाव में आ गईं और गलतियां कर बैठीं। दूसरे गेम में भी पहले गेम जैसी ही कहानी दोहराई गई। जब वह उन्होंने 11-9 से गेम गंवा दिया। उनके पास लीड लेने का मौका था, लेकिन वह चूक गईं। मनिका बत्रा ने तीसरे गेम में बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया। शुरुआत में ही लीड ले ली थी। लेकिन इसके बाद हिरानो ने लीड बराबर कर दी। एक समय पर दोनों ही प्लेयर्स गेम जीतने की कगार पर थीं। पर अंत में बाजी मनिका के हाथ लगी। उन्होंने 14-12 से गेम जीत लिया। उन्होंने चौथे और पांचवें गेम में भी हिरानो को टक्कर दी। लेकिन जापानी प्लेयर के अनुभव के आगे मनिका टिक नहीं पाईं। उन्होंने मैच 4-1 से गंवा दिया और उनसे मेडल की उम्मीद टूट गई।

तरुणदीप रॉय को मिली करारी शिकस्त

अपना चौथा ओलंपिक खेल रहे तरुणदीप को टॉम हॉल ने 6-4 (27-27, 27-28, 28-25, 28-29, 29-29) से हराया है। इसी के साथ तरुणदीप को राउंड-64 में ही हार झेलनी पड़ी। तरुणदीप ने टॉप हॉल के खिलाफ दूसरा सेट गंवाने के बाद तीसरे सेट में अच्छी वापसी की लेकिन हॉल ने चौथे सेट में जीत के साथ बढत कायम कर ली। तरुणदीप को मुकाबले को शूट ऑफ में खींचने के लिए आखिरी प्रयास में 10 अंक का निशाना लगाना था लेकिन वह नौ अंक का निशाना ही लगा पाए जिससे यह सेट बराबरी पर छूटा और हॉल ने निर्णायक बढ़त बना ली।

तीनों खान के साथ काम करने पर बोलीं करिश्मा कपूर

करिश्मा कपूर ने एक दौर में बॉलीवुड के तीनों खान शाहरुख, सलमान और आमिर के साथ काम किया है। अब एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने तीनों एक्टर्स के साथ काम करने का एक्सपीरियंस शेयर किया। करिश्मा ने कहा कि हम लोग लगभग एक साथ बड़े हुए हैं। मेरे ख्याल से उनके काम करने का तरीका उन्हें एक दूसरे से अलग बनाता है। सलमान मस्ती मजाक करते हुए काम करते हैं पर शॉट देते वक्त वो सीरियस हो जाते हैं। वहीं शाहरुख बहुत मेहनती हैं। वो आपके साथ बैठकर लाइन्स की रिहर्सल करते हैं। और फिर आमिर तो परफेक्शनिस्ट हैं ही। वर्कफ्रंट पर करिश्मा अभय देओल के साथ थ्रिलर सीरीज ब्राउन में नजर आने वाली हैं।

50 करोड़ के पार हुई धनुष की रायन

कैप्टन मिलर के बाद एक और हिट

साउथ इंडियन स्टार धनुष फैंस के बीच काफी लोकप्रिय है। ऐसे में उनकी हर फिल्म का इंतजार रहता है। गत शुक्रवार (26 जुलाई) को धनुष की फिल्म 'रायन' सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म पर दर्शक खूब प्यार लुटा रहे हैं। फिल्म ने शुरुआती 3 दिन यानी पहले वीकेंड पर बढ़िया कमाई की। हालांकि अब रफ्तार कम हो गई है, फिर भी यह एक खास आंकड़ा छू चुकी है। 'रायन' का 5वें दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सामने आ गया है। फिल्म ने मंगलवार (30 जुलाई) को सभी भाषाओं में मिलाकर 4.50 करोड़ रुपए की कमाई की।

इसकी कुल तमिल ऑक्यूपेंसी 22.48त्न रही। फिल्म ने भारत में 50 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार करते हुए अब तक 52.95 करोड़ रुपए बटोर लिए हैं। यह धनुष की 50वीं फिल्म है, जिसमें वे एक्शन करते हुए नजर आ रहे हैं।

खास बात ये है कि इसके डायरेक्टर भी धनुष ही हैं। फिल्म में एसजे सूर्या, संदीप किशन, कालिदास जयराम, अपर्णा बालमुरली, दुशारा विजयन, प्रकाश राज और सेल्वाराघवन जैसे दिग्गज कलाकार भी हैं।

नारीवाद पर दिए विवादित बयान पर नोरा फतेही ने मांगी माफी

किसी को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं...

नारीवाद के बारे में नोरा फतेही का पिछला बयान तब सुर्खियों में आया जब नेटिजन्स ने उनकी राय की आलोचना की। अभिनेत्री-मॉडल ने पहले परिवार की अवधारणा की वकालत की थी लेकिन अपने शब्दों का चयन ठीक से नहीं किया था। अपने डांस मूव्स के लिए चर्चित अभिनेत्री नोरा फतेही ने कहा था कि नारीवाद ने समाज में युवाओं का दिमाग खराब कर दिया है और दोनों लिंगों की पारंपरिकता और कामों को बिगाड़ कर रख दिया है। हालांकि, नोरा को अब अपनी गलती का अहसास हो गया है और उन्होंने अपनी टिप्पणी से किसी को ठेस पहुंचने पर माफी मांगी है। नोरा फतेही ने अपने हालिया इंटरव्यू में उन लोगों से माफी मांगी जो उनकी टिप्पणियों से आहत हुए, और इस बात पर जोर दिया कि उनका इरादा किसी को ठेस पहुंचाने का नहीं था। नोरा ने अपने पिछले बयान का विस्तार करते हुए कहा कि आत्मनिर्भरता का पश्चिमी सांस्कृतिक मानदंड वैध है, लेकिन वह एकल परिवारों के महत्व की वकालत करती हैं जहां दोनों साथी अच्छी तरह से विकसित बच्चों की परवरिश में योगदान करते हैं। प्रतिक्रिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, किसी भी अपराध के लिए मैं निश्चित रूप से माफी मांगती हूं, लेकिन मेरा इरादा बिल्कुल भी नहीं था। नोरा ने इस बात पर जोर दिया कि उनके विचार उनकी शिक्षा और जीवन के अनुभवों से प्रेरित हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं नहीं चाहती कि पश्चिम में जो हो रहा है वह दुनिया के इस हिस्से में हो क्योंकि परंपराओं और मूल्यों और नैतिकता को बनाए रखने से बेहतर कुछ नहीं है।

डेविड धवन का खुलासा

पार्टनर में गोविंदा के साथ काम नहीं करना चाहते थे सलमान

हाल ही में डेविड धवन ने खुलासा किया कि सलमान खान फिल्म पार्टनर में गोविंदा के साथ काम करने को लेकर उत्साहित नहीं थे। एक इंटरव्यू में, डेविड ने बताया कि उन्होंने निर्माता सोहेल खान को सलमान और गोविंदा को एक साथ कास्ट करने का सुझाव दिया था। सोहेल ने इस पर हां कह दी, लेकिन सलमान इस आइडिया से ज्यादा खुश नहीं थे।

बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में, डेविड धवन ने कहा, मैंने सोहेल खान से पूछा कि क्या हम गोविंदा और सलमान भाई को एक साथ ले सकते हैं? सोहेल ने हां कह दी। जब मैंने सलमान से यह बात की, तो वह उतने उत्साहित नहीं थे। मैंने कहा, आओ यार, इसे करते हैं, यह बड़ा हिट होगा। इसके बाद, बैंकॉक में फिल्म की शूटिंग के दौरान, सलमान ने मुझसे कहा, डेविड यार, इससे लड़ना... कोई फायदा नहीं है। 1990 के दशक में डेविड धवन और गोविंदा की जोड़ी सुपरहिट रही। दोनों ने मिलकर करीब 17 हिट फिल्में कीं।

छठी मैया की बिटिया में एक-दो नहीं

छह किरदार निभाएंगी सारा खान

सपना बाबुल का... बिदाई में साधना का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुई सारा खान इन दिनों छठी मैया की बिटिया शो को लेकर चर्चाओं में है। वह इसमें एक नहीं, दो नहीं... बल्कि एक ही फ्रेम में छह अलग-अलग किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले डबल रोल निभाए हैं, लेकिन कभी छह किरदार नहीं निभाए। यह उनके लिए अलग अनुभव होगा।

सारा छठी मैया की बिटिया में छह कृतिकाओं का किरदार निभा रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा जब निर्देशक ने मुझे पहली बार उस सीन के बारे में बताया, जिसमें मैं एक ही फ्रेम में छह अलग-अलग किरदारों के रूप में नजर आऊंगी, तो मुझे लगा कि यह सिर्फ एक प्रोमो के लिए है, कुछ विजुअल इफेक्ट बनाने के लिए या मेरे एंट्री सीन के लिए। उन्होंने बताया कि उन्हें हर सीन में अपने सभी छह किरदारों के साथ अकेले अभिनय करना था, जो एक चुनौतीपूर्ण काम था। उन्होंने आगे कहा, मैं सोच रही थी कि क्या हो रहा है। हर सीन में मैं खुद से बात कर रही थी, सवाल पूछ रही थी और उनका जवाब दे रही थी, और अकेले ही चीजों पर रिएक्ट कर रही थी। मैं सोचती रही कि यह कब तक चलता रहेगा। उन्होंने कहा, बाद में, मैंने कृतिकाओं की कहानी सुनी, जो सात ऋषि मुनियों से शादी करने वाली छह महिलाएं जिन्होंने कार्तिक का पाला था। बाद वही छह कृतिकाएं मिलकर छठी मैय्या बनीं।

इस कहानी को सुनने के बाद मुझे समझ आया कि मुझे कई भूमिकाएं निभानी होंगी। एक्ट्रेस ने कहा कि यह उनके करियर में अब तक किए गए सभी रोल्स की तुलना में बेहद अलग और नया था। सारा ने कहा, मैंने पहले भी डबल रोल किए हैं, लेकिन कभी एक फ्रेम के लिए छह भूमिकाएं नहीं निभाईं। इसलिए, जब मुझे शूटिंग के पहले दिन इस बारे में पता चला, तो यह मेरे लिए चौंकाने वाला था। छठी मैया की बिटिया में अनाथ वैष्णवी (एक्ट्रेस वृंदा दहल) की कहानी है। वह छठी मैया को अपनी मां मानती है। छठी मैया अपने भक्तों की जीवन भर रक्षा करती हैं और उनका मार्गदर्शन करती हैं। इस शो में सारा खान के अलावा, देवोलीना भट्टाचार्जी, जया भट्टाचार्य, वृंदा दहल और आशीष दीक्षित भी हैं। छठी मैया की बिटिया सन नियो पर प्रसारित होता है। बता दें कि सारा खान ने साल 2007 में सीरियल सपना बाबुल का... बिदाई से टीवी की दुनिया में कदम रखा था। इस शो में साधना के रोल से वह घर-घर में जानी गईं। इसके बाद वह जी टीवी के शो प्रीत से बंधी ये डोरी राम मिलाई जोड़ी में मोना के किरदार में नजर आईं। उन्होंने इस शो में प्रियल गोर की जगह ली। वह कलर्स पर प्रसारित होने वाले ससुराल सिमर का को लेकर भी सुर्खियों में रही। इसमें उन्होंने इच्छाधारी नागिन का रोल निभाया। इसके अलावा, वह भाग्यलक्ष्मी में पवित्रा और सौभाग्यलक्ष्मी में कुहू के किरदार में दिखीं। कवच, संतोषी मां और शक्ति- अस्तित्व के एहसास की जैसे कई टीवी शोज में वह नजर आईं। वह कई अन्य किरदारों के लिए भी जानी जाती हैं - जैसे दिल बोले ओबेरॉय में मोहिनी का किरदार और जाना न दिल से दूर में कंगना का किरदार काफी मशहूर हुआ।

फिर से धमाल मचाने आ रही है धूम 4

शाहरुख खान के साथ भिड़ेंगे अक्षय कुमार

धूम फ्रेंचाइजी में अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा की जोड़ी ने फिल्म में काफी धमाल मचाया था। लोगों ने इनकी जोड़ी को भी पसंद किया था। इस फ्रेंचाइजी की हर फिल्म में विलेन के रोल में बॉलीवुड के बड़े स्टार्स नजर आए। बता दें, धूम 3 में एक्टर आमिर खान नेगेटिव रोल में थे। फिल्म धूम 3 में आमिर ने विलन का काफी ज़बरदस्त रोले निभाया था। हालांकि अब धूम 3 के बाद फैंस धूम 4 का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। वहीं अब फैंस का यह लंबा इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। दरअसल धूम 4 को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स की मानें तो धूम 4 के लिए शाहरुख खान और अक्षय कुमार का नाम सामने आया है। इस फिल्म में अक्षय कुमार जहां पुलिस अफसर का किरदार निभाएंगे तो वहीं शाहरुख खान नेगेटिव रोल में दिखाई देंगे। अभी हाल ही में नितेश नवीन ने धूम 4 की कास्टिंग को लेकर एक ट्वीट किया है। इस ट्वीट में बताया कि आदित्य चोपड़ा की फिल्म धूम 4 में अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा का किरदार बदल चुका है और अब इस फिल्म में विलेन के रोल में शाहरुख खान नजर आएंगे तो वहीं अक्षय कुमार फिल्म में पुलिसवाले का किरदार निभाएंगे। नयनतारा और कटरीना कैफ का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है।

सेट पर घायल हुई कश्मीरा शाह

पसलियों में चोट और टखने में मोच..

एक्ट्रेस और लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट की कंटेस्टेंट कश्मीरा शाह के फैंस के लिए हाल ही में एक परेशान कर देने वाली खबर सामने आई है। शूटिंग के सेट पर कश्मीरा शाह हादसे का शिकार हो गई हैं। उनकी पसली और पैर में चोट आई है। एक्ट्रेस ने कुछ चोटिल तस्वीरें शेयर करते हुए अपना दर्द बयां किया है।

पीली ड्रेस में प्रोपर पटोला लगीं शहनाज गिल

एक्ट्रेस शहनाज गिल इंडस्ट्री का वो नाम, जिसे आज कौन नहीं जानता। बिग बॉस 13 से अपने सफल करियर की शुरूआत करने के बाद शहनाज ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और फैंस के दिलों पर राज करती गईं। आज बॉलीवुड इंडस्ट्री में शहनाज का एक अलग ही रुतबा है। हाल ही में इस एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने नए लुक की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसे देख फैंस खूब इम्प्रेस हो रहे हैं। यह तस्वीरें देख आपका भी दिन बन जाएगा। डायरेक्टर हंसल मेहता अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। अब हाल ही में उन्होंने अपनी बेटी को लेकर एक चौकाने वाला खुलासा किया है। डायरेक्टर ने बताया कि उनकी बेटी को आधार कार्ड बनवाने में बहुत दिक्कत आ रही है। वह पिछले कई दिनों से मुंबई में आधार कार्ड ऑफिस के चक्कर लगा चुकी हैं लेकिन किसी न किसी वजह से सीनियर मैनेजमेंट द्वारा उसे वापस भेज दिया जाता है। उन्होंने इसे हैरेसमेंट का नाम दिया है।

चिकन गुनिया का शिकार हुए सुधीर मिश्रा

मशहूर निर्देशक, निर्माता और लेखक सुधीर मिश्रा चिकनगुनिया का शिकार हो गए हैं। इस बीमारी के चलते वह काफी दर्द में हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद अपने एक्स अकाउंट पर दी है। इस खबर के बाद उनके फैंस और करीबी उनके लिए काफी चिंतित नजर आ रहे हैं और उन्हें अपना ख्याल रखने की सलाह दे रहे हैं।

-साभार एजेंसी